10 विराट कोहली....



झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 दीपिका पादूकोण...



रांची, मंगलवार, 03 नवंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -131 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला



स्वामी रत्नेश जी (ज्योतिष शिरोमणि)

संस्थापक रत्नेश ग्रह रत्न केंद्र रांची, झारखंड।

हस्तरेखा शास्त्र (पामिस्ट्री) केवल हाथों की रेखाओं को पढ़ने की विद्या नहीं, बल्कि व्यक्ति के स्वभाव, व्यक्तित्व और जीवन की संभावनाओं को समझने का एक प्राचीन माध्यम है। आधुनिक युग में भी यह जिज्ञासा, आत्मचिंतन और पारंपरिक ज्ञान का महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,38,150**

चांदी (प्रति किलो) : **2,26,450**

(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **75,692.78**

निफ्टी :- **23,440.80**

मौसम

अधिकतम तापमान : **27**

न्यूनतम तापमान : **19**

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:56**

संध्या :- **17:09**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1948 को देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएन) में अपना पहला भाषण दिया।

संक्षिप्त समाचार

गैस पाइपलाइन फटने से 5 के मरने की आशंका, एक दर्जन घायल

मुजफ्फरपुरः शहर के गोबरसही इलाके में भूमिगत गैस पाइपलाइन फटने से भीषण हादसा हो गया है. पाइपलाइन फटने के बाद हुए जोरदार धमाके से पांच लोगों की मौत होने की आशंका जताई जा रही है. वहीं, एक दर्जन लोग घायल हैं. पुलिस और स्थानीय लोगों के मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है. अप्रत्याशित घटना के बाद पूरे गोबरसही और आसपास के मोहल्लों में भारी अफरातफरी मच गई है. धमाके की आवाज सुनते ही लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए. गैस पाइप लाइन फटने के धमाके की आवाज तीन किलोमीटर दूर खबरा गांव तक सुनी गयी. तेज धमाके आवाज सुनते ही लोग घरों से बाहर निकलने लगे. विस्पोट इतना भीषण था कि आसपास का एक मकान और दुकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया.

दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे जलाने की इजाजत, सुप्रीम कोर्ट ने तय किया समय

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली पर दिल्ली-नेशनल कैपिटल रीजन में ग्रीन पटाखे जलाने की इजाजत दे दी है. अब यहां के लोग 7 और 8 नवंबर को ग्रीन पटाखे जलाकर दिवाली मना सकते हैं. दोनों दिन सुबह 6 बजे से 7 बजे और रात 8 बजे से 10 बजे तक ग्रीन पटाखे जलाने की इजाजत दी गई है. इस साल दिवाली 8 नवंबर को है. जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने 29 अक्टूबर को यह आदेश पारित किया था, जो सोमवार को उपलब्ध कराया गया. पीठ ने निर्देश दिया कि हॉस्पिटल, नर्सिंग होम, प्राइमरी और डिस्ट्रिक्ट हेल्थ सेंटर, ओल्ड-एज होम और किसी भी अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में कोई भी पटाखे नहीं फोड़े जाएंगे. पीठ ने 29 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा, यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध, जैसा कि पहले लगाया गया था.

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने झारखंड हाईकोर्ट में डाटा सेंटर का किया उद्घाटन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को रात लगभग 9:30 बजे झारखंड हाइकोर्ट में डाटा सेंटर का उद्घाटन किया. उन्होंने कहा कि न्याय को सरल बनाया जाना चाहिए और यह सभी के लिए सुलभ होना चाहिए. चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अदालतों का तकनीकी आधुनिकीकरण समय की जरूरत है. उन्होंने कहा, मामलों की जानकारी और डाटा समय पर न्याय देने के लिए बेहद अहम हैं. वकीलों, वादियों और न्यायाधीशों, सभी को न्याय के लिए



समय पर जानकारी की जरूरत होती है. उन्होंने आगे कहा कि न्याय का प्रशासन न्यायिक संस्थान की जिम्मेदारी है, लेकिन समाज की अंतिम पंक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए जानकारी की उपलब्धता बेहद जरूरी है. इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस एस. चंद्रशेखर और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह भी मौजूद थे, जो पहले झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश रह चुके हैं. सीजेआई सूर्यकांत ने झारखंड हाइकोर्ट की नयी वेबसाइट और उसका आईओएस ऐप भी लॉन्च किया. साथ ही उन्होंने अधीनस्थ न्यायपालिका के सदस्यों को कानूनी सॉफ्टवेयर 'सुप्रीम टुडे' का एआई संस्करण और स्पीच-टू-टेक्स्ट सॉफ्टवेयर ड्रैगन' वितरित किया.

न्यायपालिका का डिजिटल रूपांतरण

झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक ने कहा कि डाटा सेंटर केवल सर्वर और केबल का नाम नहीं, बल्कि अदालत की 'जीवंत स्मृति' है. यह हाईकोर्ट के रिकॉर्ड का सुरक्षित संरक्षक होगा. उन्होंने कहा कि न्याय के उद्देश्य को सुरक्षित करने के लिए न्यायपालिका का डिजिटल रूपांतरण जरूरी है. झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी ने अतिथियों का स्वागत भाषण किया. वही झारखंड हाइकोर्ट के न्यायाधीश और कंप्यूटर एवं डिजिटाइजेशन कमेटी के अध्यक्ष जस्टिस आनंद सेन ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि डाटा सेंटर वकीलों, वादियों और न्यायपालिका को तकनीकी सहयोग देने में लंबा सफर तय करेगा.

इस अवसर पर झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद, जस्टिस राजेश शंकर, जस्टिस अनिल कुमार चौधरी सहित अन्य न्यायाधीश गण, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, डीजीपी तदाशा मिश्रा, महाधिवक्ता रोहित राय, झारखंड स्टेट बार काउंसिल के उपाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला सहित वरीय अधिवक्ता हाईकोर्ट रजिस्ट्री के अधिकारी गण उपस्थित है. देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने देवघर के सिविल कोर्ट में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते हुए स्टेट लेवल लीगल अथॉरिटी को धन्यवाद दिया कि उन्होंने इस तरह के भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया।

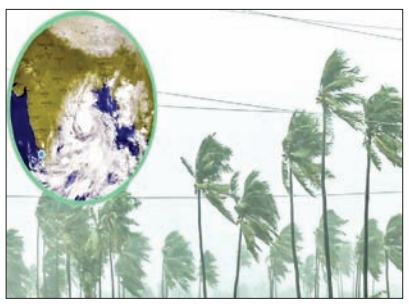
'मुरासु' के कारण आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और ओडिशा में भारी बारिश, स्कूल बंद; 19 उड़ानें रद्द

एजेंसी

नयी दिल्ली। मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात के सोमवार आधी रात से मंगलवार तड़के के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और नरसापुर के बीच तट से टकराने की आशंका है. इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है, जबकि तेज झोंकों के साथ यह 120 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है. चक्रवात के खतरे को देखते हुए सोमवार को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा, तिरुपति और विशाखापत्तनम हवाई अड्डों से संचालित कम से कम 19 घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं. विजयवाड़ा हवाई अड्डे पर इंडिगो ने 10 और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने दो उड़ानें रद्द कीं. वहीं, विशाखापत्तनम में चार और तिरुपति हवाई अड्डे पर तीन उड़ानों को रद्द किया गया.

चेन्नई में भारी बारिश से जलभराव, स्कूल बंद

चक्रवात के प्रभाव से उत्तरी तमिलनाडु में भी भारी बारिश हो रही है. चेन्नई के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है. मौसम विभाग की ओर से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी किए जाने के बाद प्रशासन ने सोमवार को स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी. चेन्नई हवाई अड्डे से भी कुछ उड़ानें रद्द की गई हैं. हवाई अड्डा प्रशासन ने यात्रियों को किसी भी तरह की जानकारी और सहायता के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी है. चेन्नई, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लुर जिलों में रविवार रात से ही मूसलाधार बारिश हो रही है. मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि चक्रवात के दक्षिण आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ने के कारण चेन्नई और तिरुवल्लुर में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है. इसके अलावा चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, रानीपेट, वेल्लोर और नीलगिरी जिलों में भी भारी बारिश का अनुमान है. मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात के तटीय इलाकों को पार करने के बाद



ही बारिश की तीव्रता धीरे-धीरे कम होगी.

आंध्र प्रदेश की मदद के लिए तमिलनाडु ने भेजीं टीमें

चक्रवात से निपटने की तैयारियों के बीच तमिलनाडु ने आंध्र प्रदेश की मदद के लिए राहत और बचाव दल भेजे हैं. चूंकि तूफान का सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश में पड़ने की आशंका है, इसलिए तमिलनाडु ने 90 सदस्यों वाली राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की तीन टीमें वहां भेजी हैं. इसके अलावा बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए 500 कर्मचारियों वाली बिजली विभाग की 25 टीमें भी जरूरी उपकरणों के साथ आंध्र प्रदेश पहुंचाई गई हैं. कर्नाटक ने भी आंध्र प्रदेश की सहायता का ऐलान किया है. राज्य सरकार चक्रवात अर्नब से क्षतिग्रस्त हुए बिजली ढांचे को दुरुस्त करने के लिए 500 कुशल बिजली कर्मचारियों और जरूरी उपकरणों को तैनात करेगी. चक्रवात के प्रभाव से आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तटीय इलाकों और रायलसीमा जिलों में मध्यम से भारी बारिश होने का अनुमान है. इसे देखते हुए मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को सतर्क रहने और जरूरी एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं. मुख्यमंत्री को उम्मीद है कि इस बार चक्रवात का असर सीमित रहेगा. मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक, मुरासु के दौरान हवा की रफ्तार और बारिश की तीव्रता चक्रवात अर्नब के मुकाबले कम रहने की संभावना है.

अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में पीएमआरयू की शासी निकाय की हुई बैठक

झारखंड में दवाओं की कीमतों पर होगी सख्त निगरानी : अजय सिंह

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। झारखंड में दवाओं की कीमतों पर निगरानी रखने और आम लोगों को उचित मूल्य पर दवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में झारखंड फार्मास्यूटिकल प्राइस मॉनिटरिंग एंड रिसोर्स यूनिट (पीएमआरयू) ने अब तक 97 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया है. शेष लक्ष्यों को पूरा कर शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने का निर्देश दिया गया है. इसके साथ ही दवाओं की कीमतों और बाजार में उनकी उपलब्धता की निगरानी को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया है. इस संबंध में सोमवार, 2 नवंबर 2026 को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में पीएमआरयू की शासी निकाय की बैठक हुई. बैठक में भारत सरकार की ओर से पीएमआरयू कार्यक्रम को वित्तीय वर्ष 2030-31 तक विस्तारित करने की स्वीकृति की जानकारी दी गयी. अपर मुख्य सचिव ने यूनिट की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया.

पीएमआरयू ने हासिल किया 97 फीसदी लक्ष्य



निर्धारित दर से अधिक कीमत पर दवा बेचने पर होगी कार्रवाई

बैठक में बताया गया कि पीएमआरयू का मुख्य उद्देश्य दवाओं की कीमतों पर निगरानी रखना, उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना और उपभोक्ताओं को निर्धारित मूल्य के प्रति जागरूक करना है. इसके तहत मेडिकल स्टोर, अस्पतालों और अन्य दवा बिक्री केंद्रों पर नियमित निगरानी की जाती है. भारत सरकार की ओर से जिन दवाओं की अधिकतम कीमत निर्धारित की गयी है, उनके नमूने लेकर जांच की जाती है कि कहीं निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर बिक्री तो नहीं हो रही है. वहीं, जिन दवाओं की कीमत सरकार ने निर्धारित नहीं की है, उनकी कीमतों में होने वाली वृद्धि पर नजर रखी जाती है. ऐसी दवाओं की कीमत में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि होने पर नमूने लेकर आवश्यक जांच की जाती है और नियमानुसार कार्रवाई की जाती है.

आईपीडीएस 2.0 पोर्टल पर मिलेगी दवाओं की कीमत की जानकारी

दवाओं की निर्धारित कीमतों से संबंधित जानकारी भारत सरकार के आईपीडीएस 2.0 पोर्टल पर उपलब्ध है. इसके माध्यम से उपभोक्ता दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं. इसके अलावा बाजार में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता और उनकी संभावित कमी पर भी नजर रखी जाती है, ताकि मरीजों को जरूरी दवाएं मिलने में परेशानी न हो.

'फार्मा सही दाम' ऐप से कर सकेंगे शिकायत

बैठक में आम लोगों को दवाओं की कीमतों के प्रति जागरूक करने के लिए 'फार्मा सही दाम' मोबाइल ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया. इस ऐप के माध्यम से उपभोक्ता दवाओं की कीमत, उनकी संरचना और अन्य विवरण आसानी से जान सकते हैं. यदि कोई दवा विक्रेता निर्धारित कीमत से अधिक राशि वसूलता है या बाजार में दवाओं की कमी की समस्या सामने आती है, तो उपभोक्ता ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं. इसके अलावा पहले दर्ज करायी गयी शिकायतों की स्थिति भी देख सकते हैं. 'फार्मा सही दाम' ऐप हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है. इसमें आवाज के माध्यम से दवाओं की कीमत खोजने की सुविधा भी है. उपभोक्ता जरूरी दवाओं की जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें बुकमार्क कर सकते हैं. यह ऐप एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है.

पीएम मोदी का 500 गिगावाट स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य बोले- 'अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाना मेरा विजन'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो' में देश की स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर बात की। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय ऊर्जा संकट यानी 'एनर्जी शॉक' का सामना कर रही है। ऐसे समय में रिन्यूएबल एनर्जी का महत्व और बढ़ गया है। ऊर्जा सुरक्षा का सीधा संबंध देश की आर्थिक सुरक्षा से है। ढट मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दुनिया ने कोरोना महामारी से लेकर पश्चिम एशिया के संकट तक कई बड़ी चुनौतियां देखी हैं। इन परिस्थितियों के बावजूद भारत ने अपनी विकास की रफ्तार बनाए रखी है। इसका एक बड़ा कारण पिछले एक दशक में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में किया गया निवेश और नई तकनीकों का विकास है। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता में



तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश की कुल स्थापित बिजली क्षमता में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी अब गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों की है। उन्होंने सोलर पावर, किसानों के लिए सौर ऊर्जा, पीएम सूर्यघर योजना और ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को लेकर भी सरकार का विजन सामने रखा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस साल पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट की चर्चा हो रही है। कोरोना महामारी से लेकर पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट तक, दुनिया ने कई मुश्किल दौर देखे हैं। इन परिस्थितियों का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद 140 करोड़ भारतीयों ने देश को आगे बढ़ाने में योगदान दिया है। भारत की विकास यात्रा लगातार जारी है। ढट मोदी के मुताबिक, अगर भारत ने पिछले 10 वर्षों में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश नहीं किया होता और नई व्यवस्थाएं तैयार नहीं की होतीं, तो मौजूदा वैश्विक संकट का असर देश की अर्थव्यवस्था पर और ज्यादा पड़ सकता था। उन्होंने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में तेजी से काम करना जरूरी है।

500 गिगावाट स्वच्छ ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य, अब तक करीब 300 गिगावाट हासिल

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में भारत ने तेजी से प्रगति की है। साल 2021 में COP26 के दौरान भारत ने 2030 तक 500 गिगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा था। आज देश की कुल स्थापित बिजली क्षमता में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों की हो चुकी है। भारत करीब 300 गिगावाट की गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल कर चुका है और 500 गिगावाट के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत सौर और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है। उन्होंने भरोसा जताया कि देश अपनी क्षमता के दम पर अगले लक्ष्य भी हासिल करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में विकसित तकनीक और यहां के अनुभव का लाभ दुनिया के दूसरे देशों को भी मिलना चाहिए। इससे पूरी मानवता को फायदा होगा।





गोला में सड़क सुरक्षा पर बड़ा सवाल: कहीं बाइक की टक्कर तो कहीं ओवरलोड सरिया बना हादसे का कारण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

डीवीसी के समीप दो छात्रों समेत तीन घायल, कैलाश हार्डवेयर के पास सड़क पर गिरा सरिया; घंटों बाधित रहा आवागमन, आखिर हादसों के बाद ही क्यों जागता है प्रशासन?





रामगढ़/गोला। गोला क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सोमवार को अलग-अलग स्थानों पर हुई दो घटनाओं ने यातायात व्यवस्था और संबंधित विभागों की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा दिया। एक ओर गोला-रामगढ़ मार्ग के हुप्पू डीवीसी के समीप मोटरसाइकिल की टक्कर से दो स्कूली छात्रों समेत तीन लोग घायल हो गए, वहीं दूसरी ओर रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग पर कैलाश हार्डवेयर के समीप ओवरलोड सरिया लदे वाहन से अचानक भारी मात्रा में सरिया सड़क पर गिर पड़ा। इससे कई बाइक सवार घायल हो गए और घंटों आवागमन प्रभावित रहा।

महिला को जोरदार टक्कर, दो छात्र समेत तीन घायल

गोला-रामगढ़ मार्ग के हुप्पू डीवीसी के समीप सड़क दुर्घटना में कुसुमडीह निवासी संजय महतो, हुप्पू निवासी अमीर अंसारी और लीला देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि दोनों छात्र एसएस हाई स्कूल गोला के विद्यार्थी हैं। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों छात्र आर-15 मोटरसाइकिल से स्कूल से रामगढ़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान डीवीसी के समीप महिला लीला देवी को मोटरसाइकिल ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। वहीं, मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिरने से दोनों छात्र भी घायल हो गए। महिला के पैर में गंभीर चोट आई है। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही जेएलकेएम के केंद्रीय सचिव संतोष चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घायलों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हाल जाना।

ओवरलोड सरिया सड़क पर गिरा, घंटों परेशान रहे राहगीर

दूसरी घटना रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग पर गोला कैलाश हार्डवेयर के समीप हुई। यहां ओवरलोड सरिया लदे एक वाहन से अचानक भारी मात्रा में सरिया सड़क पर गिर पड़ा। सरिया सड़क पर बिखरने से कई बाइक सवार इसकी चपेट में आकर घायल हो गए। घटना के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। घंटों आवागमन बाधित रहने के कारण राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। सबसे अधिक परेशानी स्कूल से छुट्टी के बाद घर लौट रहे बच्चों को हुई। सड़क पर जाम और बिखरे सरिया के कारण बच्चों को घर पहुंचने में काफी देर हो गई।

ओवरलोड वाहनों पर विभाग की नजर क्यों नहीं?

इन दोनों घटनाओं ने परिवहन विभाग और यातायात व्यवस्था की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर निर्धारित क्षमता से अधिक सामान लादकर वाहन सड़कों पर कैसे दौड़ रहे हैं? वाहनों पर लदे सरिया को सुरक्षित तरीके से बांधने की जांच क्यों नहीं होती? क्या संबंधित अधिकारियों को ऐसे वाहनों की जानकारी नहीं है या फिर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है?

स्थानीय लोगों का कहना है कि परिवहन विभाग की जांच केवल दुर्घटना होने के बाद तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सड़कों पर नियमित जांच अभियान चलाकर ओवरलोड वाहनों और लापरवाही से वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही दुर्घटना संभावित स्थानों पर यातायात नियंत्रण की समुचित व्यवस्था की जानी चाहिए।

बड़ा हादसा होने का इंतजार क्यों?

क्षेत्र के लोगों का सवाल है कि आखिर प्रशासन और संबंधित विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों कर रहे हैं? जब छोटी-छोटी लापरवाही से लोगों की जान खतरे में पड़ रही है, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? सड़क पर चलने वाले आम नागरिक, स्कूली बच्चे और दोपहिया वाहन चालक आखिर कब तक ऐसी लापरवाही का खामियाजा भुगतते रहेंगे?

लोगों ने जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ), पुलिस प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि सड़क सुरक्षा को गंभीरता से लेते हुए नियमित वाहन जांच, ओवरलोडिंग पर रोक और यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाए। लोगों का स्पष्ट कहना है कि प्रशासन की जिम्मेदारी केवल हादसे के बाद घायलों की जानकारी लेना नहीं, बल्कि हादसा होने से पहले उसे रोकने की व्यवस्था करना भी है।

कंटेनर की चपेट में आने से युवक की मौत, हादसे के बाद चालक फरार; सीसीटीवी फुटेज से खुल सकता है राज

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़/गोला। रामगढ़-बोकारो मार्ग पर धमना टांड़ के समीप कंटेनर की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान रजरप्पा थाना क्षेत्र के मायल गांव निवासी मनीष कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, युवक अपने रिश्तेदार के यहां मरखी से वापस लौट रहा था। इसी दौरान वह सड़क हादसे का शिकार हो गया।

हादसे के बाद सुधीर होटल के सामने खड़ा किया गया था वाहन

स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि दुर्घटना के बाद संबंधित कंटेनर को सुधीर होटल के सामने खड़ा किया गया था। बताया जाता है कि जैसे ही चालक को युवक की मौत की सूचना मिली, वह वाहन लेकर वहां से फरार हो गया। यदि यह जानकारी सही है तो यह पूरे मामले की जांच का महत्वपूर्ण बिंदु हो सकता है। आखिर दुर्घटना के बाद वाहन वहां क्यों खड़ा किया गया और मौत की सूचना मिलने के बाद उसे लेकर चालक क्यों फरार हुआ, इसकी जांच आवश्यक है।

डीवीसी चौक और टोल प्लाजा का सीसीटीवी फुटेज हो सकता है अहम सबूत

घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस फुटेज अपने साथ ले गई है। हालांकि, घटना की पूरी सच्चाई सामने लाने के लिए केवल घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों की जांच पर्याप्त नहीं होगी। गोला डीवीसी चौक पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालने की जरूरत है। इसके अलावा रामगढ़-बोकारो मार्ग के टोल प्लाजा पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच से भी संबंधित कंटेनर की पहचान और उसके आने-जाने के रास्ते का पता लगाया जा सकता है।

अस्पताल के रजिस्टर में रेफर का उल्लेख नहीं होने से उठे सवाल

घायल अवस्था में युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला ले जाया गया था, जहां से उसे सदर अस्पताल भेजे जाने की बात सामने आई। हालांकि, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रजिस्टर में रेफर किए जाने का स्पष्ट उल्लेख नहीं मिलने से अस्पताल की प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि युवक की मौत पहले ही हो चुकी थी। ऐसे में उसे किस स्थिति में अस्पताल लाया गया और आगे किस प्रक्रिया के तहत सदर अस्पताल भेजा गया, यह भी जांच का विषय है। फिलहाल पूरे मामले में पुलिस जांच कर रही है। यदि घटनास्थल, डीवीसी चौक और टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज का आपस में मिलान कर गहनता से जांच की जाए तो दुर्घटना में शामिल कंटेनर, उसके चालक और घटना के बाद वाहन की गतिविधियों की पूरी जानकारी सामने आ सकती है। पुलिस के लिए यह जांच मामले की गुत्थी सुलझाने में अहम साबित हो सकती है।

सुर और ताल संग्राम में एमबी डीएवी की सोनम ने राज्य स्तर पर हासिल किया पांचवां स्थान



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राज्य स्तरीय ग्रैंड फिनाले में शानदार प्रदर्शन कर बढ़ाया विद्यालय और लोहरदगा का मान

लोहरदगा: झारखंड विद्यालय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता-2026 के तहत आयोजित ह्यसुर और ताल संग्रामह्ल प्रतियोगिता में एमबी डीएवी विद्यालय की छात्रा सोनम कुमारी ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर पांचवां स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय सहित पूरे जिले में हर्ष का माहौल है।जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सोनम ने राज्य स्तरीय ग्रैंड फिनाले में अपनी जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबले में उन्होंने अपनी नृत्य प्रतिभा, कला कौशल, मेहनत और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए पांचवां स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन (आईएएस) ने उन्हें सम्मानित किया। सोनम की सफलता पर विद्यालय की प्राचार्या प्रेरणा शंखधर सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रसन्नता जताई। उन्होंने सोनम को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बिना सायरन और पूर्व सूचना के गोला पहुंचे उपायुक्त ऋतुराज, प्रखंड-अंचल कार्यालय में मची हलचल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश; दिवंगत पारा शिक्षक के पुत्र ने भी रखी अपनी समस्या



रामगढ़/गोला। रामगढ़ के उपायुक्त ऋतुराज सोमवार को बिना किसी पूर्व सूचना और सायरन के बिल्कुल शांत तरीके से अचानक गोला प्रखंड एवं अंचल कार्यालय पहुंच गए। उनके पहुंचने तक किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। जैसे ही उपायुक्त कार्यालय परिसर में दाखिल हुए, पूरे परिसर में हलचल मच गई। कर्मी अपने-अपने कार्यालयों में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने में जुट गए। उपायुक्त ने एक-एक कर विभिन्न कार्यालयों और बैठक कक्ष का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। लंबित पेंशन मामलों पर गंभीरता निरीक्षण के दौरान सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत लाभुकों की बकाया राशि से संबंधित मामलों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित ऑपरेटर को निर्देश दिया कि लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन कराने के लिए संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित करें, ताकि लाभुकों को उनका बकाया भुगतान मिल सके।

दिवंगत पारा शिक्षक के परिवार की समस्या भी सुनी

औचक निरीक्षण के दौरान एक भावुक पहलू भी सामने आया। दिवंगत पारा शिक्षक स्वर्गीय सुरेश राम बेदिया के पुत्र रामलाल बेदिया ने उपायुक्त से मुलाकात कर अपने पिता की मृत्यु के बाद से लंबित मामले और परिवार को हो रही परेशानियों से अवगत कराया। उन्होंने अपनी समस्या विस्तारपूर्वक उपायुक्त के समक्ष रखी। उपायुक्त ने उनकी बातों को गंभीरता और सकारात्मकता से सुना तथा संबंधित मामले में आवेदन देने की सलाह दी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित अधिकारियों से बात कर मामले के समाधान की दिशा में पहल की जाएगी।

कार्यालय व्यवस्था सुधारने का निर्देश

उपायुक्त ने बैठक कक्ष में कुर्सियों की संख्या बढ़ाने और दोनों हॉल को व्यवस्थित ढंग से तैयार करने का निर्देश अंचलाधिकारी को दिया, ताकि भविष्य में बैठकों के दौरान बेहतर सुविधा मिल सके। वहीं, निरीक्षण के दौरान कुछ कर्मियों की अनुपस्थिति की चर्चा भी रही, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उपायुक्त का यह अचानक निरीक्षण जहां प्रशासनिक व्यवस्था की वास्तविक स्थिति जानने की पहल रहा, वहीं पेंशन लाभुकों और दिवंगत पारा शिक्षक के परिवार की लंबित समस्याओं को सुनना आम लोगों के लिए उम्मीद की एक नई किरण भी बना।

मौके पर अंचल अधिकारी सीताराम महतो सहित कई अधिकारी थे । जिन्हें उपायुक्त ने दिशा निर्देश दिए।

›››: संक्षिप्त खबर :‹‹‹

जल-जंगल-जमीन के अधिकारों को लेकर गोलबंद हुआ बेदिया समाज, महासम्मेलन की तैयारी तेज

सामाजिक एकता, शिक्षा और राजनीतिक सशक्तिकरण पर जोर, फरवरी में तीन दिवसीय महासम्मेलन का होगा आयोजन

रामगढ़/गोला। गोला स्थित द्वारिका पैलेस में बेदिया विकास परिषद के बैनर तले प्रखंड स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के जल, जंगल और जमीन से जुड़े अधिकारों की रक्षा, सामाजिक पहचान और हक-अधिकारों की आवाज बुलंद करने को लेकर व्यापक चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि समाज के अधिकारों का हनन रोकने और अपनी सांस्कृतिक पहचान, परंपरा तथा अस्तित्व को सुरक्षित रखने के लिए संगठित होना समय की आवश्यकता है।बैठक में आगामी 12, 13 एवं 14 फरवरी को आयोजित होने वाले तीन दिवसीय बेदिया समाज महासम्मेलन की तैयारियों की रूपरेखा बनाई गई। महासम्मेलन के माध्यम से सामाजिक एकता, आर्थिक आत्मनिर्भरता, शैक्षणिक जागरूकता, धार्मिक-सांस्कृतिक संरक्षण और राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के लोग एकजुट होकर अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करें और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए संगठित प्रयास करें।केंद्रीय अध्यक्ष शंकर बेदिया ने समाज की एकजुटता पर जोर दिया। केंद्रीय महासचिव रामफल बेदिया, कोषाध्यक्ष गोविंद बेदिया, पूर्व सचिव अशोक राम बेदिया, सचेतक देवकीनंदन बेदिया, रामगढ़ जिला अध्यक्ष रोहन राम बेदिया, जिला सचिव ललन बेदिया और जिला प्रवक्ता देवेंद्र प्रसाद बेदिया ने भी अपने विचार रखे।बैठक में बालकिशुन बेदिया, सदानंद बेदिया, संतोष बेदिया, नारायण बेदिया, मोतीलाल बेदिया, सोहन बेदिया, बहादुर बेदिया, सुरपति देवी, कोलेश्वर बेदिया और सरजू बेदिया सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए समाज के अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने और एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

दीपों की जगमगाहट और मंत्रोच्चार से भक्तिमय हुआ माहौल, कई जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी और गैरमौजूदगी भी रही चर्चा में



झरिया/धनबाद। झरिया के ऐतिहासिक राजा तालाब में बनारस के गंगा घाट की तर्ज पर भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। दीपों की जगमगाहट, शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। स्थानीय लोगों ने इस आयोजन को झरिया की धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के पुनरुत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बतायामहाआरती में झरिया विधायक रागिनी सिंह और धनबाद के महापौर संजीव सिंह प्रमुख रूप से शामिल हुए। इनके अलावा कई पूर्व विधायक और पूर्व सांसद भी उपस्थित रहे। वहीं धनबाद सांसद, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, धनबाद विधायक राज सिन्हा और निरसा विधायक अरूप चटर्जी समेत कई वर्तमान जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय बनी रही। हालांकि उन्होंने व्यस्त कार्यक्रमों का हवाला दिया ।राजा तालाब में आयोजित इस भव्य धार्मिक समागम ने एक बार फिर झरिया की ऐतिहासिक पहचान और जनभावनाओं को सामने रखा। श्रद्धालुओं ने उम्मीद जताई कि इस तरह के आयोजनों से राजा तालाब की पहचान और धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी।

जब मेले में बनती थी जिंदगी की जोड़ी, आज भी कायम है उस अनोखी परंपरा की पहचान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पतरातू के बटुका गांव का ऐतिहासिक जीवन जोड़ी कार्तिक मेला है झारखंड की अनूठी सांस्कृतिक विरासत, कभी युवक-युवतियां यहीं तलाशते थे अपना हमसफर, अब लोकसंस्कृति और सामाजिक एकजुटता का बना प्रतीक



पतरातू: आज के दौर में जहां युवक-युवतियां अपने जीवनसाथी की तलाश के लिए कई माध्यम अपनाते हैं, वहीं झारखंड के रामगढ़ जिले में एक ऐसा ऐतिहासिक मेला भी लगता है, जिसकी पहचान ही जीवनसाथी चुनने की परंपरा से जुड़ी हुई है। पतरातू प्रखंड के हफुआ पंचायत अंतर्गत बटुका गांव में लगने वाला जीवन जोड़ी कार्तिक मेला केवल मनोरंजन या खरीदारी का आयोजन नहीं, बल्कि एक ऐसी सामाजिक परंपरा की कहानी समेटे हुए है, जो पीढ़ियों से लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। इस मेले का नाम सुनते ही लोगों के मन में एक सवाल उठता है कि आखिर इसे जीवन जोड़ी मेला क्यों कहा जाता है? दरअसल, इस मेले की पहचान पुराने समय में युवक-युवतियों के आपसी परिचय और जीवनसाथी चुनने की परंपरा से जुड़ी रही है। बताया जाता है कि पहले जब बटुका गांव में कार्तिक के अवसर पर मेला लगता था, तब आसपास के गांवों से युवक-युवतियां यहां पहुंचते थे। मेले के दौरान एक-दूसरे को जानने और पसंद करने का अवसर मिलता था। आपसी सहमति बनने पर विवाह के लिए प्रारंभिक बातचीत भी की जाती थी। इस तरह यह मेला कई लोगों के जीवन में नए रिश्ते की शुरूआत का माध्यम बनता था।

स्वतंत्रता सेनानी खैरा मांझी ने रखी थी नींव

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस ऐतिहासिक मेले की शुरूआत स्वतंत्रता सेनानी खैरा मांझी ने की थी। समय के साथ मेले का स्वरूप बदलता गया। पहले जहां यहां जीवनसाथी चुनने और विवाह संबंधों की बातचीत को विशेष महत्व दिया जाता था, वहीं अब यह परंपरा लगभग समाप्त हो चुकी है। हालांकि, इस परंपरा से जुड़ा नाम आज भी मेले की सबसे बड़ी पहचान बना हुआ है। यही वजह है कि आधुनिकता के दौर में भी लोग इस मेले को उसी पुराने नाम और सम्मान के साथ याद करते हैं।

चार जिलों के ग्रामीणों का बनता है मिलन स्थल

बटुका गांव में लगने वाले इस मेले का आकर्षण केवल स्थानीय लोगों तक सीमित नहीं है। प्रत्येक वर्ष रामगढ़, रांची, हजारीबाग और चतरा जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों लोग यहां पहुंचते हैं। इस बार भी करीब 50 गांवों के महिला-पुरुषों की उपस्थिति ने मेले को खास बना दिया। दूर-दराज के गांवों से आने वाले लोग अपने परिचितों और रिश्तेदारों से मिलते हैं। पुराने संबंधों को ताजा करने के साथ नए परिचय भी बनते हैं। इस तरह यह मेला ग्रामीण समाज के लिए आपसी मेल-मिलाप का एक महत्वपूर्ण अवसर बन चुका है।

नागपुरी गीत-संगीत में दिखती है झारखंड की पहचान

मेले की रौनक बढ़ाने में लोकसंस्कृति और नागपुरी संगीत की भी अहम भूमिका रहती है। इस वर्ष आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रसिद्ध नागपुरी गायक इग्नेश कुमार ने अपनी प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया। इसके बाद नारायण नायक, अविनाश नायक, सरिता बड़ाईक और रिम्पल कुमारी सहित अन्य कलाकारों ने गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। देर तक दर्शक कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लेते रहे।

बदल गया समय, लेकिन नहीं बदली मेले की पहचान

समय के साथ इस मेले में काफी बदलाव आया है। जीवनसाथी चुनने की पुरानी परंपरा अब भले ही देखने को नहीं मिलती, लेकिन इसके पीछे छिपी सामाजिक एकजुटता की भावना आज भी जीवित है। यह मेला बताता है कि किसी समाज की पहचान केवल उसकी आधुनिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उसकी पुरानी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से भी होती है। बटुका का जीवन जोड़ी कार्तिक मेला इसी विरासत का एक उदाहरण है, जहां कभी दो अनजान लोगों के बीच जीवनभर का रिश्ता जुड़ने की शुरूआत होती थी और आज हजारों लोग अपनी मिट्टी, संस्कृति और आपसी भाईचारे से जुड़ने पहुंचते हैं।इसलिए बटुका का यह मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि अतीत की यादों और वर्तमान की सांस्कृतिक पहचान को जोड़ने वाली एक जीवंत परंपरा है।

बीजेपी का रांची में लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा केंद्रीय मंत्री ने कहा- भारत को बांग्लादेश बनाना चाहती है कांग्रेस

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड भाजपा ने विपक्षी दलों के आंदोलन के जवाब में रांची में लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ कार्यक्रम की शुरूआत की है. इंडिया ब्लॉक द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त को बर्खास्त करने, देशद्रोह का मुकदमा चलाने और एसआईआर को रद्द करने की मांग के खिलाफ भाजपा ने भी सड़क पर उतरकर मोर्चा खोल दिया है. राजधानी रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान से ओल्ड जेल स्थित बिरसा मुंडा संग्रहालय तक एक विशाल पदयात्रा निकाली गई, जिसमें केंद्रीय मंत्रियों समेत भाजपा के कई दिग्गज नेता और भारी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए.

इस पदयात्रा में भाजपा और एनडीए के कई बड़े चेहरों ने शिरकत की. इनमें केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव, झारखंड भाजपा के प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल, प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मंत्री व विधायक सीपी सिंह, जदयू विधायक और पूर्व मंत्री सरयू राय के साथ-साथ रांची की मेयर रौशनी खलखो मुख्य रूप से शामिल थीं. नेताओं ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर देश के विकास में बाधा डालने का आरोप लगाया. झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन पर सीधा हमला बोला. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और इंडिया ब्लॉक में शामिल लोग लोकतंत्र के 'दिमागी नक्सल' हैं. मरांडी ने आरोप लगाया कि ये लोग देश में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बसाए रखना चाहते हैं, यही वजह है कि वे एसआईआर का विरोध कर रहे हैं. भाजपा ने तय किया है कि कांग्रेस और नक्सली सोच रखने वाले इन लोकतंत्र के हत्यारों से देश को बचाना होगा.

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने विपक्षी सांसदों के व्यवहार पर तंज कसते हुए कहा कि इन्होंने देश की जनता के सामने एक हास्यास्पद स्थिति पैदा कर दी है. जनता ने इन्हें संसद के भीतर अपनी बात रखने के लिए चुनकर भेजा है, लेकिन ये बाहर सड़क पर 'मॉक संसद' चला रहे हैं. उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता खुद को सिर्फ एक 'नौटंकी आर्टिस्ट' साबित करने में लगे हुए हैं. पूर्व मंत्री और रांची के स्थानीय विधायक सीपी सिंह ने कहा कि भारत का लोकतंत्र बेहद मजबूत है, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी अभिव्यक्ति की आजादी का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं. उन्होंने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या की थी. सीपी सिंह ने विपक्षी गठबंधन को 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' बताते हुए कहा कि 1 नवंबर को इन्हें 1984 के सिख कत्लेआम पर पश्चाताप करना चाहिए था, लेकिन ये लोग देशविरोधी प्रदर्शनों में व्यस्त हैं. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ कार्यक्रम के जरिए जनता को यह बताना है कि विपक्ष देश को गुमराह कर रहा है. उन्होंने कहा कि पिछले 65 वर्षों में कांग्रेस ने सिर्फ नेहरू-गांधी परिवार की चिंता की. आज जब एक गरीब का बेटा नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनकर गरीबों के कल्याण के लिए काम कर रहा है, तो विपक्ष को यह हजम नहीं हो रहा है. साहू ने एलान किया कि झारखंड भाजपा राज्य के हर जिले में इसी तरह का जोरदार प्रदर्शन करेगी.

विपक्ष भारत में भी बांग्लादेश और नेपाल जैसे हालात चाहता है– जुएल उरांव

केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव ने विपक्षी दलों की मंशा पर गंभीर सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि जो हालात हाल के दिनों में बांग्लादेश और नेपाल में देखने को मिले हैं, कांग्रेस और उसके साथी दल भारत में भी वैसा ही अराजक माहौल बनाना चाहते हैं. उन्होंने साफ किया कि भारत के जागरूक मतदाता सब समझते हैं और लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को हटाना इतना आसान नहीं है. वहीं, झारखंड भाजपा प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में भी समय-समय पर रक्कहुआ है, ऐसे में वोटर लिस्ट से फर्जी नाम हटाने का विरोध करना पूरी तरह से गलत है.

संक्षिप्त खबर

रांची एयरपोर्ट पर पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत का दिया संदेश



रांची। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर सोमवार को पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया. ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह-2026 के तहत कार्यक्रम में एयरपोर्ट निदेशक विनोद कुमार ने अधिकारियों, सदस्यों और बच्चों के साथ पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की. उन्होंने दैनिक जीवन में ऐसी आदतें अपनाने पर जोर दिया, जिससे प्राकृतिक संसाधनों की बचत हो और पर्यावरण को नुकसान कम पहुंचे. निदेशक ने पर्यावरण संरक्षण के सात संकल्पों के बारे में जानकारी दी. इनमें स्वस्थ जीवनशैली अपनाना, ऊर्जा की बचत, जल संरक्षण, सतत भोजन को बढ़ावा देना, एकल उपयोग प्लास्टिक से परहेज, ई-कचरे का उचित प्रबंधन और कचरे को अलग-अलग रखना शामिल है. उन्होंने इन उपायों को रोजमर्रा की जिंदगी में अपनाने की आवश्यकता बताई. कार्यक्रम का उद्देश्य छोटे-छोटे प्रयासों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी बढ़ाना और सतत जीवनशैली को प्रोत्साहित करना रहा.

झारखंड आंदोलनकारियों के अधिकारों के लिए 15 नवंबर से शुरू होगा उलगुलान एक क्रांति कार्यक्रम



रांची : झारखंड आंदोलनकारियों के हक-अधिकार, सम्मानजनक पेंशन और उनके बच्चों को शत-प्रतिशत नौकरी देने की मांग को लेकर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा 15 नवंबर 2026 से उलगुलान एक क्रांति कार्यक्रम शुरू करेगा। इसकी घोषणा रविवार को कांके के सुंदर नगर में आयोजित रांची जिला स्तरीय बैठक में मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने की। इस मौके पर पुष्कर महतो ने कहा कि कार्यक्रम के तहत 45 आंदोलनकारी अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठेंगे। झारखंड आंदोलनकारियों और झारखंडियों के अस्तित्व, अस्मिता एवं पहचान को मिटने नहीं दिया जाएगा। अबुआ राज की परिकल्पना को साकार करना सभी झारखंडियों की जिम्मेदारी है। इसी संकल्प के साथ 15 नवंबर को पारंपरिक वाद्ययंत्रों और शस्त्रों के साथ आंदोलनकारी रांची के बिरसा चौक पहुंचकर आंदोलन का आगाज करेंगे। बैठक में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के प्रभारी अनथन लकड़ा ने कहा कि आंदोलनकारी अपने बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करेंगे। बैठक की अध्यक्षता कर रहे विनीत लकड़ा ने कहा कि झारखंड के मूल्यों और पहचान की रक्षा के लिए 15 नवंबर से आंदोलन तेज किया जाएगा। बैठक में शीला कच्छप, हर्षनाथ साहू, अपर्णा बाडा, करुणा बाडा, हरि नाथ साहू, रंथु उरांव, मोतीलाल उरांव, एतवा मुंडा, अनिल पॉल, सुनीता एक्का, प्रवीणा, प्रभु नाथ मासी, हिरनाथ साहू, प्रवीण गुड़िया, मुकुल नायक, प्रशांत बैठा, फलिंदर मुंडा, सहदेव मुंडा और संजय पाहन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

चक्रवाती तूफान 'मुरासु' के प्रभाव से झारखंड में तीन और चार नवंबर को बारिश के आसार



रांची : पश्चिम-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान 'मुरासु' के प्रभाव से तीन और चार नवंबर को झारखंड के कई जिलों में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवाती तूफान मुरासु पूर्व में आए तूफान अर्नब की तुलना में कमजोर है। यह फिलहाल 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। तूफान चेन्नई (तमिलनाडु) से लगभग 200 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व, नेल्लोर (आंध्र प्रदेश) से 210 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व, मछलीपट्टनम से 270 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, कावली से 220 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व और ओंगोल से 260 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। इसके उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और सोमवार मध्यरात्रि से मंगलवार तड़के के बीच नेल्लोर और नरसापुर के बीच दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट को पार करने की प्रबल संभावना है। इस दौरान हवा की गति 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे रहने तथा झोंकों के साथ 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान झारखंड में सबसे अधिक तापमान 33.3 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम तापमान भी लातेहार में 17.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से ही घने बादल छाए रहे। इसके कारण दिन में उमस और गर्मी महसूस की गई। हालांकि, बादलों के कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान में एक-एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को रांची का अधिकतम तापमान 29.2 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 31.2 और न्यूनतम 23.2 डिग्री, डाल्टनगंज में 31 और 22.3 डिग्री, बोकारो में 29.5 और 23.1 डिग्री तथा चाईबासा में 31 और 22.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

वनरक्षियों को सर्पदंश और आपात चिकित्सा से निपटने का दिया गया प्रशिक्षण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड राज्य वनरक्षी प्रशिक्षण संस्थान, महिलौंग में सोमवार को वनरक्षियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग के चिकित्सकों ने प्रशिक्षक के रूप में भाग लिया। कार्यशाला में राज्य के 100 से अधिक वनरक्षियों ने हिस्सा लिया। विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) शिव प्रिये के नेतृत्व में रिम्स की टीम ने संवादात्मक व्याख्यान और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को आपात स्थितियों से निपटने के तरीके सिखाए। व्याख्यान के दौरान वनरक्षियों को सवाल पूछने और अपनी शंकाओं का समाधान करने का अवसर भी दिया गया। वन क्षेत्रों में ड्यूटी के दौरान वनरक्षियों को अक्सर वन्यजीवों से जुड़ी आपात स्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. तुषार कुमार ने वन्यजीवों के हमले से होने वाली चोटों की स्थिति में तत्काल उठाए जाने वाले जरूरी कदमों की जानकारी दी।

डॉ. सौरभ सुमन ने सर्पदंश के उपचार और ऐसी स्थिति में समय पर उठाए जाने वाले कदमों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों में सर्पदंश की घटनाएं आम हैं। ऐसे मामलों में सही प्राथमिक कदम उठाने के साथ पीड़ित को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाना जीवन बचाने के लिए बेहद जरूरी है। डॉ. मेजर सौरभ कुमार ने प्रतिभागियों को बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि हृदयगति या सांस रुकने जैसी आपात स्थिति में चिकित्सा सहायता पहुंचने तक बीएलएस के जरिए व्यक्ति की जान बचाने में मदद मिल सकती है। व्यावहारिक सत्र में वनरक्षियों ने पुतलों पर बीएलएस का अभ्यास भी किया। वनरक्षी अक्सर दूरदराज के वन क्षेत्रों में तैनात रहते हैं, जहां तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध होना मुश्किल होता है। ऐसे में यह प्रशिक्षण उन्हें आपात स्थिति में स्वयं, अपने साथियों और आम लोगों की जान बचाने में मददगार साबित होगा। कार्यशाला के संचालन में डॉ. मंजुनाथ और डॉ. राहुल साहा ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

अपर बाजार के जालान रोड की दुकानों का लीज रद्द करने का आदेश हाई कोर्ट ने किया निरस्त

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने रांची के अपर बाजार स्थित जालान रोड की जमीन और दुकानों का लीज रद्द करने तथा उन्हें खाली कराने के रांची नगर निगम के आदेशों को निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी की पीठ ने निगम के आदेशों को बिना पर्याप्त कारण दर्ज किए पारित माना। अदालत के इस फैसले से किरण देवी मोदी समेत आठ याचिकाकताओं को राहत मिली है।अदालत ने सभी आठ याचिकाकताओं की रिट याचिकाएं स्वीकार करते हुए मामले को नए सिरे से निर्णय के लिए नगर निगम के पास वापस भेज दिया है। साथ ही निगम को निर्देश दिया है कि वह सभी याचिकाकताओं को सुनवाई का उचित अवसर दे और उनके तर्कों तथा प्रस्तुत दस्तावेजों पर विचार करने के बाद तर्कसंगत आदेश पारित करे। यह प्रक्रिया आदेश की प्रति प्राप्त होने के 12 सप्ताह के भीतर पूरी करनी होगी। तब तक याचिकाकताओं को संबंधित दुकानों और जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा। हालांकि, उन्हें नगर निगम के समक्ष उपस्थित होकर कार्यवाही में सहयोग करना होगा।

मामले के अनुसार, वर्ष 1966-67 में तत्कालीन रांची नगरपालिका ने वार्ड संख्या पांच के सर्वे प्लॉट संख्या 732 में स्थित 5100 वर्गफुट जमीन मोहन लाल कतची को आवंटित की थी। इस जमीन पर वह टेंट हाउस का कारोबार करते थे। उनके निधन के बाद उनके पुत्र महेंद्र कुमार कतची ने वर्ष 2000 में मोदी परिवार के सुरेश कुमार मोदी और रमेश कुमार मोदी के साथ साझेदारी में कारोबार शुरू किया। बाद में यह साझेदारी समाप्त हो गई और जमीन मोदी बंधुओं के पक्ष में सरेंडर कर दी गई।

इसके बाद नगर निगम ने नौ दिसंबर 2003 को उक्त जमीन मोदी बंधुओं के नाम आवंटित की। पांच जून 2004 को इस संबंध में समझौता हुआ। निगम ने छह अगस्त 2004 को जमीन पर पक्का निर्माण करने की अनुमति भी दे दी। इसके बाद वहां दुकानों का निर्माण कराया गया। मोदी परिवार ने बाद में नगर निगम से अनुरोध किया कि इन दुकानों का आवंटन शेष सात याचिकाकताओं के नाम पर भी कर दिया जाए। इस बीच, नौ सितंबर 2014 को नगर निगम ने संबंधित पक्षों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसके बाद 14 अक्टूबर 2014 को जमीन का लीज रद्द कर दिया गया। चार दिसंबर 2014 को दुकानों को खाली करने का आदेश भी जारी कर दिया गया। याचिकाकताओं ने नगर निगम की इस कार्रवाई को उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

रांची में जरूरतमंद परिवारों के बीच 300 प्रेशर कुकर वितरित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। सामाजिक सरोकार के तहत रांची समारिटन राउंडटेबल-244 और लेडीज सर्कल-169 की ओर से सोमवार को रतन लाल जैन स्मृति भवन में जरूरतमंद परिवारों के बीच 300 प्रेशर कुकर वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में समृद्धि सेल्स ने सहयोग किया। इस अवसर पर संस्था के सिटी चैप्टर प्रचार-प्रसार समन्वयक पौरुष जैन ने बताया कि राउंडटेबल इंडिया और लेडीज सर्कल इंडिया शिक्षा एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में लगातार काम कर रही हैं। संस्था ने हटिया की हजाम बस्ती में पारसनाथ पब्लिक स्कूल और खूंटी में एनडी ग्रोवर स्कूल की स्थापना में योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि संस्था देशभर में अब तक 10 हजार से अधिक क्लासरूम का निर्माण करा चुकी है। पौरुष जैन ने बताया कि करमटोली चौक पर ट्रैफिक पुलिस के लिए अत्याधुनिक स्मार्ट मॉड्यूलर ट्रैफिक पोस्ट का निर्माण भी कराया जा रहा है, जिसका काम अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य 'फ्रीडम थ्रू एजुकेशन' के तहत वंचित बच्चों को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना और जरूरतमंद समुदायों की सहायता करना है। कार्यक्रम में राउंडटेबल रांची-244 के चेयरमैन संदीप खेमका, वाइस चेयरमैन पौरुष जैन, सचिव अविराज अग्रवाल, अविनाश जैन, लेडीज सर्कल-169 की चेयरपर्सन अंशु गुप्ता, निखिल जैन और स्नेहा जैन सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सम्मेद शिखरजी की पवित्रता और मरांग बुरु की आस्था, पारसनाथ पहाड़ी को लेकर फिर चर्चा तेज, राज्यपाल से मिले जैन महासभा के प्रतिनिधि

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। गिरिडीह जिले की पारसनाथ पहाड़ी एक बार फिर धार्मिक आस्था और परंपराओं को लेकर चर्चा में है. जैन धर्मावलंबियों के लिए यह पवित्र तीर्थराज श्री सम्मेद शिखरजी है, तो संथाल, मुंडा और हो समेत कई आदिवासी समुदायों की भी इस पहाड़ी से गहरी धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है. आदिवासी समाज के लोग पारसनाथ पहाड़ी को अपने सर्वोच्च देवता मरांग बुरु का निवास स्थान मानते हैं. दोनों समुदायों की धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं को लेकर समय-समय पर विवाद भी सामने आते रहे हैं. इसी बीच सोमवार को श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात कर सम्मेद शिखरजी की धार्मिक पवित्रता, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने की मांग की. लोक भवन, रांची में हुई इस मुलाकात के दौरान जैन महासभा के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा. इसमें कहा गया कि गिरिडीह स्थित श्री सम्मेद शिखरजी जैन धर्म का सर्वोच्च तीर्थ है. जैन मान्यता के अनुसार, 24 तीर्थंकरों में से 20 तीर्थंकरों सहित अनेक सिद्धात्माओं ने इसी पवित्र पर्वतराज पर मोक्ष प्राप्त किया था. इसलिए यह स्थान देश-विदेश के करोड़ों जैन श्रद्धालुओं की आस्था और आध्यात्मिक विरासत का प्रमुख केंद्र है.

महासभा ने तीर्थराज की धार्मिक गरिमा और प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया. प्रतिनिधिमंडल ने पर्वतराज और तीर्थ क्षेत्र में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने, प्रवेश मार्गों पर जांच एवं निगरानी सुनिश्चित करने और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम करने की मांग की. इसके अलावा स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा सहायता और आवागमन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया. राज्यपाल से इस संबंध में राज्य सरकार और संबंधित प्रशासन को आवश्यक निर्देश देने का आग्रह किया गया. दूसरी तरफ पारसनाथ पहाड़ी आदिवासी समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान से भी जुड़ी हुई है. संथाल, मुंडा और हो समेत कई आदिवासी समुदायों के लोग इसे मरांग बुरु का निवास स्थान मानते हैं. आदिवासी समाज के लिए मरांग बुरु सर्वोच्च देवता हैं. ऐसे में पारसनाथ पहाड़ी को लेकर उनकी अपनी धार्मिक मान्यताएं, परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत हैं.

हवाई सफर महंगा-ट्रेनों में जगह नहीं, अब बसों ने भी बढ़ाया किराया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। दीपावली और छठ पर घर पहुंचने की तैयारी कर रहे लोगों के सामने सफर का खर्च बड़ी चुनौती बनती जा रही है. एक तरफ हवाई जहाज का किराया आसमान छू रहा है, दूसरी तरफ ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट के कारण कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल है. ऐसे में आमतौर पर सस्ता और सुविधाजनक विकल्प माने जाने वाले बस के सफर ने भी लोगों की जेब पर बोझ बढ़ा दिया है. त्योहार के नजदीक आते ही रांची से बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और ओडिशा के प्रमुख शहरों के लिए बस किराए में 50 फीसदी तक की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है. इसका सीधा असर उन कामगारों, नौकरीपेशा लोगों और परिवारों पर पड़ रहा है, जो त्योहार मनाने के लिए अपने घर जाना चाहते हैं.

मांग बढ़ते ही महंगा हुआ सफर

रांची से पटना, कोलकाता, सिलीगुड़ी, भुवनेश्वर, रायपुर और वाराणसी जाने वाले यात्रियों को इस बार सामान्य दिनों की तुलना में ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं. अलग-अलग बसों और सीटों की श्रेणी के अनुसार किराये में अंतर है. उपलब्ध किराया जानकारी के मुताबिक रांची-पटना मार्ग पर सामान्य दिनों में 700 से 800 रुपये लगते थे, अब 1200 से 1500 रुपये तक देने पड़ रहे हैं. रांची-कोलकाता का किराया 400-550 रुपये से बढ़कर 700 से 1600 रुपये तक पहुंच गया है. वहीं रांची-सिलीगुड़ी के लिए करीब 1200 रुपये की जगह अब 2000 रुपये तक चुकाने पड़ रहे हैं. इसी तरह रांची-भुवनेश्वर मार्ग पर 700-800 रुपये की जगह 1200-1500 रुपये, रांची-रायपुर में 1200 रुपये की जगह 1700-1800 रुपये और रांची-वाराणसी मार्ग पर 800-900 रुपये की जगह 1100-1600 रुपये तक किराया लिया जा रहा है. यात्रियों के मुताबिक ऑनलाइन टिकट बुकिंग के दौरान किराया काफी अधिक दिख रहा है. वहीं बस संचालकों का दावा है कि काउंटर से टिकट लेने पर कई रूटों में पुराने किराये पर भी टिकट उपलब्ध हैं. सिलीगुड़ी से रांची पहुंचे यात्रियों ने बताया कि जिस स्लीपर बस में पहले करीब 1000 रुपये में सफर हो जाता था, उसी के लिए इस बार 1400 रुपये देने पड़े.

बढ़े किराये पर कौन रखेगा नजर?

त्योहारों में यात्रियों की संख्या बढ़ना स्वाभाविक है लेकिन इसके साथ किराये में इतनी बढ़ोतरी ने सवाल खड़े कर दिए हैं. खास बात यह है कि डीजल की कीमतों में किसी बड़ी बढ़ोतरी की जानकारी सामने नहीं आई है. ऐसे में मांग बढ़ने के साथ किराया बढ़ाने के आधार पर सवाल उठ रहे हैं. परिवहन सचिव राजीव रंजन ने इस संबंध में कहा है कि राज्य में परिवहन निगम का गठन नहीं हुआ है और निगम की ओर से बसों का संचालन नहीं किया जाता. हालांकि, यात्रियों की ओर से अधिक किराया वसूले जाने की शिकायत मिलने पर विभाग कार्रवाई करेगा. फिलहाल त्योहार में घर पहुंचने की इच्छा रखने वाले यात्रियों के सामने विकल्प सीमित हैं. ट्रेन में टिकट की मारामारी और हवाई सफर की महंगाई के बीच बस का किराया भी बढ़ने से घर वापसी का बजट बिगड़ रहा है. सवाल यही है कि त्योहारों के इस मौसम में यात्रियों को राहत मिलेगी या घर पहुंचने के लिए उन्हें अपनी जेब और ढीली करनी पड़ेगी.

रिम्स में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता पैलेस्ट्रा का किया गया शुभारंभ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड की राजधानी रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में सोमवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता पैलेस्ट्रा का उत्साहपूर्ण माहौल में शुभारंभ हुआ। रिम्स के निदेशक डीके सिन्हा ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रोफेसर इंचार्ज स्टूडेंट सेक्शन, सब-डीन, विभिन्न विभागों के फैकल्टी सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस मौके पर निदेशक डीके सिन्हा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा शिक्षा केवल अकादमिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों का शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी उतना ही जरूरी है। खेलकूद से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, आत्मविश्वास और धैर्य जैसे गुणों का विकास होता है। साथ ही, इससे विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने और खेल भावना को सर्वोपरि रखने की अपील की। पैलेस्ट्रा रिम्स की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता है, जिसके तहत विभिन्न खेलों और एथलेटिक्स स्पधाओं का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य चिकित्सा विद्यार्थियों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ शारीरिक फिटनेस के प्रति जागरूकता पैदा करना और सामूहिक सहभागिता की भावना विकसित करना है। रिम्स के जनसंपर्क पदाधिकारी (पीआरओ) शिशिर कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता के शुभारंभ के साथ ही संस्थान परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल रहा। विद्यार्थियों ने आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

गंगा पर हमला करने वालों पर एनजीटी का शिकंजा कसा, माफियाओं में हड़कंप - अगली सुनवाई 29 जनवरी को

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सैयद अरशद की याचिका पर एनजीटी में जोरदार सुनवाई, प्रदूषण बोर्ड और खान विभाग ने दाखिल किया जवाब, अब अरशद देंगे करारा प्रतिउत्तर

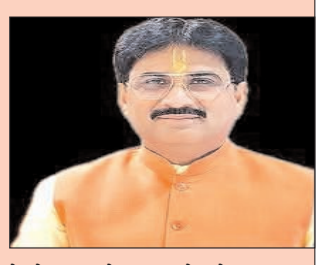


साहिबगंज। झारखंड की इकलौती गंगा तटीय जिले साहिबगंज की गंगा मां को बचाने की जंग में सोमवार को कोलकाता स्थित नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ईस्टर्न जोन बेंच में जोरदार सुनवाई हुई.चर्चित पर्यावरण योद्धा एवं सामाजिक कार्यकर्ता सैयद अरशद नसर की तरफ से एनजीटी में दायर बहुचर्चित याचिका संख्या-162/2023 पर पीठ के जस्टिस अरुण कुमार त्यागी, एक्सपर्ट मेंबर डॉ. ए. सेंथिल वेल और ईश्वर सिंह की खंडपीठ के समक्ष सभी पक्षों के जवाब पर गौर किया गया.विदित हो कि ट्रिब्यूनल के पूर्व के आदेश के आलोक में झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, झारखंड खान विभाग (सचिव एवं निदेशक, खान), राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नई दिल्ली के निदेशक, उपायुक्त, साहिबगंज, जिला खनन पदाधिकारी, साहिबगंज, जिला परिवहन, पदाधिकारी साहिबगंज और निजी पक्षकार जीके इंटरप्राइजेज, मालदा (स्टोन बोल्डर सप्लायर) तथा मां तारा एंटरप्राइजेज कंस्ट्रक्शन कंपनी, मुजफ्फरपुर इन सभी ने अपना काउंटर एफिडेविट / हलफनामा और स्थलीय जांच रिपोर्ट एनजीटी में दाखिल कर दिया है.जवाबों को रिकॉर्ड पर लेते हुए माननीय पीठ ने सोमवार की सुनवाई में उपस्थित याचिकाकर्ता सैयद अरशद नसर को निर्देश दिया कि वह इन सभी हलफनामों के खिलाफ अपना प्रतिउत्तर दाखिल करें.अरशद का सीधा आरोप है कि साहिबगंज में गंगा नदी, उसके घाटों और किनारों से स्टोन बोल्डर, चिप्स और मेटल का अवैध परिवहन, भंडारण और स्टॉकयार्ड धड़ल्ले से चल रहा है. इससे गंगा नदी में भारी प्रदूषण, दुर्लभ संरक्षित प्रजाति गंगा डॉल्फिन के अस्तित्व पर संकट और जलीय इको-सिस्टम पूरी तरह तबाह हो रहा है.याचिका में अरशद ने मांग कि है कि गंगा और उसके आसपास से सभी खनिजों के उठाव, परिवहन और स्टॉकयार्ड पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध लगे और दोषियों पर भारी पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाकर पर्यावरणीय बहाली करवाई जाए.एनजीटी ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 29 जनवरी 2027 की तिथि मुकर्रर की है.उस दिन अरशद के प्रतिउत्तर के बाद मामले में निर्णायक बहस होने की उम्मीद है.सोमवार को हुई सुनवाई के बाद साहिबगंज से लेकर रांची और मालदा से लेकर मुजफ्फरपुर तक पत्थर कारोबार से जुड़े लोगों की धड़कनें तेज हो गई हैं.अगर अरशद के प्रतिउत्तर के बाद एनजीटी सख्त हुआ तो साहिबगंज में गंगा किनारे चल रहे सैकड़ों अवैध स्टॉकयार्ड और डंपर के खेल पर हमेशा के लिए ताला लग सकता है.पर्यावरण योद्धा अरशद ने कहा, यह जीत की ओर पहला कदम है.बोर्ड और विभागों ने जवाब दिया है, अब हम तथ्यों के साथ उनका पदार्फाश करेंगे.यह गंगा मां की लड़ाई है, हम पीछे नहीं हटेंगे.

एक महीने से जले पड़े ट्रांसफार्मर, निपनिया और विशनपुर के ग्रामीण अंधेरे में रहने को मजबूर; जल्द बिजली बहाल नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

साहिबगंज।विद्युत आपूर्ति प्रमंडल महाराजपुर क्षेत्र के निपनिया और विशनपुर गांव में लंबे समय से ट्रांसफार्मर खराब रहने के कारण ग्रामीण अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। बिजली संकट से बच्चों की पढ़ाई और आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। समस्या के समाधान की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सहायक विद्युत अभियंता को आवेदन सौंपा है। प्रखंड क्षेत्र के निपनिया स्थित प्रधान टोला में 25 केवीए का ट्रांसफार्मर खराब है। वहीं, एलटी तार जर्जर होने के कारण बिजली आपूर्ति ठप है। ग्रामीणों ने यहां 63 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाने और जर्जर तार बदलने की मांग की है।विशनपुर गांव में 10 केवीए का ट्रांसफार्मर एक अक्टूबर से जला पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग ने अब तक इसकी सुध नहीं ली है। इस समस्या की जानकारी ग्रामीणों ने बोरियो विधायक को भी दी है। ग्रामीण मो. जहीर, सुल्तान अंसारी, अब्दुल मजीद, मो. आबिद अंसारी, बबलू हांसदा, बाबूलाल तुरी एवं गणेश तुरी सहित दर्जनों लोगों ने कहा कि विभाग जल्द से जल्द दोनों गांवों में नए ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल करे। ऐसा नहीं होने पर वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

बैलेट पेपर से चुनाव में हार पर कांग्रेस आत्ममंथन करे:-बजरंगी प्रसाद यादव



साहिबगंज:-भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने ईवीएम से चुनाव कराने को लेकर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर निशाना साधा है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार ईवीएम पर सवाल उठाते हुए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग करती रही है।इसी मुद्दे पर एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली प्रस्तावित है।बजरंगी प्रसाद यादव ने विधान परिषद की सीटों पर बैलेट पेपर से हुए चुनाव का हवाला देते हुए राहुल गांधी से सवाल किया कि जब चुनाव बैलेट पेपर से हुए,तब कांग्रेस की हार की जिम्मेदारी किसकी है ?उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश ,बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस ने 12 सीटों पर उम्मीदवार उतारे,लेकिन उसे केवल महाराष्ट्र में एक सीट पर जीत मिली।उन्होंने कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद चारों सीटों पर भाजपा-जेडीएस गठबंधन की जीत का भी उल्लेख किया।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव जीतने के लिए जनता और मतदाताओं का विश्वास हासिल करना जरूरी है।केवल ईवीएम और चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाने से राजनीतिक सफलता नहीं मिलती।कांग्रेस को अपने चुनावी प्रदर्शन की ईमानदारी से समीक्षा करने के साथ परिवारवाद और राजनीतिक रणनीति पर भी आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव ईवीएम से हो या बैलेट पेपर से,लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि है।

सकरीगली रैक साइडिंग में मजदूरों का श्रम विवाद गहराया, मांगें पूरी नहीं होने पर 23 नवंबर को डीआरएम कार्यालय मालदा में प्रदर्शन करेगा मजदूर संघ

झारखंड उजाला संवाददाता



साहिबगंज।मालदा रेल मंडल अंतर्गत सकरीगली रेलवे रैक साइडिंग नंबर-6 में मजदूरों और मेसर्स आलोक स्टोन के प्रबंधन के बीच उत्पन्न श्रम विवाद को लेकर सोमवार को झारखंड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक) की जिला कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कमेटी सदस्य मुन्ना यादव ने की। इसमें दोनों पक्षों की बातें बारी-बारी से सुनी गईं और विवाद के कारणों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मजदूरों ने आरोप लगाया कि रैक प्लेसमेंट को लेकर श्रमिक मुन्ना यादव और प्रबंधन के मुंशी रंजय झा के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान मुंशी द्वारा कथित रूप से गाली-गलौज और अपशब्दों का प्रयोग किया गया, जिससे मजदूरों में काफी आक्रोश व्याप्त है। मजदूरों का कहना था कि स्टोन चिप्स कंपनी द्वारा निर्धारित समय पर माल की आपूर्ति नहीं किए जाने के कारण उन्हें करीब चार घंटे तक इंतजार करना पड़ता है। इसके बावजूद मजदूरों को बिना काम दिए वापस भेज दिया जाता है तथा प्रबंधन द्वारा जेसीबी मशीन से लोडिंग का कार्य कराया जाता है। संघ की बैठक में इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा गया कि जब मजदूरों ने वैगन में आधे से अधिक माल लोड कर दिया था और आपूर्ति में देरी प्रबंधन की ओर से हुई, तो ऐसी स्थिति में मजदूरों को उनकी पूरी निर्धारित मजदूरी मिलनी चाहिए। मजदूरों ने इसे उनके श्रम अधिकारों से जुड़ा गंभीर मामला बताया। इस अवसर पर झारखंड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक) के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि मजदूरों से काम लेने के बाद उनके अधिकारों की अनदेखी करना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि रैक साइडिंग में न्यूनतम मजदूरी के भुगतान के साथ-साथ बिजली, पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की भी कमी है। मजदूरों को सम्मानजनक व्यवहार और उनके श्रम का उचित पारिश्रमिक मिलना चाहिए। राजकुमार यादव ने चेतावनी दी कि यदि मजदूरों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो झारखंड मजदूर संघ आगामी 23 नवंबर 2026 को डीआरएम कार्यालय मालदा के समक्ष इन समस्याओं को प्रमुखता से उठाएगा और रेलवे प्रशासन को पूरे मामले से अवगत कराएगा। मौके पर विजय यादव, राकेश राव, संजय रजक, धर्मेंद्र चौधरी सहित अन्य मजदूर एवं संघ के सदस्य उपस्थित थे।

कौसर आलम ने छठ घाट की साफ-सफाई को लेकर बीडीओ को सौंपा आवेदन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



साहिबगंज:-सदर प्रखंड अंतर्गत लाल बथानी मुसहरी टोला स्थित नदी किनारे छठ घाट की साफ-सफाई एवं श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर युवा कांग्रेस के राजमहल विधानसभा अध्यक्ष कौसर आलम ने सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवेदन सौंपा।आवेदन के माध्यम से कौसर आलम ने बताया कि लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर इस घाट पर बड़ी संख्या में छठ व्रती एवं श्रद्धालु भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने पहुंचते हैं।लेकिन वर्तमान में घाट पर फैली गंदगी और उगी झाड़ियों के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।उन्होंने प्रशासन से छठ महापर्व से पहले घाट की समुचित साफ-सफाई कराने, झाड़ियों की कटाई, कचरे की हटाई तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग की।वहीं,आवेदन मिलने के बाद बीडीओ ने कौसर आलम को आश्वासन दिया कि छठ महापर्व को देखते हुए घाट की स्थिति का संज्ञान लेकर साफ-सफाई एवं आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था कराने के लिए संबंधित स्तर पर पहल की जाएगी।कौसर आलम ने उम्मीद जताई कि प्रशासन समय रहते घाट की सफाई एवं अन्य व्यवस्थाएं पूरी कराएगा,ताकि छठ व्रती और श्रद्धालु स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण में आस्था के महापर्व को संपन्न कर सकें।

महिला सुरक्षा को लेकर गरिमा साह ने राज्य सरकार पर उठाए सवाल, महिला आयोग के गठन की मांग



साहिबगंज:-सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना परिसर में महिला के साथ पुलिसकर्मी पर दुष्कर्म के प्रयास के गंभीर आरोप के मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।इस मामले पर भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष गरिमा साह ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की है।गरिमा साह ने कहा कि झारखंड में महिलाओं की सुरक्षा आज एक गंभीर सवाल बन चुकी है।जिस पुलिस प्रशासन पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की जिम्मेदारी है,उसी व्यवस्था से जुड़े कर्मियों पर इस तरह के गंभीर आरोप लगना चिंताजनक है।उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सवाल करते हुए कहा कि आखिर राज्य की बेटियों को कब तक असुरक्षा के माहौल में रहना पड़ेगा? उन्होंने राज्य सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने तथा पीड़िता को सुरक्षा और उचित सहायता उपलब्ध कराने की मांग की।साथ ही उन्होंने राज्य में लंबे समय से लंबित महिला आयोग का अविलंब गठन करने पर जोर दिया,ताकि महिलाओं की शिकायतों की सुनवाई और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।गरिमा साह ने महिला उत्पीड़न के मामलों में त्वरित कार्रवाई,पुलिस प्रशासन की जवाबदेही तय करने और मामले में किसी भी प्रकार की लीपापोती नहीं होने देने की मांग की।उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा केवल चुनावी मुद्दा नहीं, बल्कि सरकार की संवैधानिक और नैतिक जिम्मेदारी है।महिलाओं को सम्मान,सुरक्षा और न्याय मिलना चाहिए।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण

झारखंड उजाला संवाददाता



साहिबगंज:-जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने समाहरणालय परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस में सुरक्षित रखी गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव तथा प्रबंधन का जायजा लिया।उपायुक्त ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने स्पष्ट कहा कि ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा और रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वेयरहाउस में स्थापित अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था तथा अन्य सुरक्षा मानकों का भी अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित कर्मियों को नियमित रूप से प्रशिक्षण प्रदान करने तथा सुरक्षा व्यवस्था की सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।इस अवसर पर अपर समाहर्ता विजय कुमार,उप निर्वाचन पदाधिकारी कुमुदिनी टुडू तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जैप-9 साहिबगंज में अवर निरीक्षक बिहारी राम एवं हवलदार राजकुमार यादव को दी गई भावभीनी विदाई,उज्ज्वल भविष्य की कामना

झारखंड उजाला संवाददाता



साहिबगंज:-झारखंड सशस्त्र पुलिस-9 (जैप-9) साहिबगंज के सभागार में सोमवार को अवर निरीक्षक बिहारी राम एवं हवलदार राजकुमार यादव के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।समारोह की अध्यक्षता वरीय पुलिस उपाधीक्षक मनोज कुमार झा ने की,जबकि मंच का संचालन झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमलेश कुमार सिंह ने किया।इस अवसर पर दोनों कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं जीवन की नई पारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं।वरीय पुलिस उपाधीक्षक मनोज कुमार झा ने कहा कि पुलिस सेवा में रहते हुए दोनों कर्मियों ने अपने दायित्वों का निर्वहन किया है।सरकारी सेवा में सेवानिवृत्ति एक स्वाभाविक प्रक्रिया है,लेकिन सेवा के दौरान बनाए गए संबंध,अनुभव और यादें हमेशा साथ रहती हैं।उन्होंने दोनों के स्वस्थ,सुखमय एवं खुशहाल भविष्य की कामना की।वही झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमलेश कुमार सिंह ने कहा कि बिहारी राम एवं राजकुमार यादव का सेवाकाल सभी के लिए प्रेरणादायक रहा है।पुलिस परिवार में उनका योगदान और सहयोग हमेशा याद रखा जाएगा।उन्होंने कहा कि विदाई केवल एक औपचारिकता है, विभागीय परिवार से उनका जुड़ाव हमेशा बना रहेगा।उन्होंने दोनों के आगामी जीवन के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।समारोह में झारखंड पुलिस एसोसिएशन के सुबोध कुमार निराला एवं भरत राय,झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय कुमार यादव,कोषाध्यक्ष धनंजय कुमार सिंह,पवन कुमार शाह,कादर खान सहित चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं जैप-9 वाहिनी के विभिन्न कोटि के सदस्य उपस्थित थे।सभी ने दोनों कर्मियों के साथ बिताए गए अनुभव साझा किए और उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी।

घाट जमनी में भटकता मिला 11 वर्षीय बालक, बाल कल्याण समिति को सौंपा गया

राजमहल/साहिबगंज। संवाददाता थाना अंतर्गत घाट जमनी गांव में मिले 11 वर्षीय बालक को बाल कल्याण समिति, साहिबगंज को सौंप दिया गया। गौरतलाब है कि घाट जमनी गांव में एक बालक लावारिस अवस्था में घूम रहा था। लोगों ने उसकी पहचान तालझारी थाना क्षेत्र के बांसकोला निवासी स्वर्गीय विजय के पुत्र मुकेश कुमार के रूप में की। बालक के भटकने की जानकारी मंथन संस्था की सामुदायिक सामाजिक कार्यकर्ता अंशु मालाकार को दी गई। अंशु मालाकार ने बालक को राजमहल थाना पहुंचाया। इसके बाद थाना पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए सोमवार को बालक को बाल कल्याण समिति, साहिबगंज के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए अंशु मालाकार को सौंप दिया।

रेलवे पुल पर रास्ता बंद होने से किसानों में आक्रोश, 20 किलोमीटर का चक्कर लगाने को मजबूर ग्रामीण

अभिजीत साह संवाददाता बरहरवा



बरहरवा/साहिबगंज। धान कटनी के ऐन मौके पर रेलवे पुल पर आवागमन बाधित होने से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। बड़हरवा-पाकुड़ रेलखंड के कोटालपोखर रेलवे स्टेशन के समीप विजयपुर गांव स्थित रेलवे पुल संख्या 256 पर लोहे के स्लीपर गाड़कर रास्ता बंद किए जाने के विरोध में सोमवार को दर्जनों किसानों ने प्रदर्शन किया। आक्रोशित किसानों ने रेलवे प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रास्ता खोलने अथवा वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था करने की मांग की। किसानों के अनुसार, इस रास्ते से मयूरकोला, दुखियाटोला, भाटापारा, डाटापाड़ा, पथरिया, बड़ा सोनाकर, विजयपुर और मुसहरी टोला सहित आसपास के गांवों के लोग आवागमन करते थे। पुल पर अवरोध लगाए जाने से बैलगाड़ी और छोटे वाहनों का गुजरना मुश्किल हो गया है। इसका सबसे अधिक असर उन किसानों पर पड़ रहा है, जिन्हें खेतों से काटी गई धान की फसल खलिहान तक पहुंचानी है। फसल की ढुलाई बनी बड़ी चुनौती

किसानों का कहना है कि धान कटनी का मौसम शुरू होने वाला है। ऐसे समय में खेतों से फसल निकालकर घर या खलिहान तक पहुंचाना बेहद जरूरी होता है। पहले किसान रेलवे पुल के रास्ते आसानी से अपनी उपज ले जाते थे, लेकिन अब रास्ता बाधित होने के कारण उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। ग्रामीणों के मुताबिक, वैकल्पिक मार्ग से जाने पर करीब 20 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता है। किसानों ने बताया कि खेती में पहले ही बीज, खाद, मजदूरी और अन्य संसाधनों पर काफी खर्च हो रहा है। ऐसे में फसल की ढुलाई के लिए अतिरिक्त दूरी तय करने से समय और पैसे दोनों की बबार्दी होगी। यदि जल्द व्यवस्था नहीं की गई तो धान की कटाई और ढुलाई के दौरान किसानों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

किसानों ने रेलवे प्रशासन पर जताई नाराजगी

प्रदर्शन में शामिल किसान बलदेव साहा ने कहा कि पुल पर रास्ता बंद होने से ग्रामीणों की रोजमर्रा की आवाजाही के साथ खेती-किसानी का काम भी प्रभावित हो रहा है। धान कटनी का समय नजदीक है और किसानों के सामने अपनी उपज खलिहान तक पहुंचाने की समस्या खड़ी हो गई है। उन्होंने रेलवे प्रशासन से जल्द समाधान निकालने की मांग की। वहीं, किसान मो. रिजवान ने कहा कि किसानों के लिए 20 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना आसान नहीं है। इससे ढुलाई का खर्च बढ़ेगा और समय भी अधिक लगेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। अन्य किसानों ने भी कहा कि रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है, लेकिन इसके साथ ग्रामीणों की जरूरतों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। रास्ता बंद करने से पहले किसानों और ग्रामीणों के लिए वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था की जानी चाहिए थी।

वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध कराने की मांग

किसानों ने रेलवे प्रशासन से मांग की कि पुल संख्या 256 के समीप सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था की जाए, ताकि ग्रामीणों को खेतों तक पहुंचने और फसल की ढुलाई करने में परेशानी न हो। किसानों का कहना है कि कोटालपोखर से गुमानी के बीच इस क्षेत्र में दूसरे रेलवे पुल की सुविधा नहीं होने से समस्या और गंभीर हो गई है। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि धान कटनी से पहले रास्ते की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आगे भी आंदोलन करने को मजबूर होंगे। अब ग्रामीणों की नजर रेलवे प्रशासन पर टिकी है कि किसानों की मांग पर कब तक कार्रवाई होती है और प्रभावित गांवों को राहत मिलती है।

पलामू में ट्रैफिक थाना और ट्रैफिक डीएसपी की तैनाती की मांग तेज, अमित जायसवाल ने डीआईजी को सौंपा मांग पत्र

झारखंड उजाला @

संवाददाता अजीत कुमार सिंह



मेदिनीनगर पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में लगातार बढ़ रही यातायात अव्यवस्था और जाम की समस्या को देखते हुए अब अलग से ट्रैफिक थाना और ट्रैफिक डीएसपी की पदस्थापना की मांग तेज हो गई है। शहर के लोगों, व्यवसायियों और आम नागरिकों की परेशानियों को देखते हुए इसको लेकर एक पहल की गई है। इसी कड़ी में छतरपुर-पूर्वी के जिला पार्षद सह फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (FJCCI) के पलामू प्रमंडलीय क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित कुमार जायसवाल ने पलामू प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक को मांग पत्र सौंपा है। पत्रांक संख्या 03, दिनांक 02-11-26 के माध्यम से प्रेषित इस पत्र में उन्होंने विस्तार से पलामू की यातायात समस्याओं का जिक्र किया है। उन्होंने कहा है कि पलामू जिला मुख्यालय सिटी मेदिनीनगर का लगातार विस्तार हो रहा है। शहर की आबादी में वृद्धि, वाहनों की बेतहाशा बढ़ती संख्या, अव्यवस्थित और बेतरतीब पार्किंग, अतिक्रमण एवं यातायात प्रबंधन की कमी के कारण आम नागरिकों, स्कूली बच्चों, मरीजों और व्यवसायियों को आए दिन घंटों जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि खासकर मुख्य बाजार, छह मुहान चौक, बैरिया चौक, बस स्टैंड, अस्पताल चौक, कचहरी और स्कूल-कॉलेज के पास सुबह-शाम जाम आम बात हो गई है। त्योहार और बाजार के दिनों में तो स्थिति और भी भयावह हो जाती है। अमित जायसवाल ने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि वर्तमान व्यवस्था में यातायात से संबंधित समस्याओं का प्रभावी, पारदर्शी और त्वरित समाधान नहीं हो पा रहा है। जिले में सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने, सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, यातायात नियमों का सख्ती से अनुपालन कराने, नो पार्किंग में लगे वाहनों पर कार्रवाई तथा चालान की कार्रवाई का पारदर्शी एवं उचित निष्पादन करने के लिए अलग से ट्रैफिक थाना की स्थापना अत्यंत आवश्यक हो गई है। उन्होंने जनहित को ध्यान में रखते हुए पलामू DIG से विनम्र आग्रह किया है कि पलामू जिले में अविलंब ट्रैफिक थाना की स्थापना एवं एक ट्रैफिक डीएसपी की पदस्थापना सुनिश्चित करने की दिशा में आवश्यक पहल की जाए। इस मांग पत्र सौंपने के दौरान पलामू चेंबर के उपाध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल, पंकज जायसवाल, अंशुल उदयपुरिया सहित अन्य व्यवसायी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में इस मांग का समर्थन किया। अमित जायसवाल ने अंत में कहा कि ट्रैफिक थाना और ट्रैफिक डीएसपी के आने से शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह व्यवस्थित होगी, सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी, जाम से निजात मिलेगी और आम जनता को काफी राहत मिलेगी।

अभाविप कार्यकताओं ने पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो से मिलकर जाना हालचाल



धनबाद/सिंदरी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) धनबाद के कार्यकताओं ने 2 नवंबर को धनबाद स्थित एसजेएएस अस्पताल पहुंचकर सिंदरी के पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। उल्लेखनीय है कि कोरोना संक्रमण से ग्रसित होने के कारण उनका स्वास्थ्य प्रभावित हुआ था। कार्यकताओं ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने और बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अंशु तिवारी, धनबाद ग्रामीण जिला संयोजक अनुभव शर्मा, पूर्व जिला संयोजक सुधांशु गुप्ता, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विक्की ठाकुर, धनबाद कार्यालय मंत्री अमित तिवारी, विद्यार्थी विकास गतिविधि (एसएफडी) के सिंदरी प्रमुख यश राज सहित परिषद के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिद्धिदात्री दुर्गा मंदिर परिसर में हुआ यज्ञ अनुष्ठान



सामूहिक आरती कर राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना

लोहरदगाः समाज में एकता, समरसता, सांस्कृतिक चेतना और सनातन संस्कारों के संरक्षण के उद्देश्य से वनवासी रक्षा परिवार फाउंडेशन की ओर से वीर शिवाजी चौक स्थित सिद्धिदात्री दुर्गा मंदिर परिसर में राष्ट्र रक्षा यज्ञ का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हरिहर शास्त्री ने विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया। इसके बाद सामूहिक आरती कर राष्ट्र की सुख- समृद्धि, शांति और उन्नति की कामना की गई।मुख्य अतिथि समाजसेवी विजय खत्री ने कहा कि राष्ट्र रक्षा यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, आपसी सहयोग बढ़ाने और सामाजिक समरसता स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजनों से लोगों में अपनी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूकता बढ़ती है। कार्यक्रम के सचिव दीपक अग्रवाल ने कहा कि वन एवं नगरीय वंचित समाज के उत्थान को समर्पित ऐसे आयोजनों का उद्देश्य संपूर्ण हिंदू समाज को एक सूत्र में जोड़ना और प्रत्येक परिवार में सनातन संस्कारों को मजबूत करना है। वहीं समाजसेवी रीता पांडे ने कहा कि सनातन संस्कृति और परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। माताओं, बहनों और बच्चों को सप्ताह में कम से कम एक दिन मंदिर जाकर पूजा-पाठ एवं धार्मिक गतिविधियों में शामिल होना चाहिए। इससे बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित होंगे।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से आपसी सद्भाव और समरसता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में एकल विद्यालय के संस्थापक एवं कार्यकर्ता विष्णु साहू, प्रदीप राणा, सचिन कुमार, चंदन गोप, जयगोविंद, पूजा अग्रवाल, भावना मित्तल सहित बड़ी संख्या में रामभक्त, महिलाएं और फाउंडेशन के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

टाइनी टास्क विद्यालय में नन्हे बच्चों ने कविता पाठ से मोहा सबका मन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हिंदी और अंग्रेजी कविता पाठ प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

लोहरदगाः टाइनी टास्क विद्यालय में सोमवार को नर्सरी के विद्यार्थियों के लिए हिंदी एवं अंग्रेजी कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ कविताओं का पाठ कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

प्रतियोगिता के नर्सरी 'अ' वर्ग में काव्या उरांव ने प्रथम, अयांश केरकेट्टा ने द्वितीय और वान्या कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं नर्सरी 'ब' वर्ग में शिवांश ठाकुर प्रथम, अन्या भगत द्वितीय और आदित्य आर्यन उरांव तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर विद्यालय के एडमिनिस्ट्रेटर रघुवीर शर्मा ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों की प्रतिभा निखरती है और उनमें भाषाई कौशल, अभिव्यक्ति क्षमता एवं आत्मविश्वास का विकास होता है। प्रत्येक बच्चे को इस तरह की गतिविधियों में भाग लेना चाहिए।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आयोजन को सफल बनाने में शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने सीखी खेती-किसानी की बारीकियां

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

मिट्टी तैयार करने से बीज बोने तक का मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण



लोहरदगाः ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक शिक्षा देने के उद्देश्य से कृषि आधारित गतिविधि आयोजित की गई। इसमें विज्ञान शिक्षक सूरत साहू ने बच्चों को खेती-किसानी की पूरी प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण दिया। विद्यार्थियों ने मिट्टी तैयार करने, क्यारियां बनाने, बीज बोने, खाद डालने और पौधों की देखभाल करने की विधि सीखी।शिक्षक ने जैविक खाद के उपयोग, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, जल संरक्षण और वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की जानकारी दी। साथ ही कम पानी में बेहतर पैदावार प्राप्त करने के उपाय भी बताए। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन मुकेश कुमार गुप्ता ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए पूछा कि कुदाल चलाना ज्यादा कठिन है या कलम चलाना? उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ मेहनत करने वाले हाथों और किसानों के परिश्रम का सम्मान करना भी जरूरी है। किसान दिन-रात मेहनत कर हमारे लिए अन्न पैदा करते हैं, इसलिए हमें अन्न की बबार्दी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को ड्रिप सिंचाई, जैविक खाद, वर्षा जल संचयन और किचन गार्डन जैसी गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वास्तविक शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वयं काम करके सीखना भी जरूरी है। भविष्य में किसी भी क्षेत्र में जाएं, श्रम और प्रकृति का सम्मान करना कभी न भूलें।विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस तरह की गतिविधियों से बच्चों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित होती है।

आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित



लोहरदगाः उपायुक्त संदीप कुमार मीना की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक हुई। इसमें एनएफएसए, हरा राशन कार्ड, पीवीटीजी डाकिया योजना सहित विभिन्न खाद्यान्न वितरण योजनाओं की समीक्षा की गई।उपायुक्त ने चना दाल और नमक का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने राशन कार्ड से अपात्र लाभुकों के नाम हटाने से पहले गहन जांच करने तथा किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम नहीं हटाने की हिदायत दी। मृत लाभुक का नाम हटाने से पहले मृत्यु प्रमाण-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य बताया। उन्होंने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को पीडीएस दुकानों का नियमित औचक निरीक्षण करने और खाद्यान्न के आवंटन, उठाव एवं वितरण की निगरानी करने का निर्देश दिया। साथ ही एनएफएसए और हरा राशन कार्ड के लाभुकों का लंबित ई-केवाईसी शीघ्र पूरा कराने को कहा।धान अधिप्राप्ति वर्ष 2026-27 की तैयारी के तहतउपायुक्त ने खरीद शुरू होने से पहले सभी निबंधित किसानों का ई- केवाईसी पूरा कराने का निर्देश दिया। बैठक में आईटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, जिला आपूर्ति पदाधिकारी मनीष कुमार सहित सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं मार्केटिंग अफसर उपस्थित थे।

छठ महापर्व पर प्रशासन की बेरुखी, शिकायतों के बावजूद बदहाल है मुर्की पथ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

नाली का गंदा पानी सड़क पर बहने से व्रतियों की बढ़ेगी परेशानी

छठ पूजा समिति ने दी आंदोलन की चेतावनी



लोहरदगाः लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जहां श्रद्धालु तैयारियों में जुटे हैं, वहीं सेन्हा प्रखंड मुख्यालय का मुर्की पथ प्रशासनिक उदासीनता का शिकार बना हुआ है। सेन्हा गांव के छठ व्रतियों के लिए यह मुख्य छठ घाट तक पहुंचने का प्रमुख मार्ग है। सड़क की बदहाली और नाली का गंदा पानी बहने से श्रद्धालुओं में नाराजगी है। छठ पूजा समिति ने इस समस्या को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी को लिखित शिकायत देकर सड़क और नाली की मरम्मत कराने की मांग की थी। इससे पहले दुर्गा पूजा समिति ने भी शांति समिति की बैठक में इस समस्या को उठाया था। इसके बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश है।

सड़क पर बह रहा नाली का गंदा पानी

मुर्की पथ पर नाली का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बह रहा है। इससे पूरे रास्ते में गंदगी और बदबू फैल गई है। छठ व्रती इसी मार्ग से नंगे पैर और पूरी पवित्रता के साथ छठ घाट पहुंचते हैं। ऐसे में गंदे पानी के बीच से गुजरना उनके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। साथ ही संक्रमण और फिसलकर दुर्घटना होने की आशंका भी बनी हुई है। समिति ने दी आंदोलन की चेतावनी

छठ पूजा समिति और स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की उदासीनता पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि पर्व-त्योहार के अवसर पर भी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते सड़क और नाली की सफाई एवं मरम्मत नहीं कराई गई तो प्रशासन के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों ने मांग की है कि छठ महापर्व से पहले मुर्की पथ को दुरुस्त कर श्रद्धालुओं के आवागमन योग्य बनाया जाए।

स्कूल आइडल 2026 में लोहरदगा की अर्चना ने गायन में हासिल किया तीसरा स्थान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पांच हजार रुपये, मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित



लोहरदगाः झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से रांची के ऑड्रे हाउस में आयोजित राज्य स्तरीय स्कूल आइडल-2026 सुरताल संग्राम प्रतियोगिता में पीएम श्री राजकीयकृत मध्य विद्यालय नवाड़ी पाड़ा की आठवीं कक्षा की छात्रा अर्चना कुमारी ने जूनियर वर्ग के एकल गायन में तीसरा स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया।दो दिवसीय प्रतियोगिता में राज्य के सभी जिलों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रसिद्ध गायक मधु मंसूरी, ममता रावत और बांग्ला गायिका दोयेल गोस्वामी की निर्णायक मंडली के समक्ष अर्चना ने अपनी सुरीली आवाज से प्रभावित किया। राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने उन्हें पांच हजार रुपये का चेक, मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अर्चना की तैयारी में प्रसिद्ध नागपुरी गायक मास्टर धनेश लोहरा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने गायकी की बारीकियों और सुर-ताल का विशेष प्रशिक्षण दिया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरुण राम ने कहा कि अर्चना की सफलता विद्यालय के लिए गर्व की बात है। ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों की छिपी प्रतिभा को निखारने और आत्मविश्वास बढ़ाने का बेहतर मंच प्रदान करती हैं। विद्यालय की प्रार्थना सभा में शिक्षकों, एसएमसी अध्यक्ष एवं सदस्यों और विद्यार्थियों ने अर्चना को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिले में जुआरियों की चांदी, रोज सज रहे जुए के अड्डे

गांव से लेकर नगर क्षेत्र तक फल-फूल रहा अवैध जुए का कारोबार

लोहरदगाः जिले में अवैध जुए का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। गांव से लेकर शहरी इलाकों तक रोजाना जुए के अड्डे सज रहे हैं। इन अड्डों पर स्थानीय जुआरियों के साथ-साथ दूसरे जिलों से आने वाले लोग भी लाखों-करोड़ों रुपये का दांव लगा रहे हैं। जुए के इस खेल में बड़ी रकम के लेन-देन की चर्चा है। इसके बावजूद इस अवैध गतिविधि पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। जानकारी के अनुसार, नगर क्षेत्र के कई रिहाइशी इलाकों में जुए का खेल संचालित हो रहा है। वहीं, ग्रामीण इलाकों में निगनी में जुआरियों के जमावड़े को लेकर चर्चा में हैं। इन स्थानों पर अलग- अलग समय में जुए की महफिलें सजती है। बताया जाता है कि जुआ खेलने के लिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा बाहर से भी लोग पहुंचते हैं। मोटी रकम दांव पर लगने के कारण यह गतिविधि केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि बड़े आर्थिक लेन-देन का रूप लेती जा रही है। जुए की लत के कारण कई परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होने की आशंका है। इसमें युवाओं की संलिप्तता भी सामाजिक चिंता का विषय है। वहीं, रिहाइशी इलाकों में इस तरह की गतिविधियों से आसपास के लोगों को भी परेशानी हो सकती है। स्थानीय स्तर पर इस अवैध कारोबार को लेकर चर्चाएं होने के बावजूद इसके नियमित संचालन पर रोक नहीं लग पाना कई सवाल खड़े करता है।अब जरूरत है कि पुलिस प्रशासन इन चिह्नित इलाकों में सूचना तंत्र मजबूत करे और जुए के अड्डों के संचालकों तथा नियमित रूप से इसमें शामिल लोगों की पहचान कर कार्रवाई करे। साथ ही, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाकर इस अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाई जाए। मामले में जिले के पुलिस कप्तान सादिक अनवर रिजवी का कहना है कि जिले में जुआ पूरी तरह प्रतिबंधित है, गत दिनों मिला गुप्त सूचना पर पुलिस ने जुआ अड्डों पर दबिश भी दी गई है और जुआरियों का सामान भी जब्त किया गया है। पुलिस आगे भी जुआ के विरुद्ध करवाई करती रहेगी।

पेसा कानून ने ग्रामसभा को दी स्वशासन की ताकत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा से भी बड़ा है ग्रामसभा : सांसद



लोहरदगाः समाहरणालय मैदान में सोमवार को पारंपरिक स्वशासन पड़हा व्यवस्था, लोहरदगा के तत्वावधान में पारंपरिक ग्रामसभा का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इसमें जिले के 120 गांवों के पाहन, पुजारी, मुंडा, मानकी सहित हजारों ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम में लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों ने शपथ ग्रहण किया। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जिस पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था की नींव रखी थी, उस पर हमें गर्व होना चाहिए। अपनी रीति-रिवाज, परंपरा और सामाजिक व्यवस्था को संरक्षित रखना हमारीजिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पेसा कानून संसद द्वारा पारित कानून है। लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा से भी बड़ा अगर कोई सदन है तो वह ग्रामसभा है। पेसा कानून ने ग्रामसभा को यह ताकत प्रदान की है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गांव का राज्य और गांव का समाज, पेसा कानून के माध्यम से स्वराज की दिशा में आगे बढ़ सकता है। पेसा कानून के ऐतिहासिकपहलुओं पर चर्चा करते हुए सांसद ने कहा कि 24 दिसंबर 1996 को पेसा कानून को संसद से मंजूरी मिली थी। इसके निर्माण में सांसद दिलीप सिंह भूरिया, विधायक बंदी उरांव, बीडी शर्मा और सांसद भूपेंद्र सिंह सहित कई विद्वानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। हालांकि, इस कानून को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू होने में लगभग 30 वर्ष लग गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वर्ष 2013 में भूमि अधिग्रहण कानून पारित करवाकर आदिवासियों की जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की थी। सांसद ने सरना धर्म कोड का मुद्दा भी उठाते हुए कहा कि उन्होंने संसद में इसे लागू करने की मांग पुरजोर तरीके से रखी है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सरना मां के नाम पर संसद में शपथ लेने का भी उल्लेख किया।सांसद ने आदिवासी समाज की पहचान और अधिकारों पर जोर देते हुए कहा कि आदिवासियों के प्रमुख पर्व-त्योहारों पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया जाना चाहिए। आदिवासी समाज का कोई राष्ट्रीय अवकाश नहीं होना हमारी पहचान से जुड़ा महत्वपूर्ण सवाल है। उन्होंने पारंपरिक कस्टमरी लॉ में महिलाओं के अधिकारों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इस व्यवस्था में महिलाओं को पर्याप्त अधिकार नहीं मिलना गंभीर विषय है। इस पर समाज और प्रशासन दोनों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक होने की अपील करते हुए कहा कि जानकारी के अभाव में हम अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। प्रत्येक ग्रामीण को छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी), संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम (एसपीटी), पेसा कानून और वन अधिकार कानून की जानकारी होनी चाहिए। जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अपने अधिकारों को समझना और उनका उपयोग करना जरूरी है।अंत में सांसद ने नवनिर्वाचित सभी ग्राम प्रधानों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपनी पारंपरिक व्यवस्था और संविधान दोनों की रक्षा करें। ग्रामसभा को मजबूत बनाने में उनकीभूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आदिवासी समाज के अधिकारों, परंपराओं और स्वशासन व्यवस्था की रक्षा के लिए वे हर कदम पर उनके साथ खड़े रहेंगे।

कृषि सांख्यिकी प्रशिक्षण कार्यशाला में 270 पदाधिकारी एवं कर्मी हुए शामिल



धनबाद। जिला सांख्यिकी कार्यालय के तत्वावधान में बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में कृषि सांख्यिकी पर एक दिवसीय जिलास्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं अंचलों से लगभग 270 पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भाग लिया।कार्यशाला में फसल कटनी प्रयोग, कृषि आंकड़ों के संकलन एवं डिजिटल तकनीक के उपयोग की जानकारी दी गई। विशेष रूप से एग्री सीसी एग्री ऐप के माध्यम से फसल कटनी प्रयोग और आंकड़ों की ऑनलाइन प्रविष्टि का प्रशिक्षण दिया गया। वहीं, भारतीय स्टेट बैंक जनरल इंश्योरेंस के प्रतिनिधि शुभम आनंद एवं उनकी टीम ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की विशेषताओं, किसानों को मिलने वाली सुविधाओं एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी।प्रशिक्षण का उद्देश्य फसल उत्पादन संबंधी आंकड़ों का सटीक संकलन, डिजिटल व्यवस्था को प्रभावी बनाना तथा कृषि एवं राजस्व विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था।कार्यक्रम में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी उमेश लोहरा, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी राजीव कुमार, राजकुमार, जितेंद्र प्रसाद सिन्हा, देवेंद्र सिंह, प्रमोद, विपिन दत्ता, अमित एवं मालती सहित विभिन्न प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, कृषि पदाधिकारी, सांख्यिकी पर्यवेक्षक, पंचायत सचिव, राजस्व कर्मचारी एवं अन्य विभागीय कर्मी उपस्थित रहे।

दीपावली मेला में सरकारी विद्यालयों के बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हुए शामिल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में 29 अक्टूबर से दो नवंबर 2026 तक झारखंड आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (जेसोवा) की ओर से आयोजित दीपावली मेला 2026 में सरकारी एवं निजी विद्यालयों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।मेले के दौरान बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से चित्रांकन, फैंसी ड्रेस, नृत्य सहित कई रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रांची जिले के सरकारी विद्यालयों के बच्चों ने लगभग सभी प्रमुख प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता, कला एवं आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते



हुए विभिन्न पुरस्कार अपने नाम किए। चित्रांकन प्रतियोगिता में नामकुम मॉडल स्कूल की छात्रा ने 12झ15 वर्ष आयु वर्ग में तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर सरकारी विद्यालयों का गौरव बढ़ाया। नृत्य प्रतियोगिता में राजकीय मध्य विद्यालय नवीन अरक्षी के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय और तृतीय पुरस्कार हासिल किया। बच्चों की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं, रविवार को आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में रांची के विभिन्न सरकारी विद्यालयों के लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बच्चों ने बॉलीवुड, झारखंड की जनजातीय विरासत और महान विभूतियों के विभिन्न रूपों को जीवंत कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस प्रतियोगिता में 7झ9 वर्ष आयु वर्ग में जीएमएस नवीन अरक्षी के अमृत कुमार ने फिल्म ह्यभूल भुलैयाह्ण के छोटा पंडित के रूप में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इसी आयु वर्ग में माही कुमारी ने गब्बर सिंह के रूप में द्वितीय पुरस्कार हासिल किया। जीएसएस जगन्नाथपुर के अनुज साहू और चंदन कुमार ने जय-वीरू की जोड़ी के रूप में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अलावा 10झ15 वर्ष आयु वर्ग में जीएसएस जगन्नाथपुर की बीना कुमारी और लक्ष्मी कुमारी ने महान आदिवासी वीरांगनाओं फूलो-झानो मुर्मू के रूप में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। जीएमएस करमटोली के किनू बारला ने धरती आबा बिरसा मुंडा के रूप में द्वितीय पुरस्कार हासिल किया, जबकि जीएमएस नवीन अरक्षी की ईशा उरांव और सोनाक्षी कुमारी ने झारखंड की बेटियों के रूप में प्रस्तुति देकर तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इन उपलब्धियों ने एक बार फिर साबित किया कि सरकारी विद्यालयों के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। इस अवसर पर सरकारी विद्यालयों के बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का इतना सुंदर अवसर देने के लिए झारखंड आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (जेसोवा) के प्रति आभार प्रकट किया गया। जेसोवा मेले का समापन तीन को जेसोवा मेले का समापन तीन को नवंबर को होगा। यह मेला 29 अक्टूबर से लगा दो नवंबर तक लगा है, लेकिन खराब मौसम को देखते हुए इसके समापन की तिथि को बढ़ाकर तीन नवंबर कर दिया गया। मेले में विभिन्न उत्पादों के 300 स्टॉल लगे हैं, जिसपर खरीदारी की काफी भीड उमड रही है।

मेहरमा में खबर प्रकाशित करने पर पत्रकार के ऊपर झूठा आरोप लगाकर दिया आवेदन


इंडिया न्यूज़ दर्शन
65 लाख की लागत से बन रहा विवाह भवन, निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

गोड्डा:जिले के मेहरमा प्रखंड क्षेत्र के ईटहरी पंचायत के ईटहरी गांव में बन रहे विवाह भवन की घटिया गुणवत्ता को लेकर पत्रकार संजीव कुमार ने एक नवंबर को ईटहरी पंचायत के बन रहे निमार्णाधीन विवाह भवन पर पहुंचे ग्रामीणों के बुलावे पर पत्रकार संजीव कुमार पहुंचे हुए थे।जिसके बाद खबर कवरेज कर घर लौट गए।और खबर को प्रकाशित कर दिए जिसके बाद ठिकेदार अंकेश तिवारी ने मोबाइल फोन पर धमकी देते हुए कहा कि 10 लोगों के साथ आपके घर पर आ रहे है आपके जैसा कितने लोगों को पैदा किए है हम।पत्रकार ने जब कहा कि आप कौन है तो ठिकेदार ने कहा कि हम विदेश का आदमी है।इसके बाद या इसके पहले ठिकेदार ने अपने मुंशी के माध्यम से थाना में झूठा आरोप लगाकर पत्रकार को केस में फसाने के नियत से थाना में आवेदन दे दिया।हालांकि आवेदन के बाद फिलहाल पत्रकार को किसी प्रकार का थाना द्वारा टॉर्चर तो नहीं की गई है लेकिन एक सवाल जरूर है कि सच्चाई लिखने के बाद पत्रकार को इस तरह से टारगेट कर आवेदन क्यों दिया गया है ? साथ ही अगर थाना प्रभारी इस मामले पर झूठा केस दर्ज कर देते है तो इससे साफ स्पष्ट होगा कि मेहरमा में भ्रष्टाचार किस तरह से चरम पर है और पत्रकार को किस तरह से फसाया जा रहा है यह अंदाजा जरूर लग सकता है।हालांकि ऐसे मामले पर गोड्डा डीसी और गोड्डा एसपी को संज्ञान में लेते हुए निर्दोष पत्रकार को केस से बचाया जा सकता है।

दूरदर्शन रांची में कृषि प्रसार कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुधारने पर मंथन



रांची। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की मास मीडिया सपोर्ट टू एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन योजना के तहत दूरदर्शन केंद्र, रांची में सोमवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।कृषि प्रसार कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी, किसान हित में बेहतर गुणवत्तापूर्ण बनाने की बात पर आयोजित इस कार्यशाला में कृषि कार्यक्रमों के निर्माण, प्रसारण और डिजिटल माध्यमों पर उनके प्रचार-प्रसार को लेकर चर्चा हुई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डीडीजी सेल्स संजय प्रसाद ने कहा कि दूरदर्शन के माध्यम से किसानों तक आधुनिक कृषि तकनीक, वैज्ञानिक पद्धतियों और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सकती है।इस अवसर पर कार्यक्रम प्रमुख सुधीर कुमार ने कार्यशाला की जानकारी देते हुए कहा कि कृषि प्रसार कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुधारने और विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए यह पहल की गई है। कार्यशाला में सोशल मीडिया संचालन, वित्तीय प्रबंधन, कार्यक्रम निर्माण, रॉ फुटेज एवं सामग्री के आदान-प्रदान, संगीत संग्रहण और अभिलेखीकरण जैसे विषयों पर व्यावहारिक जानकारी दी गई।इसके साथ ही उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग और कार्यक्रम सामग्री के साझा इस्तेमाल पर जोर दिया गया। कार्यशाला में डीडी किसान के सलाहकार अनूप खजूरिया, रांची केंद्र के कार्यालय प्रमुख केके साहू सहित विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों के अधिकारी और कार्यक्रम निर्माण से जुड़े कर्मी पदाधिकारी मौजूद थे।

डीएवी सिंदरी के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में जीते 20 पदक, सम्मानित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



सिंदरी/धनबाद। डीएवी पब्लिक स्कूल, सिंदरी में डीएवी राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में 24 से 28 अक्टूबर 2026 तक आयोजित राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में विद्यालय के 38 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इनमें 20 खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 20 पदक हासिल किए, जिसमें 2 स्वर्ण, 3 रजत और 15 कांस्य पदक शामिल हैं।खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, वुशु, हॉकी, भारोत्तोलन, बॉक्सिंग एवं ताइक्वांडो जैसी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्राचार्य द्विवेन्दु त्रिपाठी ने सभी पदक विजेताओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करते हैं।शारीरिक शिक्षा शिक्षक अमित कुमार ने खिलाड़ियों की सफलता का श्रेय उनके कठिन परिश्रम और नियमित अभ्यास को दिया। इस उपलब्धि में प्रशिक्षक एवं शारीरिक शिक्षा शिक्षक अमित कुमार सिंह तथा शिवानी सिंह का विशेष योगदान रहा। विद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

फोरलेन के लिए तोड़े गये मकान, रैयतों ने मुआवजे पर उठाया सवाल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



पलामू। भारतमाला परियोजना के तहत रांची से विंढमगंज तक फोरलेन सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। परियोजना के द्वितीय चरण में लातेहार जिले के उदयपुरा से मेदिनीनगर सदर प्रखंड क्षेत्र के भोगू गांव तक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अधिग्रहित भूमि के अधिकांश हिस्सों में सड़क निर्माण कार्य भी जारी है। इसी परियोजना के तहत पलामू के सतबरवा प्रखंड क्षेत्र के 22 गांवों में भी जमीन का अधिग्रहण किया गया है। हालांकि, दुलसुलमा, दुलसुलमी, जोड़ा, पोंची, रजडेरवा, शाहगंज, खामडीह और शंभूचक गांवों के कई रैयतों ने अपनी जमीन पर बनी संरचनाएं अब तक खाली नहीं की थीं। ऐसे में मुआवजा प्राप्त कर चुके रैयतों की जमीन पर बनी संरचनाओं को सोमवार से हटाने की कार्रवाई शुरू की गयी। सतबरवा सीओ सह प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट विजय कुमार और पुलिस बल की देखरेख में मकानों को खाली कराया गया। कार्रवाई के दौरान बबलू ढाबा, महेंद्र प्रसाद और राजेश प्रसाद सहित अन्य मकान मालिकों के मकान तोड़े गये। सीओ विजय कुमार ने बताया कि जिन लोगों की भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है और उस पर बनी संरचनाओं का मुआवजा विभाग की ओर से भुगतान कर दिया गया है, उन्हें जमीन खाली करने के लिए कहा गया। इस संबंध में लाउडस्पीकर के माध्यम से भी सूचना दी गयी थी। कुछ लोगों के मामले एलए कोर्ट में चल रहे हैं। इसके बावजूद सड़क निर्माण कार्य नहीं रोका जा सकता है। मौके पर सतबरवा थाना प्रभारी प्रदीप कुमार, अमीन नंदकिशोर प्रजापति, राजस्व कर्मचारी परमेंद्र उरांव और एनएचएआई के धीरज मिश्रा सहित कई लोग मौजूद थे। दुलसुलमी गांव के मकान मालिक महेंद्र प्रसाद, राजेश प्रसाद, सुनील कुमार और बबलू प्रसाद ने आरोप लगाया कि फोरलेन सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित उनके मकानों का मुआवजा अब तक नहीं मिला है। इसके बावजूद विभाग की ओर से मकान तोड़े जा रहे हैं। सुनील कुमार की पत्नी ने बताया कि अब तक उन्हें जमीन के मुआवजे के रूप में मात्र दो लाख रुपये मिले हैं, जबकि मकान का मुआवजा नहीं दिया गया है। महेंद्र प्रसाद और राजेश प्रसाद ने बताया कि विभाग की ओर से उनके दो मंजिला मकान का मुआवजा दिया गया है, लेकिन तीसरी मंजिल का मुआवजा अब तक नहीं मिला है। इसके बावजूद उनके मकान तोड़े जा रहे हैं।

धनबाद के बलियापुर में पीएम विश्वकर्म योजना के तहत ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



कारीगरों को डिजिटल मार्केटिंग, पैकेजिंग और ऑनलाइन बिक्री के गुर सिखाए गए

बलियापुर/धनबाद। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय की शाखा विकास कार्यालय धनबाद के सौजन्य से बलियापुर में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को अपने उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग, आकर्षक पैकेजिंग, डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से बाजार तक पहुंच बनाने की जानकारी देना था, ताकि वे अपने हुनर को आधुनिक बाजार से जोड़कर आय बढ़ा सकें। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बलियापुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभाष चंद्र दास, बैंक ऑफ इंडिया के एलडीएम अमित कुमार ,इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक प्रीतम कुमार एवं प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रचलित कर किया।इस मौके पर एमएसएमई धनबाद के अधिकारियों, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों, बैंक प्रतिनिधियों और डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञों ने कारीगरों को संबोधित किया। उन्हें उद्यम पंजीकरण, सरकारी ई-मार्केटप्लेस , ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उत्पादों को ऑनलाइन ऑनबोर्ड करने, डिजिटल भुगतान, क्यूआर कोड जनरेशन, वित्तीय साक्षरता तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत उपलब्ध ऋण सुविधा (रियायती ब्याज दर पर), टूलकिट सहायता, प्रशिक्षण स्टाइपेंड और अन्य सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना आदि के बारे में भी विस्तार से बताया। कार्यक्रम में बलियापुर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों ने भाग लिया। उन्होंने सक्रियता से सवाल पूछे और अपने उत्पादों की मार्केटिंग से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की। यह कार्यक्रम पारंपरिक कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके उत्पादों को राष्ट्रीय एवं डिजिटल बाजार तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बीआईटी सिंदरी के विद्यार्थियों ने 250 छात्राओं के बीच सैनिटरी पैड वितरित किए

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



मासिक धर्म स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर तनावमुक्त रहने का दिया संदेश

सिंदरी/धनबाद। बीआईटी सिंदरी के रोटरी क्लब से जुड़े विद्यार्थियों की ओर से सोमवार, 2 नवंबर 2026 को मदर टेरेसा उच्च विद्यालय में मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की लगभग 250 छात्राओं के बीच सैनिटरी पैड का वितरण किया गया।कार्यक्रम के दौरान ऑडियो-वीडियो माध्यम से मासिक धर्म से संबंधित जानकारी देते हुए छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें इस प्राकृतिक प्रक्रिया के दौरान शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ और तनावमुक्त रहने के लिए प्रेरित किया गया।विद्यार्थियों ने छात्राओं को बताया कि मासिक धर्म एक सामान्य एवं प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है। इसे न तो छिपाने की जरूरत है और न ही इससे घबराने की। इस दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए तथा किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर शिक्षिका, अभिभावक या स्वास्थ्य विशेषज्ञ से खुलकर बात करनी चाहिए।विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने छात्राओं को संबोधित करते हुए रोटरी क्लब के विद्यार्थियों की इस सामाजिक एवं जागरूकता संबंधी पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि किशोरियों को मासिक धर्म एवं स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी देना उनके बेहतर स्वास्थ्य और आत्मविश्वास के लिए आवश्यक है।

सदर अस्पताल में सोमवार और शुक्रवार को मिलेगी न्यूरो सर्जरी ओपीडी की सुविधा

रामगढ़। जिले के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। अब रामगढ़ सदर अस्पताल में प्रत्येक सप्ताह सोमवार और शुक्रवार को न्यूरो सर्जरी ओपीडी का संचालन किया जाएगा। इसमें विशेषज्ञ न्यूरो सर्जन मरीजों को चिकित्सीय परामर्श देंगे। ओपीडी का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस सुविधा के शुरू होने से न्यूरो संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ चिकित्सक की सलाह मिल सकेगी।इस संबंध में सोमवार को सिविल सर्जन सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनिल कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में न्यूरो सर्जरी ओपीडी शुरू करने का निर्णय लिया गया। इस प्रस्ताव को उपायुक्त ऋतुराज की स्वीकृति भी मिल चुकी है। झारखंड सरकार के सर्वजन कल्याण के उद्देश्य और जिला प्रशासन की विशेष पहल से यह सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।न्यूरो सर्जरी ओपीडी के साथ जिलेवासियों के लिए एक और राहत भरी खबर है। सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि सदर अस्पताल में जल्द ही कार्डियोलॉजी यानी हृदय रोग से संबंधित चिकित्सा सेवा भी शुरू करने की तैयारी चल रही है। इसके लिए उच्च स्तर पर बातचीत और आवश्यक प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है। इसके शुरू होने से हृदय रोग से पीड़ित मरीजों को रामगढ़ में ही विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।न्यूरो ओपीडी शुरू करने का मुख्य उद्देश्य मरीजों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना, बीमारियों की शुरूआती अवस्था में पहचान करना और आगे के उपचार के लिए उचित मार्गदर्शन देना है। अस्पताल प्रबंधन ने जिले के जरूरतमंद लोगों से निर्धारित दिनों और समय पर सदर अस्पताल पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

दीपावली-छठ से पहले सिंदरी बाजारों में खाद्य सुरक्षा अभियान जरूरी, बीआईटी मेस कार्रवाई से सबक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



सिंदरी/ धनबाद। आगामी दीपावली(8 नवंबर 2026)और छठ महापर्व (13 से 16 नवंबर 2026) को देखते हुए सिंदरी शहर के मुख्य बाजारों में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा व्यापक जांच अभियान चलाकर शुद्धता सुनिश्चित करने की जरूरत है। त्योहारों के मौके पर मिठाइयों, नमकीन और सब्जियों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में मिलावट और अशुद्ध उत्पादों से उपभोक्ताओं की सेहत पर खतरा मंडरा सकता है। शहर के प्रमुख मिठाई और नमकीन विक्रेता दुकानों में दूध, खोया, चीनी, रंग, तेल और अन्य सामग्रियों की गुणवत्ता जांच होनी चाहिए। साथ ही सब्जी बाजारों में ताजी सब्जियों, फलों और अन्य खाद्य पदार्थों की शुद्धता तथा कीटनाशकों के अवशेष की भी जांच जरूरी है। खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम का पालन सुनिश्चित कराने से न केवल उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ेगा, बल्कि त्योहारों का आनंद भी सुरक्षित रहेगा। पूर्व में बीआईटी सिंदरी के छात्रावास मेस में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई उल्लेखनीय रही। सितंबर 2026 में उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर टीम ने कई हॉस्टल मेस का औचक निरीक्षण किया। जांच में कई मेस में प्रतिबंधित रंगीन मसालों और मानकों से कम गुणवत्ता वाले सरसों तेल का इस्तेमाल मिला। दो संचालकों पर क्रमशः 20 हजार और 10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया तथा बिना लाइसेंस वाले मेस संचालकों को तुरंत लाइसेंस बनवाने के निर्देश दिए गए। यह कार्रवाई छात्रों की सेहत की रक्षा के लिए की गई थी। इसी तर्ज पर अब सिंदरी मुख्य बाजारों-मिठाई दुकानों ,नमकीन विक्रेताओं और सब्जी मंडियों में भी सघन जांच होनी चाहिए। मिलावटी मिठाइयां, अशुद्ध तेल- मसाले या दूषित सब्जियां न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ,बल्कि त्योहारों की पवित्रता को भी प्रभावित करती है। विभाग को त्वरित सैंपलिंग प्रयोगशाला जांच और दूसरी विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए साथ ही व्यापारियों को स्वच्छता लाइसेंस प्रदर्शन और गुणवत्ता मानकों का पालन करने के लिए जागरूक किया जाए। नागरिकों से अपील है कि वे संदिग्ध गुणवत्ता वाले उत्पाद खरीदने से बचें और शिकायत होने पर खाद्य सुरक्षा हेल्पलाइन या स्थानीय अधिकारियों से संपर्क करें। त्योहारों का मौसम खुशियों से भरा रहे, इसके लिए शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन और व्यापारियों दोनों की साझा जिम्मेदारी है। बीआईटी जैसी पूर्व कार्रवाइयों से प्रेरणा लेते हुए सिंदरी में भी समय रहते सक्रिय कदम उठाए जाए तो उपभोक्ताओं का विश्वास और मजबूत होगा।

जेबीवीएनएल मजदूरों का नहीं छीना जा सकता अधिकार : देवेंद्रनाथ



रांची। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) में कार्यरत आउटसोर्सिंग मजदूरों की समस्याओं और वैधानिक अधिकारों को लेकर सोमवार को मोरहाबादी स्थित ऑक्सीजन पार्क में बैठक हुई।बैठक में झारखंड लोक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतोने कहा कि आउटसोर्सिंग व्यवस्था के नाम पर मजदूरों को उनके वैधानिक अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता। कंपनियों को श्रम कानूनों और निर्धारित प्रावधानों का पालन करना होगा। उन्होंने जेएमडी कंपनी के प्रतिनिधि से फोन पर बातचीत कर मजदूरों की समस्याओं से अवगत कराया। कंपनी के प्रतिनिधि ने नियमानुसार अधिकार और लाभ उपलब्ध कराने की दिशा में कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद श्रम विभाग के अधिकारियों से भी बातचीत की गई। अधिकारियों ने लिखित आवेदन मिलने पर जांच टीम गठित कर आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही। महतो ने कहा कि मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाया जाएगा।उन्होंने सभी कर्मियों से एकजुट होकर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगे रखने को कहा। मौके पर बिजली विभाग के सैकड़ों आउटसोर्सिंग कर्मियों ने अपनी समस्याएं रखीं। बैठक में मजदूरों ने समय पर वेतन भुगतान नहीं होने, काम के अनुसार ग्रेड निर्धारण में पारदर्शिता की कमी, पीएफ और ईएसआई का लाभ, छुट्टी के दिन काम करने पर भुगतान, ओवरटाइम एवं वार्षिक बोनस जैसे मुद्दे उठाए।

गरीबी से मुक्ति : भारत में उम्मीद का नया उजाला



गुंजन सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस



परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है।

किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है। जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका को रेखांकित किया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है। ग्रामीण भारत में निर्धनता की तेज गिरावट ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक अंतर को भी कम करने में योगदान दिया है।

एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश नागरिक के बीच जीवन की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है। गुणवत्तापूर्ण रोजगार की कमी, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की असुरक्षा, युवाओं में बेरोजगारी, कृषि पर निर्भर परिवारों की सीमित आय और महिलाओं को समान पारिश्रमिक न मिलना ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान किए बिना समतामूलक समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। गरीबी का कम होना और अमीरी-गरीबी के बीच की खाई का कम होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। पहली उपलब्धि उत्साह देती है, लेकिन दूसरी चुनौती पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है।

भारत को अब ऐसी विकास नीति की आवश्यकता है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ केवल कुछ क्षेत्रों, वर्गों अथवा उद्योगों तक सीमित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन, कृषि का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कर व्यवस्था में न्यायपूर्ण संतुलन, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में निवेश और सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता भी आवश्यक है। विकास का वास्तविक उद्देश्य अवसरों की समानता पैदा करना होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक आंकड़ों में ऊंचाई हासिल करना। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में गरीबी में कमी की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है।

आज का राशिफल



स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। इस राशि के बिजनेस करने वाले लोगों के लिए दिन शुभ है। आप अपने काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे, जिससे आपको भविष्य में फायदे होने के आसार नजर आ रहे हैं। बुरे व्यवहार के कारण लोगों से आपकी बहस हो सकती है। दोस्त आपके कामों में सहयोग करेंगे, जिससे काम आसानी से पूरा हो जाएगा। आप कम समय में बहुत से काम निपटाने की कोशिश करेंगे।

वृषभ राशि :- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में सफल रहेंगे। शाम को बच्चों के साथ अच्छा टाइम बीतेगा। आपके कई दिनों से रुके हुए काम पूरे होंगे। ऑफिस में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए दिन अच्छा है, पढ़ाई में मन लगेगा। लवमेट्स के लिए रिश्तों में मिठास भरने का दिन है।

मिथुन राशि :- आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कोर्ट-कचहरी से जुड़े कामों में आपकी जीत होगी। किसी पुराने लोन की ई.एम.आई. से छुटकारा मिलेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपसे प्रसन्न रहेंगे। भाइयों के साथ रिश्तों में मजबूती आएगी। लोग आपसे कुछ सीखने की कोशिश करेंगे। छात्रों को किसी कॉम्पटीशन में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्पोर्ट से जुड़े लोगों को कोई बड़ी सफलता मिलने वाली है।

कर्क राशि :- आज आपकी किस्मत आपका साथ देगी। ऑफिस में काम को लेकर आपकी अहमियत बढ़ेगी। आप खुद की मेहनत से संतुष्ट रहेंगे। लोग आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। साथ ही कुछ जूनियर आपसे काम सीखने की इच्छा जाहिर करेंगे। इस राशि के जो लोग राजनीति से जुड़े है, उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। पहले किए गए निवेश का आपको लाभ होगा। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को ऑफर आएगा। शाम को दोस्तों से मुलाकात करने का मन बनायेंगे।

सिंह राशि :- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। अगर आप खुद पर भरोसा रखेंगे तो करियर को लेकर कुछ नए अवसर ढूंढ निकालने में सफल होंगे। इस राशि के वकीलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी क्लाइंट से अच्छा धन लाभ होगा। आप कोई भी फैसला लेते वक्त थोड़ा असमंजस में रहेंगे। अच्छा रहेगा किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लें। लवमेट के साथ बाहर घूमने का प्लान बनेगा।

कन्या राशि :- आज घर में कुछ मरम्मत या सजावट करने की योजना बनाएंगे। आप गाड़ी खरीदने का भी मन बना सकते हैं। किसी से ऐसा वादा ना करें, जिसे पूरा ना कर पाएं। जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें। इस राशि के नौकरी करने वालों को कंपनी में किसी नए काम की जिम्मेदारी मिलेगी। कामकाज की योजना में बदलाव करेंगे। लवमेट्स कहीं घूमने जाएंगे। दाम्पत्य जीवन सुखमय बना रहेगा।

तुला राशि :- आज आपका दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। छात्र बेहतर भविष्य बनाने के लिए अपने गुरु से परामर्श लेंगे। साथ ही कोई नया कोर्स ज्वाइन करने का मन बनाएंगे। इस राशि के दुकानदारों के लिए दिन अच्छा रहेगा। दुकान पर ज्यादा बिक्री होने के योग बन रहे हैं। आपके अधूरे काम पूरे होंगे, जिससे आप राहत महसूस करेंगे। कारोबारियों को किसी दूसरे शहर की यात्रा करनी पड़ेगी। इस राशि के न्यायाधीश कई मामलों को सुलझा लेंगे।

वृश्चिक राशि :- आज आपका मन अध्यात्मक की तरफ रहेगा। आप किसी धार्मिक स्थल पर घूमने की योजना बनाएंगे। इस राशि के जो स्टूडेंट्स कॉमर्स की पढ़ाई कर रहे हैं उनके लिए दिन बेहतरीन रहेगा। किसी कंपनी से अकाउंटेंट की जॉब के लिए फोन आ सकता है। इस राशि के जो लोग सोने-चांदी का व्यापार करते हैं उन्हें धनलाभ होगा। लवमेट अपने पार्टनर को उनका मनपसंद गिफ्ट देंगे।

धनु राशि :- आज आपको बिजनेस और कार्यक्षेत्र से जुड़ी यात्रा करनी पड़ेगी, जिसका फायदा आपको आने वाले समय में होगा। इस राशि के नौकरी करने वालों का प्रमोशन होगा, जिससे पूरा दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। मेडिकल की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी अस्पताल से आपको जॉब का ऑफर आ सकता है। नई जमीन से संबंधित लेन-देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल कर लें।

मकर राशि :- आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कोई फैसला लेने से पहले उसपर दोबारा सोच-विचार करें। किसी को अपने विचार से सहमत कराने की कोशिश करेंगे। अधिकारी वर्ग आपसे खुश रहेंगे। आपको किसी बर्थडे पार्टी में जाने का मौका मिलेगा। लवमेट एक दूसरे की भावनाओं की कद्र करेंगे। इससे उनके रिश्ते में और मधुरता आएगी। ऑनलाइन व्यापार कर रहे व्यापारियों को अच्छा मुनाफा होने वाला है।

कुम्भ राशि :- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। इस राशि के व्यापारी अपने व्यापार को बढ़ाने का नया तरीका अपनाएंगे। मेहनत के दम पर आप अपने कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। जीवनसाथी के स्वभाव में सकारात्मक बदलाव आने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। घर में चल रही विवाह संबंधी समस्या जल्द ही सॉल्व हो जाएगी। फर्नीचर का सामान खरीदने के लिए आज का दिन शुभ है।

मीन राशि :- आज आपके मन में नए-नए विचार आएंगे। किसी नए काम की शुरूआत करने की योजना बनायेंगे, जिसमे परिवार वाले आपका सहयोग करेंगे। इस राशि के जो लोग प्राईवेट ऑफिस में काम करते हैं उनके इन्क्रीमेंट के साथ प्रमोशन भी होगा। आपका ज्यादातर समय परिवार वालों और दोस्तों के साथ बीतेगा। इस राशि के बिजनेसमेन, बड़े बिजनेसमेन से मिलकर डील साइन करेंगे।

देश में रेप की घटनाओं से डरी-सहमी लड़कियां



सूरत हैदराबाद में हुआ है। रेप रांची में हुआ है, रेप दिल्ली में हुआ है, रेप कठुआ में हुआ है, रेप उन्नाव में हुआ है। रेप फलां बच्ची या फलां लड़की के साथ हुआ है। इसी के साथ हम एक लाइन खींच लेते हैं, उनके और अपने बीच। हम वो हैं जिसके घर में ऐसा कुछ नहीं हुआ है और लाइन के उस तरफ वो लोग हैं जिनसे हमें सहानुभूति है, जिनके लिए हमें इंसाफ चाहिए, जिनके लिए हम प्रोटेस्ट करेंगे। इसके साथ ही ये डर हमेशा रहता है कि हम भी कभी भी लाइन के उस तरफ हो सकते हैं। इसलिए, अचानक अपनी बेटियों की चिंता बढ़ जाती है। उसको फोन करते हैं, उसका हालचाल पूछते हैं, और फिर उसकी खैरियत जानकर निश्चित हो जाते हैं। चीजें थोड़ा सा बदल सकती हैं अगर इसके बाद हम बेटों को भी फोन करके हालचाल जान लें। पूछ लें कि वो कहां हैं और फिर इस बात से भी निश्चित हो जाएं कि इस वक्त उसकी वजह से कोई लड़की असुरक्षित नहीं है। उन्हें खूब सेफ्टी ट्रिक्स सिखाए। लड़कियां भी अब आजाद रहने लगीं लेकिन उस पीढ़ी के लड़कों को सिखाना भूल गए कि आजाद लड़कियों के साथ कैसे रहना है। लड़कियों को विक्टिम बनने से बचाना जितना जरूरी है उतना ही जरूरी है लड़कों को हैवान बनने से बचाना। जरा सोचिए, क्या इस वक्त आपके सबसे पास जो लड़का है, उसपर आपको भरोसा है कि यह किसी लड़की के लिए खतरा नहीं है? जिस तरह ऐसी वारदात किसी के भी साथ हो सकती है, वैसे ही रेपिस्ट्स भी कोई भी हो सकता है। ये किसी दूसरे ग्रह से नहीं आए हैं, हमारे-आपके बीच के लोग ही हैं।

कुछ महीने पुरानी बात है। उस दिन ऑफिस से देर शाम निकले। अंधेरा हो चुका था लेकिन इतनी रात नहीं हुई थी कि मन में किसी तरह का डर हो। ऊपर से ऑफिस से घर के रास्ते पर रोज आते-जाते हैं सो वो अपना रास्ता है और अपने रास्ते पर किसे डर लगता है? हालांकि, उस सो कॉल्ड वीआईपी रोड पर सिर्फ तेज रफ्तार गाड़िया आ-जा रही थीं। रास्ते में एक फ्लाइओवर है जिसके नीचे से मैं रोज गुजरती हूं। उस दिन भी गुजरी। फ्लाइओवर के नीचे घुप्प अंधेरा। डर और सतर्कता के नाम पर मन में इतना ही ख्याल आया कि जल्दी से इस अंधेरे को पार कर लें। बगल से गाड़ियां गुजर रही थीं। फिर एक गाड़ी कुछ ज्यादा ही बगल आ गई। मन में आया 'अरे भाई निकलो न।' फिर गाड़ी वहीं रुक गई। हमने मजे में सोचा, 'अबे किडनैप करने के लिए रोकी है क्या।' फिर मुड़कर देखा। मारुति वैन थी, बॉलिवुड की कहानियां याद आईं और मैं मन ही मन हंस दी, 'सच में किडनैप करने वाली गाड़ी है।' इस हंसी को एक सेकंड भी नहीं हुआ होगा कि होश उड़ गए। गाड़ी में 18-20 साल के कुछ लड़के ही थे। सबकी नजरें मेरी ओर और हम एक पुल के नीचे अंधेरे में थे। इसके बाद एक लड़के ने पूछा 'कहां छोड़ दूं।' रिफ्लेक्स ऐक्शन में मैं गाड़ी से चार कदम पीछे हटी और फिर तेजी से अंधेरे से बाहर निकली। वहां जो सामने पड़ा उसे रोककर गाड़ी के बारे में बता दिया। हर किसी पर शक और हर सेकंड ये ख्याल कि अब कोई खींचा तब कोई खींचा। एक महिला ने मुझे देखा और मुझे घर तक लिफ्ट दे दी। उस दिन जो हुआ उससे सबक ले लिया कि 'अपने' रास्ते पर भी सतर्क रहना है और जो नहीं हुआ वो कई दिनों तक जहन में रहा। हां, खुद को सेफ रखने के लिए हम इतना ही तो कर सकते हैं कि सतर्क रहें, सूनसान रास्तों पर न जाएं, अनजान लोगों से लिफ्ट न लें, कुछ सेल्फ डिफेंस सीख लें, फोन में लोकेशन शेयरिंग ऐप्स रखें औरङ्घ लेकिन कब तक गाड़ी एक ट्रैक पर चलेगी?

उन्हें खूब सेफ्टी ट्रिक्स सिखाए। लड़कियां भी अब आजाद रहने लगीं लेकिन उस पीढ़ी के लड़कों को सिखाना भूल गए कि आजाद लड़कियों के साथ कैसे रहना है। लड़कियों को विक्टिम बनने से बचाना जितना जरूरी है उतना ही जरूरी है लड़कों को हैवान बनने से बचाना। जरा सोचिए, क्या इस वक्त आपके सबसे पास जो लड़का है, उसपर आपको भरोसा है कि यह किसी लड़की के लिए खतरा नहीं है? कोई भी, आप जब भी इसे पढ़ रहे हैं, उस समय आपके बगल में जो भी है, ऑफिस की बगल वाली कुर्सी पर, टिकट की लाइन में, डाइनिग टेबल पर, कहीं भी। वो चाहे आपका भाई है, बेटा है, पति है, पड़ोसी है.. क्या आप दावा कर सकते हैं कि इसके आसपास कोई अनजान लड़की सुरक्षित है? (ये उदाहरण इसलिए क्योंकि 40 अपराधी भी किसी न किसी के सगे होते हैं जो उनपर पूरा भरोसा करते हैं।) जरा रुककर सोचिए और जवाब दीजिए। ज्यादातर जवाब या तो 'नहीं' में होगा या आप मौन होंगे। तो हम लड़कियां कैसे खुद को सुरक्षित महसूस करें? कब लड़के भी हमारा साथ देंगे? लड़की को लड़ना सिखाओ, कानून को और कड़ा करो, दोषियों को फांसी दो टाइप बातें करके गेंद को दूसरे के पाले में कब तक डालेंगे आप?' हां, थक गई हूं अब सतर्क रहने की 'कोशिश' करते-करते। नहीं, मैं हैदराबाद की बात नहीं कर रही हूं। मैं निर्भया के दोषियों की बात भी नहीं कर रही न कठुआ के मुजरिमों की। मैं आपकी बात कर रही हूं। आप जो दोस्त के सेक्सिस्ट जोक पर उसे टोकने की बजाय उसे ताली देते हैं। आप जो जिम्मेदारी के नाम पर बेटों को रुपए-पैसे का लेनदेन सिखाते हैं लेकिन औरतों का सम्मान करना नहीं। आप जो बनारस की मां-बहन की गालियों को वहां की शान कहते हैं।

आस्था और अविश्वास के बीच

सर्वोच्च न्यायालय ने ज्ञानवापी विवाद वाराणसी के जिला जज को वापस करते हुए इसे प्राथमिकता के आधार पर सुनने का आदेश दिया है। आला अदालत ने जिला प्रशासन से वुजूखाने को सुरक्षित रखने के साथ यह भी कहा है कि नमाजियों को किसी तरह की कोई दिक्कत न हो। हिंदू पक्ष का कहना है कि वुजू के लिए प्रयुक्त होने वाले हौज से शिवलिंग मिला है, जबकि मुस्लिम इसे फव्वारा बता रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट इस मसले को अब जुलाई के दूसरे सप्ताह में सुनेगा। यह एक दुरूह कानूनी लड़ाई की शुरूआत भर है, फिर मामला सिर्फ ज्ञानवापी तक नहीं सिमटा रह बचा है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान, कुतुब मीनार, ताजमहल, भोजशाला सहित तमाम विवादों के तंदूर फिर से गरम होने लगे हैं। क्या हम 1989 से 92 के बीच के उथल-पुथल वाले दौर में प्रवेश कर रहे हैं? वे लोग, जो यह मानते हैं कि समस्या की जड़ महज एक धर्म के बाशिंदे हैं, उन्हें याद दिलाना चाहूंगा कि ईसा और मोहम्मद साहब के पैदा होने से पहले भी हमारे देश में विभिन्न पंथों के लोग आपस में टकराते रहते थे। जनश्रुति है कि चाणक्य को अपने शिष्य चंद्रगुप्त और उनके दरबार को कुछ समय के लिए छोड़ना पड़ा था। वजह? युवा सम्राट जैन मुनि भद्रबाहु के प्रभाव में आ गए थे। वापस ज्ञानवापी पर लौटते हैं। जरा सोचिए, जिस औरंगजेब ने भगवान महादेव के मंदिर का ध्वंस किया, उसी ने काशी के अपारनाथ मठ और टेकरा मठ के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। बाबा अपारनाथ ने विश्वनाथ मंदिर तोड़ने और मस्जिद बनाने का विरोध किया था। इसके बाद यह शाही करम क्यों? क्या वह आस्था के एक केंद्र के ध्वस्तीकरण और अन्यों को शाही इमदाद देकर काशी की रिआया को भरमाए रखना चाहता था, ताकि बगावत को रोका जा सके? या, वह हिंदू धर्म की अंतरधाराओं में अपनी निष्कृति खोज रहा था?

यह भी सोचने की बात है कि जब औरंगजेब शहजादा हुआ करता था, तब उसने एक हुक्मनामा जारी किया था। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के भारत कला भवन में महफूज इस दस्तावेज में लिखा है- ह्यअबुल हसन (वाराणसी में तैनात सिपहसालार) को यह जानकारी हो...हमारे धार्मिक कानून द्वारा यह निर्णय किया गया है कि पुराने मंदिर न तोडे. जाएं और नए मंदिर भी न बनें। इन दिनों हमारे अत्यंत आदर्श एवं पवित्र दरबार में यह खबर पहुंची है कि कुछ लोग द्वेष और वैमनस्यता के कारण बनारस एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में कुछ ब्राह्मणों को परेशान कर रहे हैं। साथ ही, मंदिर की देखभाल करने वाले ब्राह्मणों को उनके पदों से हटाना चाहते हैं, जिससे उस समुदाय में असंतोष पैदा हो सकता है। इसलिए हमारा यह शाही आदेश है कि फरमान के पहुंचते ही तुम यह चेतावनी जारी करो कि भविष्य में ब्राह्मणों और अन्य हिंदुओं को किसी प्रकार के अन्याय का सामना न करना पडे.। वे सभी शांतिपूर्वक अपने व्यवसाय में लगे रहें और अल्लाह द्वारा दिए गए साम्राज्य (जो हमेशा बरकरार रहेगा) के लिए पूजा-पाठ करते रहें। इसे शीघ्रातिशीघ्र लागू होना चाहिए। शहजादे ने यह खत क्यों लिखा? क्या वह शाहजहां द्वारा मंदिरों को जमींदोज किए जाने से नाराज था? डॉक्टर मोतीचंद्र ने काशी का इतिहास में बादशाहनामा के हवाले से लिखा है कि शाहजहां ने इलाहाबाद के सूबेदार हैदर बेग को मंदिर तोड़ने का हुक्म दिया था। ताजमहल के तौर पर दुनिया को प्रेम की अमिट निशानी देने वाले शाहजहां के राज में काशी के 76 धर्मस्थल तोडे. गए थे।

यह भी सोचने की बात है कि जब औरंगजेब शहजादा हुआ करता था, तब उसने एक हुक्मनामा जारी किया था। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के भारत कला भवन में महफूज इस दस्तावेज में लिखा है- ह्यअबुल हसन (वाराणसी में तैनात सिपहसालार) को यह जानकारी हो...हमारे धार्मिक कानून द्वारा यह निर्णय किया गया है कि पुराने मंदिर न तोडे. जाएं और नए मंदिर भी न बनें। इन दिनों हमारे अत्यंत आदर्श एवं पवित्र दरबार में यह खबर पहुंची है कि कुछ लोग द्वेष और वैमनस्यता के कारण बनारस एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में कुछ ब्राह्मणों को परेशान कर रहे हैं। साथ ही, मंदिर की देखभाल करने वाले ब्राह्मणों को उनके पदों से हटाना चाहते हैं, जिससे उस समुदाय में असंतोष पैदा हो सकता है। इसलिए हमारा यह शाही आदेश है कि फरमान के पहुंचते ही तुम यह चेतावनी जारी करो कि भविष्य में ब्राह्मणों और अन्य हिंदुओं को किसी प्रकार के अन्याय का सामना न करना पडे.। वे सभी शांतिपूर्वक अपने व्यवसाय में लगे रहें और अल्लाह द्वारा दिए गए साम्राज्य (जो हमेशा बरकरार रहेगा) के लिए पूजा-पाठ करते रहें। इसे शीघ्रातिशीघ्र लागू होना चाहिए। शहजादे ने यह खत क्यों लिखा? क्या वह शाहजहां द्वारा मंदिरों को जमींदोज किए जाने से नाराज था? डॉक्टर मोतीचंद्र ने काशी का इतिहास में बादशाहनामा के हवाले से लिखा है कि शाहजहां ने इलाहाबाद के सूबेदार हैदर बेग को मंदिर तोड़ने का हुक्म दिया था। ताजमहल के तौर पर दुनिया को प्रेम की अमिट निशानी देने वाले शाहजहां के राज में काशी के 76 धर्मस्थल तोडे. गए थे।

लोकतंत्र के लिए खतरा है भीड़तंत्र

आधुनिक राजनीतिक दर्शन में लोकतंत्र को केवल बहुमत का शासन नहीं, बल्कि संवाद, विमर्श और असहमति के सह-अस्तित्व की सतत प्रक्रिया माना जाता है। परिपक्व लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं अपनी वैधता और स्थायित्व तब प्राप्त करती हैं, जब नागरिकों को व्यवस्था की कमियों पर सवाल उठाने और शांतिपूर्ण प्रतिरोध का पर्याप्त अवसर मिलता है। असहमति को लोकतंत्र का सुरक्षा-वाल्व माना जाता है। इसके वैधानिक रास्ते बंद होने पर राजनीतिक व्यवस्था में अव्यवस्था की आशंका बढ़ जाती है। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में भारत सहित दुनिया के कई हिस्सों में एक स्पष्ट बदलाव दिखाई दे रहा है।

शांतिपूर्ण, सत्याग्रह-प्रेरित और कानून के दायरे में होने वाले जन आंदोलनों की जगह धीरे-धीरे आक्रामक, अनियंत्रित और व्यवस्था-विरोधी भीड़तंत्र लेता जा रहा है। जब असहमति सार्वजनिक जीवन को बाधित करने, राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और प्रशासनिक तंत्र को बंधक बनाने का रूप लेती है, तब लोकतंत्र भीड़तंत्र में बदलने लगता है। कानूनों में संशोधन, विकास योजनाओं और संवैधानिक संस्थाओं के विरोध में हुए प्रदर्शनों ने वैध जनविरोध और अराजक भीड़तंत्र के बीच अंतर निर्धारित करने का बुनियादी प्रश्न खड़ा कर दिया है। दक्षिण एशिया से पश्चिमी यूरोप तक की घटनाएं दशार्ती हैं कि जब जनांदोलन संवैधानिक मयार्दाओं का उल्लंघन करते हैं, तो लोकतंत्र भीड़तंत्र में बदलने लगता है। वर्ष 2022 में श्रीलंका के 'अरगलाया' आंदोलन और नेपाल में लगातार हुई नाकेबंदियों ने संस्थागत स्थिरता को कमजोर किया। वहीं अगस्त 2024 में बांग्लादेश का आरक्षण-विरोधी आंदोलन हिंसक सत्ता-परिवर्तन में बदल गया, जिसके बाद संसद, न्यायपालिका और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाएं गंभीर संकट में आ गईं। पश्चिमी लोकतंत्र भी इस संकट से अछूते नहीं हैं। फ्रांस, इटली, बेल्जियम, पुर्तगाल, स्पेन और अल्बानिया में लोग सरकारी नीतियों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं।

फ्रांस में महंगाई, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली और सार्वजनिक सेवाओं में कटौती के विरोध में शुरू हुए प्रदर्शन कुछ स्थानों पर आगजनी, लूटपाट और पुलिस के साथ झड़पों में बदल गए। इटली और बेल्जियम में भी प्रदर्शनकारियों द्वारा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आईं। परिपक्व लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले इन देशों में वैधानिक प्रक्रियाओं के बजाय सड़क पर अराजकता के जरिये निर्णय हासिल करने की कोशिश चिंताजनक है। भारत के लिए भी यह गंभीर चिंता का विषय है कि कुछ घरेलू तत्व इस अराजकता से कुप्रेरणा लेकर 'ढाका की तर्ज पर दिल्ली में 'रिजीम चेंज' का आह्वान कर रहे हैं।

गहरे मतभेदों और लंबे आंदोलनों के बावजूद भारत तीन प्रमुख आधारों पर अपने पड़ोसी देशों (श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल) की तरह संस्थागत पतन या तख्तापलट से बचा रहा है। पहला, पड़ोसी देशों से अलग भारतीय सेना पूरी तरह गैर-राजनीतिक रही है और उसने हमेशा निर्वाचित नागरिक सरकार तथा संविधान के अधीन अपनी भूमिका निभाई है। दूसरा, संघीय ढांचा और केंद्र तथा राज्यों में होने वाले नियमित चुनाव 'सुरक्षा वाल्व' का काम करते हैं। इनके माध्यम से जनता का असंतोष सड़कों पर लंबे समय तक बने रहने के बजाय मतपेटियों के जरिये अभिव्यक्त होता है। तीसरा, सक्रिय न्यायपालिका ने कार्यपालिका और प्रदर्शनकारियों के बीच संवैधानिक मध्यस्थ की भूमिका निभाई है।



बिहार के कई जिलों अलर्ट जारी, पटना में रुक-रुक कर हो रही बारिश

एजेंसी

पटना। बिहार में चक्रवाती तूफान अर्नब के प्रभाव से मौसम बदल गया है। कई जिलों में बारिश, वज्रपात और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने का अलर्ट है। कैमूर, रोहतास समेत छह जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। पटना में अगले पांच दिनों में कैसा रहेगा मौसम जानें हाल बिहार में चक्रवाती तूफान ह्यअर्नबह्ल के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदल गया है। पटना समेत कुछ जिलों में सुबह से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही है। तापमान में गिरावट होने से गुलाबी ठंड महसूस हो रही है। लोगों के घरों में पंखे बंद हो गए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, गुरुवार की सुबह को कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवा चल सकती है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका है। मौसम विभाग के नक्शे के अनुसार, कैमूर, रोहतास,



बक्सर, भोजपुर, अरवल और औरंगाबाद में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, उत्तर और मध्य बिहार के कई जिलों में येलो अलर्ट है। दूसरी ओर, पटना में भी आज बारिश और गरज-चमक के आसार हैं। आज बिहार के किन जिलों में बारिश का अलर्ट है? मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, दरभंगा, मधुबनी, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, नालंदा, शेखपुरा और लखीसराय समेत कई जिलों में गरज-चमक और तेज हवा की आशंका है। इन इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। खराब मौसम के दौरान कुछ जगहों पर बारिश और वज्रपात हो सकता है। छह जिलों में ऑरेंज अलर्ट, तेज हवा के साथ बारिश की आशंका मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, कैमूर, रोहतास, बक्सर, भोजपुर, अरवल और औरंगाबाद को ऑरेंज अलर्ट वाले क्षेत्रों में दिखाया गया है। इन जिलों में मौसम ज्यादा खराब रहने की आशंका है। वहीं, गया और नवादा समेत आसपास के कुछ इलाकों में भी बारिश और वज्रपात की संभावना है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पटना में अगले पांच दिनों का मौसम कैसा रहेगा पटना में गुरुवार, 29 अक्तूबर को गरज-चमक के साथ बारिश होने का पूवार्नुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के अनुसार, राजधानी का अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। 30 अक्तूबर को आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने और एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 25 और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 31 अक्तूबर को पटना में बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 28 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। एक नवंबर को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ बारिश या गरज-चमक के आसार हैं। अधिकतम तापमान 30 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दो नवंबर को आंशिक बादल और धुंध रह सकती है। इस दिन अधिकतम तापमान 31 और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। सीमांचल और पूर्वी बिहार के किन जिलों में राहत? मौसम विभाग के नक्शे में सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, मधेपुरा, भागलपुर, बांका, मुंगेर और जमुई समेत पूर्वी बिहार के कई जिलों में कुछ स्थानों पर बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। सीमांचल के कुछ जिलों में गुरुवार सुबह से हल्की बारिश हो रही है। पटना में आजः राजधानी में किस समय होने वाला है प्रदर्शन? रैगिंग को लेकर में पूछताछ; और क्या-क्या पटना में अगले तीन दिनों में तापमान कितना गिरेगा? मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी पटना में गुरुवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं 30 अक्तूबर को अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है। इसके बाद 31 अक्तूबर से तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। एक नवंबर को अधिकतम तापमान 30 और दो नवंबर को 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। वहीं, न्यूनतम तापमान धीरे-धीरे घटकर दो नवंबर को 19 डिग्री सेल्सियस तक आ सकता है। मौसम खराब होने पर क्या सावधानी बरतें? तेज हवा, बारिश और वज्रपात की आशंका को देखते हुए लोगों को खुले मैदान में रहने से बचना चाहिए। गरज-चमक के दौरान पेड़ों, बिजली के खंभों और कमजोर संरचनाओं से दूर रहें। किसानों को भी खेतों में काम करते समय मौसम की स्थिति का ध्यान रखने की सलाह दी जाती है।

मोतिहारी शिक्षा विभाग में 60 लाख का फजीर्वाड़ा, दो कर्मियों पर केस दर्ज

एजेंसी

पटना। शिक्षा विभाग के एचआरएमएस पोर्टल से करीब 60 लाख रुपये की कथित वित्तीय गड़बड़ी का मामला सामने आया है। निजी और रिश्तेदारों के खातों में राशि ट्रांसफर करने के आरोप में दो कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। शिक्षा विभाग में एचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से करीब 60 लाख रुपये की कथित वित्तीय गड़बड़ी का गंभीर मामला सामने आया है। सरकारी राशि के भुगतान में पारदर्शिता लाने के लिए बने पोर्टल का दुरुपयोग कर निजी और रिश्तेदारों के खातों में राशि स्थानांतरित करने के आरोप में दो कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने नगर थाने में आवेदन देकर डीपीओ स्थापना कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर अमन कुमार और कार्यालय में प्रतिनियुक्त एक मदरसा शिक्षक को नामजद किया है। नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। निजी खातों में भेजी गई राशि प्राथमिक जानकारी के अनुसार, वर्ष 2024 से सरकारी राशि को अवैध तरीके से अपने और अपने रिश्तेदारों के बैंक खातों में भेजा जा रहा था। इस धोखाधड़ी में शामिल एक कर्मी ने अपने तथा अपनी पत्नी के खाते में पैसे ट्रांसफर किए, जबकि दूसरे कर्मी ने अपने और अपनी बहन के बैंक खाते में राशि स्थानांतरित की। प्रारंभिक जांच में अब तक लगभग 60 लाख रुपये के अवैध हस्तांतरण का पता चला है। विभागीय स्तर पर यह भी जांच की जा रही है कि कुल कितनी राशि का गलत तरीके से लेनदेन हुआ है और इसके लिए किन तकनीकों और प्रक्रियाओं का सहारा लिया गया। विभागीय निगरानी पर उठे सवाल मामले के उजागर होने के बाद शिक्षा विभाग की निगरानी प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वर्ष 2024 से लगातार पोर्टल से अवैध लेनदेन हो रहा था, लेकिन नियमित समीक्षा और भुगतान रिकॉर्ड की जांच में यह गड़बड़ी लंबे समय तक पकड़ में नहीं आई। विभागीय स्तर पर मॉनिटरिंग की कमियों को लेकर भी अब पड़ताल की जा रही है। जांच अधिकारी यह पता लगा रहे हैं

विधान परिषद में एनडीए का पलड़ा भारी, महागठबंधन 18 सीटों पर सिमटा

एजेंसी

पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव में एनडीए की सदस्य संख्या बढ़कर 49 हो जाएगी, जबकि महागठबंधन 18 सीटों पर सिमट जाएगा। राजद को पटना शिक्षक सीट पर जीत मिली। सदन में दो सगे भाई भी एक साथ प्रतिनिधित्व करेंगे। बिहार विधान परिषद की आठ सीटों के चुनाव परिणाम सामने आने के बाद 75 सदस्यीय उच्च सदन में एनडीए का पलड़ा भारी हो गया है। एनडीए की सदस्य संख्या बढ़कर 49 पर पहुंच गई है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के एक सीट जीतने के बावजूद महागठबंधन की कुल सदस्य संख्या घटकर 18 रह जाएगी। 16 नवंबर को प्रतिनिधियों का कार्यकाल खत्म होने के बाद यह नया दलीय समीकरण लागू हो जाएगा। इस चुनाव में चार निवर्तमान प्रतिनिधियों को हार का सामना करना पड़ा है। पराजित होने वाले सदस्यों में भारतीय



जनता पार्टी के नवल किशोर यादव, निर्दलीय आफाक आलम, कांग्रेस के डॉ. मदन मोहन झा और भाकपा के प्रोफेसर संजय कुमार सिंह शामिल हैं। चुनाव में जदयू और भाजपा ने चार-चार सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। जदयू ने पटना स्नातक सीट बचा ली, लेकिन तीन सीटें गंवा दीं। भाजपा ने पटना शिक्षक सीट गंवाने के बावजूद तिरहुत शिक्षक, दरभंगा स्नातक और कोसी स्नातक की तीन सीटें जीतकर बढ़त हासिल की। दो सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी विजयी हुए हैं। इनमें भाजपा से बगावत करने वाले राहुल राज और जन सुराज से अलग हुए वंशीधर ब्रजवासी शामिल हैं। पटना शिक्षक सीट पर राजद के डॉ. संजीव कुमार ने जीत दर्ज करके अपनी पार्टी का परचम लहराया है। इस जीत के साथ उच्च सदन में राजद के सदस्यों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। हालांकि महागठबंधन में शामिल कांग्रेस दो सीटों से घटकर एक सीट पर सिमट गई है और भाकपा का खाता शून्य हो गया है। भाकपा (माले) की शशि यादव और कांग्रेस के एक सदस्य को मिलाकर महागठबंधन के कुल सदस्यों की संख्या अब 18 ही रहेगी। इस तरह राजद की ताकत बढ़ने के बावजूद समग्र रूप से महागठबंधन को एक सीट का नुकसान उठाना पड़ा है। विधान परिषद में अब दो सगे भाई एक साथ प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे। पूर्व मंत्री आरएन सिंह के पुत्र डॉ. संजीव कुमार राजद से और उनके सगे भाई राजीव कुमार कांग्रेस के एकमात्र सदस्य के रूप में सदन में मौजूद रहेंगे। इससे पहले बिहार विधानसभा में 2015 और 2020 के चुनाव के दौरान लालू प्रसाद के दो पुत्र तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव एक साथ विधायक चुने गए थे। वर्ष 2025 में तेज प्रताप के पराजित होने के बाद अब उच्च सदन में यह अनोखा संयोग दोहराया जा रहा है।

राजधानी में किस समय होने वाला है प्रदर्शन

एजेंसी

पटना। पटना में आज कई अहम गतिविधियां होंगी। दरोगा भर्ती अभ्यर्थी मेंस परीक्षा रद्द करने के फैसले के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन करेंगे। कांग्रेस नेता डॉ. आरसी खुंटिया सदाकत आश्रम में प्रेस वार्ता करेंगे। राजद का प्रतिनिधि दल आज चुनाव पटना में आज सरकारी और राजनीतिक गतिविधियों के साथ छात्र आंदोलन से जुड़ी हलचल भी देखने को मिलेगी। दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द करने के फैसले के खिलाफ अभ्यर्थी सुबह 10 बजे गांधी मैदान के गेट नंबर 10 से मुख्यमंत्री आवास तक प्रदर्शन करेंगे। वहीं, नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनएमसीएच) में रैगिंग के मामले को लेकर सुबह 11 बजे हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं को एंटी रैगिंग कमेटी के सामने अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया है। दूसरी ओर, प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में दोपहर दो बजे पूर्व सांसद डॉ. आरसी खुंटिया प्रेस वार्ता करेंगे। वहीं दरभंगा स्नातक सीट पर हो रही मतगणना में गड़बड़ी का आरोप बुधवार शाम से ही लगा रहा है। तेजस्वी यादव ने इस मामले को लेकर सरकार पर हमला भी बोला था। आज इसको लेकर राजद का एक प्रतिनिधि दल चुनाव आयोग के दफ्तर जाएगा। सुबह 10 बजेः दरोगा भर्ती अभ्यर्थियों का प्रदर्शन दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द करने के फैसले के खिलाफ अभ्यर्थी सड़क पर उतरेंगे। प्रदर्शन गांधी मैदान के गेट नंबर 10 से शुरू होकर मुख्यमंत्री आवास तक जाएगा। अभ्यर्थियों की मांग है कि मुख्य परीक्षा रद्द करने का फैसला वापस लिया जाए और शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) की तारीख जल्द घोषित की जाए। सुबह 11 बजेः एनएमसीएच में रैगिंग मामले की सुनवाई नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में रैगिंग के मामले सामने आने के बाद कॉलेज प्रबंधन ने इस पर रोक लगाने की तैयारी तेज की है। इसी क्रम में हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं को सुबह 11 बजे एंटी रैगिंग कमेटी के सामने अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया है। कमेटी के समक्ष छात्राओं की बात सुनी जाएगी। दोपहर 2 बजेः सदाकत आश्रम में कांग्रेस की प्रेस वार्ता प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में पूर्व सांसद, कांग्रेस कार्यसमिति के पूर्व सदस्य और ह्यवोट बचाओ-देश बचाओह्ल अभियान के पर्यवेक्षक डॉ. आरसी खुंटिया प्रेस वार्ता करेंगे। यह प्रेस वार्ता गुरुवार, 29 अक्टूबर को दोपहर दो बजे निर्धारित है।

विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 30 नवंबर से, पांच बैठकें होंगी; विपक्ष को सरकार को घेरने का मिलेगा मौका

एजेंसी

पटना। बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलेगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी मिली। सत्र में सरकार की प्राथमिकताओं, विकास योजनाओं और जनहित के मुद्दों पर चर्चा होगी। बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलेगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस सत्र को बुलाने के प्रस्ताव पर निर्णय लिया गया। विधानमंडल का पांच दिवसीय यह सत्र नई सरकार तथा विपक्षी दलों दोनों के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होगा। सत्र के दौरान राज्य सरकार अपनी प्राथमिकताओं, विभिन्न विकास योजनाओं और प्रदेश से जुड़े प्रमुख विषयों को सदन के समक्ष रखकर उन पर चर्चा करेगी। दोनों सदनों की कुल पांच बैठकें यह शीतकालीन सत्र सोमवार से प्रारंभ होकर शुक्रवार तक चलेगा। इस पांच दिवसीय अवधि में बिहार विधानसभा तथा विधान परिषद दोनों सदनों की कुल पांच बैठकें होंगी। सत्र के दौरान राज्य सरकार अपने विधायी कार्यों को आगे बढ़ाएगी। इसके अंतर्गत विभिन्न



विभागों से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी, साथ ही नए विधेयकों और अन्य सरकारी कार्यों को सदन में प्रस्तुत किया जाएगा। विधान परिषद चुनाव संपन्न होने के पश्चात सदन में नए चेहरे भी नजर आएंगे। इसके साथ ही, विपक्ष को भी जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार को घेरने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार का यह दूसरा सत्र होगा। इससे पूर्व जुलाई में पांच दिवसीय मानसून सत्र आयोजित हुआ था। वह मानसून सत्र 20 जुलाई से 24 जुलाई तक चला था। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के 100 दिन पूरे होने के बाद वह पहला सत्र था। उस मानसून सत्र के दौरान विभिन्न मामलों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने रहे थे

पटना में फिर से दरोगा अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, सीएम हाउस घेरने जा रहे; चप्पे-चप्पे पर तैनात है पुलिस

एजेंसी

पटना। पटना में दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द होने के विरोध में अभ्यर्थी आज प्रदर्शन कर रहे। गांधी मैदान से जेपी गोलंबर और डाक बंगला चौराहे होते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करने की योजना है। प्रदर्शन को देखते हुए प्रमुख जगहों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। डाक बंगला चौराहे पर बैरिकेडिंग भी की गई है। पटना में दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में अभ्यर्थी एक बार फिर प्रदर्शन कर रहे हैं। अभ्यर्थियों ने फैसले को वापस लेने और भर्ती प्रक्रिया को लेकर अपनी मांगें उठाने के लिए सड़क पर उतरने का एलान किया है। कई अभ्यर्थी गांधी मैदान पहुंच चुके हैं। इधर, प्रदर्शन को देखते हुए पटना पुलिस सतर्क है। गांधी मैदान से लेकर जेपी गोलंबर और डाक बंगला चौराहे तक सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों के मुख्यमंत्री आवास की



ओर बढ़ने की योजना को देखते हुए प्रमुख रास्तों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। पटना की पुलिस की अलग अलग टीम चप्पे चप्पे पर तैनात है। गांधी मैदान से प्रदर्शन का आगाज दरोगा अभ्यर्थी गांधी मैदान से मार्च शुरू कर जेपी गोलंबर की ओर बढ़ने की तैयारी में हैं। इसके बाद डाक बंगला चौराहे के रास्ते मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने की योजना है। अभ्यर्थियों की इस गतिविधि को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने संभावित मार्ग पर निगरानी बढ़ा दी है। गांधी मैदान के अंदर और बाहर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, ताकि भीड़ की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। जेपी गोलंबर और डाक बंगला चौराहे पर सुरक्षा बढ़ी प्रदर्शन के संभावित मार्ग पर जेपी गोलंबर और डाक बंगला चौराहे को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। दोनों स्थानों पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। डाक बंगला चौराहे पर बैरिकेडिंग भी की गई है। पुलिस की तैयारी का उद्देश्य प्रदर्शन के दौरान यातायात और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। चक्रवात अर्नब का असारः बिहार के कई जिलों अलर्ट जारी, पटना में रुक-रुक कर हो रही बारिश; जानिए अपने शहर का हाल मुख्य परीक्षा रद्द होने से नाराज हैं अभ्यर्थी दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द किए जाने के बाद से अभ्यर्थी विरोध जता रहे हैं। राज्य सरकार ने परीक्षा में कथित गड़बड़ियों से संबंधित रिपोर्ट सामने आने के बाद इसे रद्द करने का फैसला लिया था। इसके बाद अभ्यर्थियों की ओर से फैसले को वापस लेने और भर्ती प्रक्रिया को लेकर आगे की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की जा रही है। अब प्रस्तावित प्रदर्शन के जरिए अभ्यर्थी अपनी मांगें प्रशासन और सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं।

शिक्षा विभाग के एचआरएमएस में सेंधमारी कर 60.57 लाख रुपये का गबन, दो लोगों की भूमिका संदिग्ध

एजेंसी

पटना। बिहार के मोतिहारी में शिक्षा विभाग की ऑनलाइन वेतन भुगतान प्रणाली (एचआरएमएस) में कथित छेड़छाड़ कर सरकारी खजाने से 60 लाख 57 हजार 158 रुपये की अवैध निकासी का मामला सामने आया है। बिहार के शिक्षा विभाग की ऑनलाइन वेतन भुगतान प्रणाली (एचआरएमएस) में कथित सेंधमारी कर सरकारी खजाने से 60 लाख 57 हजार 158 रुपये की अवैध निकासी का मामला सामने आया है। विभागीय जांच में दो लोगों की भूमिका प्रथमदृष्टया संदिग्ध पाए जाने के बाद मोतिहारी नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। आरोप है कि तकनीकी छेड़छाड़ कर सरकारी राशि निजी बैंक खातों में भेजी गई। इस खुलासे के बाद शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था, वेतन भुगतान प्रक्रिया और कार्यालय में कथित संरक्षण को लेकर सवाल उठने लगे हैं। अब जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि गड़बड़ी में अन्य कर्मचारियों या अधिकारियों की कोई भूमिका थी या नहीं। शिक्षा विभाग, बिहार के निदेशक प्रशासन के पत्रांक 2072, दिनांक 12 अक्टूबर 2026 के निर्देश पर शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों के एचआरएमएस वेतन भुगतान की विशेष जांच कराई गई थी। जांच के दौरान जून 2024 से सितंबर 2026 के बीच सरकारी राशि की अवैध निकासी का मामला सामने आया। इसके बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई करते हुए मोतिहारी नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। मामले में कुल 60 लाख 57 हजार 158 रुपये के गबन का आरोप है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस अब पूरे मामले की पड़ताल कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वेतन भुगतान प्रणाली में कथित तौर पर किस तरह छेड़छाड़ की गई और सरकारी राशि किन खातों में भेजी गई। शिक्षक और एचआरएमएस ऑपरेटर की भूमिका संदिग्ध विभागीय जांच के अनुसार, मदरसा मिसवाहुल उलूम, सेमरहियां, छौड़ादानों में कार्यरत शिक्षक मो. इमादुद्दीन शाबिर उर्फ बेताब और एचआरएमएस ऑपरेटर अमन कुमार की भूमिका प्रथमदृष्टया संदिग्ध पाई गई है।

संक्षिप्त डायरी

पटना में 12 साल से चोरी कर रहा था शातिर, पत्नी-बेटे और ज्वेलर्स के साथ गिरफ्तार

एजेंसी

पटना। पटना में 12 वर्षों से चोरी करने वाले शातिर दिनेश कुमार को पुलिस ने पत्नी, बेटे और चोरी के जेवर खरीदने वाले दुकानदार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 100 से अधिक घरों में चोरी स्वीकार की। भारी मात्रा में जेवर, नकदी और हथियार बरामद हुए। पटना के शास्त्रीनगर थाने की पुलिस ने पिछले 12 वर्षों से राजधानी पटना के विभिन्न पॉश इलाकों में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले शातिर चोर को उसकी पत्नी, बेटे और चोरी के जेवर खरीदने वाले आभूषण विक्रेता के साथ गिरफ्तार किया है। मध्य पुलिस अधीक्षक चंद्र प्रकाश ने बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में इस संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया। पकड़े गए मुख्य आरोपी की पहचान खुशरूपुर थाना क्षेत्र के चक हुसैन निवासी दिनेश कुमार उर्फ विजय कुमार उर्फ लंगड़ा के रूप में हुई है। कड़ी पूछताछ के दौरान आरोपी ने 100 से अधिक बंद और खुले घरों में चोरी करने का अपराध स्वीकार किया है। पुलिस की तफ्तीश में सामने आया कि चोरी के इस गोरखधंधे में दिनेश का पूरा परिवार सक्रिय रूप से शामिल था। दिनेश दिनदहाड़े अकेले ही सूने मकानों के ताले तोड़कर चंद मिनटों में सोने-चांदी के गहने और नकदी समेट लेता था। इसके बाद उसकी 43 वर्षीय पत्नी पूनम देवी चोरी के जेवर बाजार में बेचने का जिम्मा संभालती थी। वहीं उनका 20 वर्षीय बेटा आर्यन इशु चोरी के रुपये के लेनदेन और कमिशन का पूरा हिसाब-किताब रखता था। पुलिस ने तीनों को कंकड़बाग थाना क्षेत्र के 90 फीट रोड पर स्थित शिव शंकर प्रसाद के किराए के मकान से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी दिनेश का पुराना और गंभीर आपराधिक इतिहास रहा है। उसने वर्ष 2014 में श्रीकृष्णापुरी थाना क्षेत्र के बोरिंग रोड स्थित केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के आवास में हुई चर्चित चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। उस समय पुलिस ने मंत्री के आवास पर तैनात दो कर्मचारियों और दिनेश को गिरफ्तार कर उनके पास से एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के गहने व नकदी बरामद की थी। पुलिस को अब तक पटना के 10 अलग-अलग थानों में आरोपी दिनेश के खिलाफ चोरी के मुकदमों की जानकारी मिली है। भारी मात्रा में जेवर और हथियार बरामद\ लिस ने आरोपियों के ठिकाने और कंकड़बाग लोहिया नगर स्थित 'ओम अलंकार' ज्वेलर्स की दुकान में छापेमारी कर 493 ग्राम सोना तथा 1,700 ग्राम चांदी के जेवर जब्त किए हैं। बरामद सामान में सोने का एक बिस्किट, चांदी के तीन बिस्किट, सिक्के, कटोरी, चार चूड़ियां, 28 बिछिया, नौ जोड़ी पायल और एक ब्रेसलेट शामिल हैं। चोरी के जेवर खरीदने वाले दुकान संचालक योगेश कुमार को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा 1.29 लाख रुपये नकद, एक देसी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, 41 ग्राम स्मैक और पांच मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। आरोपी चोरी की रकम का इस्तेमाल सैर-सपाटे, जुआ खेलने और मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री में करते थे। पुलिस अब इस परिवार द्वारा बनाई गई अवैध संपत्तियों का ब्योरा जुटाकर जब्ती की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

एटीएम से छह हजार रुपये निकालकर घर लौट रहा था किशोर, दूसरे दिन मिला शव

एजेंसी

पटना। भोजपुर के तरारी थाना क्षेत्र में एटीएम से छह हजार रुपये निकालकर घर लौट रहे 14 वर्षीय मोहित राज की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। बुधवार को उसका शव बरामद हुआ। परिजनों ने रुपये छीनने का आरोप लगाया है। भोजपुर जिले के तरारी थाना क्षेत्र में घर से निकले 14 वर्षीय किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। किशोर का शव बुधवार दोपहर करथ गांव स्थित बिरहर करहा के पास बरामद किया गया। मृतक के बाएं ललाट और भौंह के ऊपर जख्म के निशान मिले हैं। साथ ही उसकी जीभ बाहर निकली हुई थी। परिजनों ने रुपये छीनने की नीयत से किशोर की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। मृतक की पहचान तरारी थाना क्षेत्र के दुर्गपुर गांव निवासी सत्येंद्र सिंह उर्फ अलगू के 14 वर्षीय पुत्र मोहित राज के रूप में हुई है। वह आठवीं कक्षा का छात्र था। परिजनों के अनुसार, मोहित मंगलवार की शाम करीब सात बजे करथ गांव स्थित एटीएम से रुपये निकालने गया था। वहां से उसने छह हजार रुपये निकाले और घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव के दो युवकों द्वारा उसे एटीएम से रुपये निकालते हुए देखे जाने और उसका पीछा किए जाने की बात सामने आई है। मृतक के पिता सत्येंद्र सिंह उर्फ अलगू का आरोप है कि घर लौटने के दौरान कुछ युवकों ने रुपये छीनने की नीयत से उनके बेटे को पकड़ लिया और उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फेंक दिया गया। बुधवार दोपहर शव मिलने की सूचना पर इलाके में हड़कंप मच गया। एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए। मामले की जांच के लिए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। इस संबंध में पीरो एसडीपीओ कन्हैया कुमार ने बताया कि शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए गए हैं और एफएसएल टीम की मदद भी ली गई है। पुलिस अन्य तकनीकी बिंदुओं पर जांच कर रही है। घटना के कारणों और इसमें शामिल लोगों की भूमिका का पता लगाने के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

10वें राउंड के बाद भी नहीं निकला नतीजा, भाजपा प्रत्याशी आगे; तेजस्वी ने ईसी पर उठाए सवाल

एजेंसी

पटना। दरभंगा स्नातक चुनाव में भाजपा के सर्वेश कुमार 16,115 मतों के साथ आगे हैं, लेकिन जीत के लिए 31,911 मत जरूरी हैं। दूसरे वरीयता के मतों की गिनती जारी है। तेजस्वी यादव ने मतगणना में देरी और पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं। दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव की मतगणना में भाजपा के सर्वेश कुमार आगे चल रहे हैं। हालांकि, जीत के लिए निर्धारित 31,911 मतों का आंकड़ा हासिल नहीं होने के कारण दूसरे वरीयता क्रम के मतों की गिनती जारी है। इस बीच राजद नेता तेजस्वी यादव ने मतगणना में देरी और वैध मतों को अवैध घोषित करने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की है। दरभंगा स्नातक क्षेत्र से मतगणना में लगभग 10% मत अवैध घोषित किए है ताकि हमारे उम्मीदवार को हरा सके। 24 घंटे के बाद भी द्वितीय वरीयता के मतों की गणना में देरी की जा रही है । जहाँ बीजेपी हारने लगती है चुनाव आयोग इनके निदेशों पर नाचने लग जाता है। चुनाव आयोग गिनती में तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि दरभंगा स्नातक चुनाव की गणना में लगभग 10 प्रतिशत वैध मतों को अवैध घोषित किया गया है, ताकि उनके उम्मीदवार को हराया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि 24 घंटे बाद भी द्वितीय वरीयता के मतों की गिनती में देरी की जा रही है। तेजस्वी ने कहा कि जहां भाजपा हारने लगती है, वहां चुनाव आयोग उसके निर्देश पर नाचने लगता है। उन्होंने चुनाव आयोग से मतगणना में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की। पहले राउंड में 69,141 मतों की गिनती दरभंगा स्नातक चुनाव के पहले राउंड की मतगणना पूरी हो चुकी है। इस दौरान कुल 69,141 मतों की गिनती की गई, जिसमें 5,321 मत रद्द घोषित किए गए। इसके बाद कुल वैध मतों की संख्या 63,820 रही। जीत के लिए निर्धारित मतों की संख्या 31,911 है, जो कुल वैध मतों के आधे से एक अधिक है। पहले राउंड में सर्वाधिक 16,115 मत भाजपा के सर्वेश कुमार को मिले। वहीं, दूसरे स्थान पर रहे प्रत्याशी अनिल कुमार झा को 14,615 मत प्राप्त हुए। इस प्रक्रिया में सबसे कम प्रथम वरीयता के मत प्राप्त करने वाले प्रत्याशी अमरनाथ सिंह, जिन्हें केवल 23 मत मिले हैं, के मतपत्रों में दर्ज दूसरी वरीयता के मत संबंधित प्रत्याशियों के खाते में जोड़े जाएंगे। इसके बाद क्रमशः 39वें, 38वें, 37वें और आगे के क्रम के प्रत्याशियों के मतों की गिनती की जाएगी।

खबर संक्षेप

टाटा मोटर्स की बिक्री में 23 फीसदी का उछाल



नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने बताया कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अक्टूबर में उसकी कुल बिक्री 23 प्रतिशत बढ़कर 75,426 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने पिछले साल के इसी महीने में कुल 61,295 वाहन बेचे थे। पिछले महीने घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की उसकी बिक्री 21 प्रतिशत बढ़कर 73,894 इकाई हो गई।

एचएमएसआई की कुल बिक्री में 13 प्रतिशत वृद्धि

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने रविवार को कहा कि घरेलू बाजार और निर्यात को मिलाकर अक्टूबर में उसकी कुल थोक बिक्री सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 7.34 लाख इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता कंपनी ने अक्टूबर, 2025 में 6.50 लाख इकाइयां बेची थीं। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 5.98 लाख इकाई से 6.64 लाख इकाई हो गई, जबकि निर्यात 35 प्रतिशत बढ़कर 51,644 इकाई से 69,735 इकाई पर पहुंच गया।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री 19 फीसदी बढ़ी



नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की अक्टूबर, 2026 में थोक बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 8,013 वाहन पर पहुंच गई। कंपनी के अनुसार, हाल ही में पेश किए गए मॉडल एमजी हेक्टर टॉमहॉक ईवी और विंडसर इंडल्ज एडिशन को ग्राहकों की जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की एसएआईसी मोटर का संयुक्त उद्यम है।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा की बिक्री 10 फीसदी घटी

नई दिल्ली। एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड की कुल ट्रैक्टर बिक्री अक्टूबर 2026 में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत घटकर 16,921 इकाई रही है। कंपनी ने पिछले साल अक्टूबर में 18,798 ट्रैक्टर बेचे थे। कंपनी ने रविवार को जारी बयान में बताया कि अक्टूबर में घरेलू ट्रैक्टर बिक्री 10.9 प्रतिशत घटकर 16,412 इकाई रह गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 18,423 इकाई था। हालांकि, इस दौरान कंपनी का निर्यात 35.7 प्रतिशत बढ़कर 509 इकाई हो गया।

हुंडई मोटर ने बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया



नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अक्टूबर में अबतक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने बीते माह घरेलू बाजार और निर्यात मिलाकर कुल 82,299 वाहनों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 17.7 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने रविवार को जारी बयान में बताया कि अक्टूबर में उसकी घरेलू बिक्री 16.7 प्रतिशत बढ़कर 62,799 इकाई रही। वहीं निर्यात में 21.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

किआ इंडिया की बिक्री बढ़कर 33,462 इकाई

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी किआ इंडिया ने रविवार को कहा कि अक्टूबर, 2026 में उसकी थोक बिक्री सालाना आधार पर 13.22 प्रतिशत बढ़कर अब तक के सर्वाधिक मासिक स्तर 33,462 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 29,556 वाहन बेचे थे। कंपनी ने एक बयान में कहा कि जनवरी-अक्टूबर, 2026 के दौरान उसकी कुल थोक बिक्री 21.31 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,86,470 इकाई थी। बयान के अनुसार यह प्रदर्शन कंपनी के विभिन्न मॉडलों की लगातार बनी हुई।

'निष्क्रिय' कंपनियों को बाजार से हटाने काम कर रहा सेबी : पांडेय

कोलकाता

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ऐसी सूचीबद्ध कंपनियों को शेयर बाजार से हटाने के लिए काम कर रहा है, जो वास्तव में किसी प्रकार की आर्थिक गतिविधियों में शामिल नहीं हैं। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि ऐसी कंपनियों की बाजार में मौजूदगी निवेशकों के लिए संभावित खतरा बन सकती है।

पांडेय ने कहा कि शेयर बाजार में कई ऐसी कंपनियां सूचीबद्ध हैं, जिनकी कोई वास्तविक कारोबारी गतिविधि नहीं है।

इन कंपनियों के शेयरों का इस्तेमाल कुछ बाजार संचालक कीमतों में कृत्रिम तेजी लाने और बाद में शेयर बेचकर मुनाफा कमाने यानी 'पंप एंड डंप' गतिविधियों के लिए करते हैं। इससे छोटे और खुदरा निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए ऐसी कंपनियों को बाजार से हटाना जरूरी है।

सेबी चेयरमैन ने कहा, कृत्रिम तेजी लाने में उपयोग किया जा रहा

कुछ कंपनियां अब भी चिंता का विषय

लघु एवं मझोला उद्यम (एसएमई) कंपनियों की सूचीबद्धता व्यवस्था पर पांडेय ने कहा कि नियामक ने इस ढांचे को अधिक प्रभावी बनाने के लिए परामर्श पत्र के माध्यम से कई बदलाव प्रस्तावित किए हैं। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि पुरानी सूचीबद्ध कंपनियों में से कुछ अब भी चिंता का विषय बनी हुई हैं।

निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं

कंपनियों की कमाई की संभावनाएं, नए क्षेत्रों का विकास, मुद्रा विनिमय दरों में बदलाव, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरें और वैश्विक बॉण्ड प्रतिफल भी उनके निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं।

पांडेय के अनुसार, सेबी का प्रयास भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों के लिए पंजीकरण से लेकर निवेश जारी रखने तक की पूरी प्रक्रिया को अधिक सरल और सुगम बनाना है।



जोखिम की सीमा तय करने पर होगा विचार

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के संदर्भ में पांडेय ने कहा कि नियामक आने वाले कुछ सप्ताह में एक और परामर्श पत्र जारी कर सकता है। इसमें खासतौर पर खुलासा संबंधी नियम और एक ही जगह निवेश या जोखिम की सीमा संबंधी प्रस्ताव को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक दुनिया के विभिन्न बाजारों में निवेश करते हैं।

निवेशकों को फंसाए जाने का जोखिम

सोशल मीडिया और विभिन्न ऑनलाइन समूहों के माध्यम से निवेशकों को ऐसे शेयरों में फंसाए जाने का जोखिम बना रहता है। इससे निपटने के लिए सेबी कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक का इस्तेमाल कर संदिग्ध खातों और गतिविधियों की निगरानी कर रहा है। निवेशकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई अन्य कदम भी उठाए जा रहे हैं।

पिछले वित्त वर्ष के समान अवधि के मुकाबले 63.3 फीसदी अधिक

तीन सार्वजनिक पेट्रोलियम कंपनियों को दूसरी तिमाही में 30,106 करोड़ रुपए का मुनाफा

नई दिल्ली

देश की तीन सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में कुल 30,106 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 68.3 प्रतिशत अधिक है।

कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन में मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भंडारण लाभ की अहम भूमिका रही। हालांकि, पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर हो रहे नुकसान और एलपीजी सब्सिडी की बढ़ती बकाया राशि ने कंपनियों की चिंता बढ़ा रखी है। तीनों कंपनियों का सितंबर तिमाही का संयुक्त मुनाफा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले काफी अधिक रहा। वहीं, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनियों को संयुक्त रूप से लगभग 18,150 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इस तरह दूसरी तिमाही में कंपनियों ने जोरदार वापसी की है। खास बात यह है कि सितंबर तिमाही का मुनाफा वित्त वर्ष 2025-26 में तीनों कंपनियों के कुल 77,281 करोड़ रुपये के लाभ का करीब 39 प्रतिशत है।

तीनों कंपनियों के प्रदर्शन में इंडियन ऑयल सबसे आगे रही। कंपनी ने सितंबर तिमाही में 21,630 करोड़ रुपये का अबतक का सर्वाधिक एकल शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले साल की समान अवधि के 7,610 करोड़ रुपये का करीब तीन गुना है। यह कंपनी के पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के 36,802 करोड़ रुपये के मुनाफे का लगभग 59 प्रतिशत है।

चालू वित्त वर्ष जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध मुनाफा कमाया



रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार से मुनाफा बढ़ा

दूसरी ओर, बीपीसीएल का एकल शुद्ध लाभ 22.5 प्रतिशत घटकर 4,993 करोड़ रुपये और एचपीसीएल का मुनाफा नौ प्रतिशत कम होकर 3,483 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले की समान तिमाही में इन दोनों कंपनियों का मुनाफा काफी ऊंचा रहा था। कंपनियों के मुनाफे में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार रहा।

सिलेंडर पर नुकसान 370 रुपए पहुंचने का अनुमान

आईओसी के निदेशक (वित्त) अनुज जैन ने निवेशकों के साथ बातचीत में कहा कि एलपीजी पर प्रति सिलेंडर नुकसान सितंबर में 184 रुपये था, जो अक्टूबर में बढ़कर 229 रुपये हो गया। नवंबर में इसके 309 रुपये और दिसंबर में 370 रुपये प्रति सिलेंडर तक पहुंचने का अनुमान है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बाजार के अनुरूप तय करने की व्यवस्था है, इसलिए इनकी बिक्री पर होने वाला नुकसान कंपनियों को खुद उठाना पड़ता है।

कीमतों में गिरावट से 7000 करोड़ रुपए का भंडारण लाभ

इसके अलावा, जून के मध्य से अगस्त के मध्य के बीच कच्चे तेल की कीमतों में अस्थायी गिरावट से कंपनी को करीब 7,000 करोड़ रुपये का भंडारण लाभ हुआ। हालांकि, कंपनियों की वित्तीय स्थिति का दूसरा पहलू भी है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मई से स्थिर बनी हुई हैं, जबकि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम मार्च से नहीं बदले हैं।

कीमतों में बदलाव नहीं होने से उठाना पड़ रहा नुकसान

अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद खुदरा कीमतों में बदलाव नहीं होने से कंपनियों को बिक्री पर नुकसान उठाना पड़ रहा है। उद्योग सूत्रों के मुताबिक, पिछले महीने तक कंपनियों को पेट्रोल की बिक्री पर चार से पांच रुपये और डीजल पर 18 से 20 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा था। एलपीजी के मोर्चे पर भी कंपनियों का घाटा लगातार बढ़ रहा है।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव पर निवेशकों की रहेगी नजर

कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से संघर्ष की आशंका बढ़ने सहित भू-राजनीतिक घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतें और कंपनियों के तिमाही नतीजे इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक होंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा, अमेरिकी मध्यावधि चुनाव, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं पर भी बाजार के निवेशकों की नजर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, इस सप्ताह बाजार का ध्यान सितंबर तिमाही के नतीजों, प्रमुख आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक घटनाक्रमों पर रहेगा। निवेशक



कंपनियों के प्रदर्शन का आकलन करेंगे और यह देखेंगे कि क्या उनकी आय में लगातार वृद्धि, लाभ मार्जिन में मजबूती और मांग में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों के नतीजों से ऋण वृद्धि, जमा जुटाने और परिसंपत्तियों की गुणवत्ता का पता चलेगा, जबकि वाहन, उपभोक्ता और औद्योगिक क्षेत्र की कंपनियों के नतीजे घरेलू मांग की स्थिति का व्यापक आकलन करने में मदद करेंगे। मिश्रा ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भी एक महत्वपूर्ण कारक बनी रहेंगी। इससे आयातित महंगाई, रुपये की विनिमय दर और कंपनियों के लाभ मार्जिन पर दबाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकारी बॉण्ड पर प्रतिफल, विदेशी संस्थागत निवेशकों का निवेश और मुद्रा बाजारों में उतार-चढ़ाव भी निकट भविष्य में बाजार की धारणा तथा हालिया तेजी के बने रहने को प्रभावित करेंगे।

रिलायंस को बढ़े हुए मार्जिन का फायदा मिला

कंपनी के तेल से रसायन कारोबार को वैश्विक स्तर पर ईंधन के बढ़े हुए मार्जिन का फायदा मिला, जबकि दूरसंचार कारोबार की वृद्धि ने खुदरा कारोबार के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन की भरपाई की। जियो प्लेटफॉर्म्स ने शुक्रवार को बताया कि सितंबर, 2026 तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 13.7 प्रतिशत बढ़कर 8,389 करोड़ रुपये रहा।

अक्टूबर में देश की बिजली खपत 21.88 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली

बिजली खपत बढ़कर 159.76 अरब यूनिट रही

देश में बिजली की खपत अक्टूबर में सालाना आधार पर 21.88 प्रतिशत बढ़कर 159.76 अरब यूनिट (बीयू) हो गई। इसकी प्रमुख वजह त्योहारी सीजन के दौरान वाणिज्यिक और औद्योगिक मांग में वृद्धि के साथ देश के कई हिस्सों में ठंडक देने वाले उपकरणों का लगातार इस्तेमाल होना है। देश की कुल बिजली खपत अक्टूबर 2025 में 131.07 अरब यूनिट रही थी। त्योहारी सीजन के दौरान वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली की मांग बढ़ने के साथ देश के कई हिस्सों में ठंडक देने वाले उपकरणों का लगातार इस्तेमाल होने से अक्टूबर में बिजली की खपत बढ़ी। पिछले महीने बिजली की अधिकतम मांग भी बढ़कर 260.73 गीगावाट हो गई, जो अक्टूबर 2025 में 210.82 गीगावाट थी। देश में बिजली की अधिकतम मांग मई 2026 में 270.82 गीगावाट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी।



बिजली की मांग स्थिर रहने का अनुमान

विशेषज्ञों ने अक्टूबर में बिजली की मांग स्थिर रहने का अनुमान जताया था। हालांकि, त्योहारी सीजन से पहले औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों की जरूरत बढ़ने की संभावना थी। उनका मानना है कि त्योहारों और देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान के कारण नवंबर में भी बिजली की मांग और खपत स्थिर बनी रहेगी।

अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य रहने का संभावना

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, नवंबर में हिमालय की तलहटी के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। हिमालय की तलहटी के कुछ क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम या सामान्य रहने का अनुमान है।

लक्जरी गाड़ियों के लिए परिपक्व बाजार बना भारत : जेएलआर



नई दिल्ली। जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) इंडिया के प्रबंध निदेशक राजन अंबा ने कहा कि भारत अब विशेष रूप से तैयार की गई लक्जरी गाड़ियों के लिए एक परिपक्व बाजार बन चुका है और ग्राहक तेजी से विशिष्ट एवं अपनी पसंद के अनुरूप तैयार किए गए वाहनों को पसंद कर रहे हैं। अंबा ने कहा, ''मुझे लगता है कि इस लिहाज से भारत ने वास्तव में अपनी जगह बना ली है। पिछले तीन वर्षों में हमें अच्छी सफलता मिली है।'' रेंज रोवर ने शनिवार को विशेष 'रेंज रोवर एसवी सवाई कलेक्शन' पेश किया। दुनिया भर में इसकी केवल 18 गाड़ियां उपलब्ध होंगी। इस संग्रह में सवाई जयपुर एडिशन, सवाई जोधपुर एडिशन और सवाई जैसलमेर एडिशन शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक संस्करण की छह-छह गाड़ियां बनाई गई हैं।

कोल इंडिया का कोयला उत्पादन अक्टूबर में 19.3 प्रतिशत बढ़ा

कोलकाता

सालाना आधार पर बढ़कर 6.72 करोड़ टन पर

कोल इंडिया लिमिटेड का अक्टूबर में कोयला उत्पादन सालाना आधार पर 19.3 प्रतिशत बढ़कर 6.72 करोड़ टन हो गया। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 5.64 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था।

सार्वजनिक क्षेत्र की इस खनन कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में उसका उठाव 18.7 प्रतिशत बढ़कर 7.03 करोड़ टन हो गया, जो एक साल पहले 5.92 करोड़ टन था। वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में सीआईएल का उत्पादन सालाना आधार पर 38.55 करोड़ टन से 0.7 प्रतिशत बढ़कर 38.82 करोड़ टन हो गया। इन सात महीनों के दौरान उठाव 9.2 प्रतिशत बढ़कर 45.46 करोड़ टन हो गया। सीआईएल की अनुषंगी कंपनियों में महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड ने अक्टूबर में 2.08 करोड़ टन के साथ सबसे अधिक उत्पादन दर्ज किया।



ईसीएल का उत्पादन 27.9 फीसदी बढ़ा

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) का उत्पादन 27.9 प्रतिशत बढ़कर 46 लाख टन रहा, जबकि सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) का उत्पादन 26.1 प्रतिशत बढ़कर 73 लाख टन हो गया। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने 7.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 29 लाख टन का उत्पादन किया।

एनसीएल में उत्पादन 4.3 फीसदी गिरा

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) एकमात्र ऐसी प्रमुख अनुषंगी कंपनी रही, जिसने गिरावट दर्ज की और उसका उत्पादन 4.3 प्रतिशत घटकर 1.14 करोड़ टन रह गया। उठाव के मोर्चे पर, डब्ल्यूसीएल ने अक्टूबर में 50.2 प्रतिशत की छलांग के साथ 67 लाख टन का आंकड़ा दर्ज किया, जबकि सीसीएल का उठाव 44.7 प्रतिशत बढ़कर 80 लाख टन हो गया।

अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज

मारुति की बिक्री में आया 25 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अक्टूबर में अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की है। बीते माह कंपनी की कुल बिक्री सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 2.76 लाख इकाई रही। पिछले साल की समान अवधि का आधार प्रभाव ऊंचा होने के बावजूद कंपनी ने यह वृद्धि दर्ज की। अक्टूबर में वाहनों की बिक्री 20 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2.12 लाख इकाई रही। सुपर कैरी और अन्य मूल उपकरण विनिर्माताओं को की गई बिक्री समेत कुल घरेलू बिक्री करीब 19 प्रतिशत बढ़कर 2.26 लाख इकाई रही। पिछले साल की समान अवधि में ऊंचे आधार प्रभाव के बावजूद बिक्री में यह मजबूत वृद्धि त्योहारी सीजन के दौरान बाजार में मजबूत मांग को दर्शाती है। मारुति सुजुकी ने कहा था कि उसके पास डीलर के यहां करीब 15-16 दिन का ही भंडार है, जबकि करीब दो लाख वाहन की बुकिंग लंबित है। ऑल्टो, बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, एस-प्रेसो, स्विफ्ट और वैगनआर जैसी यात्री कारों की बिक्री सालाना आधार पर 18.4 प्रतिशत बढ़कर करीब एक लाख इकाई रही।

ब्रेजा, अर्टिगा की बिक्री 26 फीसदी बढ़ी - वहीं, ब्रेजा, अर्टिगा, ई-विटारा, फ्रॉन्क्स, ग्रैंड विटारा, इनविक्टो, जिम्नी, विक्टोरिस और एक्सएल6 जैसे वाहनों की बिक्री 26 प्रतिशत बढ़कर 97,787 इकाई हो गई। ओईएम को कंपनी की बिक्री बढ़कर 9,459 इकाई रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 8,915 इकाई रही थी। कंपनी का अक्टूबर में निर्यात 59 प्रतिशत बढ़कर 49,872 इकाई हो गया।

अक्टूबर में पिछले चार वर्षों की सबसे तेज वृद्धि दर्ज

अक्टूबर में हुआ दूसरा सबसे बड़ा जीएसटी संग्रह

नई दिल्ली

देश का जीएसटी संग्रह अक्टूबर में सालाना आधार पर 22.9 फीसदी बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। यह अक्टूबर में पिछले चार वर्षों की सबसे तेज वृद्धि है। इसी के साथ यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा जीएससी संग्रह है। इससे पहले इसी साल अप्रैल में रिकॉर्ड करीब 2.43 लाख करोड़ रुपये का संग्रह हुआ था। रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, आयात से मिलने वाले जीएसटी में तेज बढ़ोतरी ने कुल संग्रह को मजबूत किया। अक्टूबर में आयात से मिलने वाला कर 42.2 फीसदी बढ़कर 72,246 करोड़ रुपये रहा, जबकि घरेलू जीएसटी संग्रह 15.8 फीसदी बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। खास बात ये है कि चालू वित्त वर्ष में यह चौथा महीना है, जब सरकार को दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का जीएसटी मिला है।

जुलाई में संग्रह 2.11 लाख करोड़ और सितंबर में 2.04 लाख करोड़ रुपये रहा था। अक्टूबर के कुल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का योगदान 42,935 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का 51,340 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) का योगदान 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे त्योहारी सीजन के कारण मांग मजबूत बने रहने की उम्मीद है और अगले महीने भी जीएसटी संग्रह अच्छा रह सकता है।

अप्रैल-अक्टूबर में 14.78 लाख करोड़ संग्रह

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 13.2 फीसदी बढ़कर 14.78 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 13.05 लाख करोड़ रुपये था। इस दौरान शुद्ध संग्रह 12.6 फीसदी बढ़कर 12.69 लाख करोड़ रुपये रहा। सात महीने की अवधि में घरेलू सकल जीएसटी राजस्व 7.4 फीसदी बढ़कर 10.33 लाख करोड़ रुपये रहा। वहीं, आयात से मिलने वाला राजस्व 29.3 फीसदी बढ़कर 4.44 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।



अर्थव्यवस्था में मजबूती के संकेत

ग्रांट थॉर्नटन भारत के भागीदार एवं कर विवाद प्रबंधन प्रमुख मनोज मिश्रा ने कहा कि अक्टूबर के जीएसटी आंकड़े त्योहारी सीजन में मांग में आई तेजी को दर्शाते हैं। इस दौरान आमतौर पर उपभोक्ताओं का खर्च, खुदरा गतिविधियां और विभिन्न क्षेत्रों में वस्तुओं की आवाजाही बढ़ती है। वहीम, ईवाई इंडिया के कर भागीदार सौरभ अग्रवाल ने कहा कि अक्टूबर, 2026 का जीएसटी संग्रह वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है।

भारत बनाम न्यूजीलैंड... गंभीर बोले-टी-20 टीम के प्रदर्शन पर गर्व

नई दील्ली। भारत ने न्यूजीलैंड को 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-2 से हराया। सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, मेरी डिक्शनरी और डायरेक्टरी में डर नाम का कोई शब्द नहीं है। गंभीर ने पहले मैच का उदाहरण देते हुए खिलाड़ियों की तारीफ की। उन्होंने बताया कि टीम ने 15 घंटे की लंबी फ्लाइट के बाद सिर्फ एक अभ्यास सत्र किया था, इसके बावजूद मुकाबला जीत लिया। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि गेंदबाजी और फील्डिंग बेहतर हो सकती थी। वहीं न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को सीरीज का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने पांच मैचों में 341 रन बनाए।

ध्यान अब वनडे सीरीज पर: अय्यर - अय्यर के मुताबिक, न्यूजीलैंड में खेलने के दौरान खिलाड़ियों को अलग तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आसमान में साफ रोशनी और मैदान पर अंधेरे जैसी स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियां भारत में आमतौर पर देखने को नहीं मिलतीं। कप्तान ने यह भी कहा कि टीम इन कमियों पर चर्चा करेगी। हालांकि, उनका ध्यान अब वनडे सीरीज पर है और खिलाड़ी अच्छे मूड में हैं।

ऋषभ पंत की चोट पर गंभीर के पास अपडेट नहीं - प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर से ऋषभ पंत की उपलब्धता को लेकर भी सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके पास पंत की चोट को लेकर कोई पक्की जानकारी नहीं है।



थकान के बावजूद जीत हासिल की- गंभीर ने कहा, विदेशी परिस्थितियों में खेलते समय टीम को मुश्किल हालात से घबराना नहीं चाहिए। न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को लंबी यात्रा और कम अभ्यास का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद पहले मैच में जीत हासिल करना आसान नहीं था। गंभीर ने इसी प्रदर्शन को टीम की मानसिक मजबूती का उदाहरण बताया। सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में भारत ने लगातार जीत दर्ज की। इसके बाद न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए आखिरी दोनों मैच अपने नाम किए।

सीरीज का नतीजा उलटा भी हो सकता था- सैंटनर: न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने माना कि सीरीज काफी करीबी रही। उनके मुताबिक, शुरुआती दो मुकाबलों में कुछ ऐसे मौके आए, जिन्हें न्यूजीलैंड भुना सकता था। अगर टीम उन मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करती, तो सीरीज का नतीजा भारत के बजाय न्यूजीलैंड के पक्ष में भी हो सकता था। सैंटनर ने गेंदबाजी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आखिरी दो मैचों में गेंदबाजों ने परिस्थितियों के हिसाब से अपनी रणनीति बदली। तेज गेंदबाजों ने यॉर्कर, वाइड गेंदों और सही लेंथ का इस्तेमाल किया।

मेसी का शानदार खेल, न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन को हराया



फॉक्सबोरो, एजेंसी। लियोनेल मेसी ने एक बेहतरीन असिस्ट और मैच के आखिर में किए गए गोल की मदद से इंटर मियामी को न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने अगले साल होने वाले कॉन्काकैफ चैंपियंस कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत से मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ से पहले ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में नंबर 2 सीड की स्थिति में पहुंच गई है। इस सीजन में मेसी के नाम अब 26 गोल और 16 असिस्ट हो गए हैं। इसके साथ ही वह लगातार तीसरी बार एमएलएस एमवीपी अवार्ड और लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतने की रेस में सबसे आगे हो गए हैं।

पहले 45 मिनट तक दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला रहा और हाफ टाइम तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इस दौरान इंटर मियामी को 28वें मिनट में एक अच्छा मौका मिला, जब मेक्सिकन खिलाड़ी बर्टेरामे ने बॉक्स के बाईं ओर से बाएं पैर से शॉट मारा, जिसे न्यू इंग्लैंड के गोलकीपर मैट टर्नर ने बचा लिया। दूसरे हाफ में, 53वें मिनट में डेनियल गाजदाग के गोल की बदौलत मेजबान टीम (न्यू इंग्लैंड) ने खाता खोला।

83वें मिनट में मियामी ने पासा पूरी तरह से पलटा

69वें मिनट में इंटर मियामी ने शानदार टीम वर्क दिखाते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। सेगोविया ने बॉक्स के अंदर एक 'लॉब' पास दिया, जिस पर मेसी ने हेडर से गेंद को बर्टेरामे की तरफ बढ़ाया। बर्टेरामे ने बॉक्स के बीच से एक जोरदार हेडर लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। यह इस रेगुलर सीजन में बर्टेरामे का 10वां गोल था, जबकि मेसी का यह इस लीग सीजन का 16वां असिस्ट रहा। 83वें मिनट में इंटर मियामी ने मैच का पासा पूरी तरह से पलटा। एक बेहतरीन पासिंग सीक्वेंस के बाद मेसी ने निर्णायक गोल किया। सुआरेज ने बॉक्स के बाहर बीच में मेसी को गेंद दी, जहां अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी ने तीन डिफेंडरों को छकाया। इसके बाद सेगोविया के साथ मिलकर वह बॉक्स के अंदर पहुंचे और एक सटीक शॉट के जरिए गेंद को गोल पोस्ट के निचले दाएं कोने में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मेसी के कुल गोल की संख्या 26 हो गई है, जिससे वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। वहीं, इस रेगुलर सीजन में सेगोविया के असिस्ट की संख्या 12 हो गई है। इसके बाद 1-2 की स्कोरलाइन अंतिम सीटी बजने तक कायम रहा, जिससे इंटर मियामी ने अपने घर से बाहर खेलते हुए तीन अंक हासिल किए।



एंटोनेली बने सबसे कम उम्र के एफ-1 चैंपियन

नई दिल्ली। किमी एंटोनेली नेइतिहास रचते हुए फॉर्मूला वन के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 20 वर्षीय मर्सिडीज ड्राइवर ने मैक्सिको सिटी ग्रांड प्रिक्स में मैक्स वर्स्टापेन और लुईस हैमिल्टन के बाद तीसरे स्थान पर रहकर यह उपलब्धि प्राप्त की।

किमी, जो फॉर्मूला वन रेसिंग में अपने दूसरे ही सीजन में हैं, ने सेबेस्टियन वेटेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो 2010 में अपनी चार ड्राइवर चैंपियनशिप में से पहली चैंपियनशिप जीतने के समय 23 साल और 133 दिन के थे। अपनी उपलब्धि की वास्तविकता को समझते हुए किमी अपने आँसू रोकने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

टीम रेडियो पर, नव-ताजपोश विश्व चैंपियन पहले तो कुछ बोल नहीं पा रहे थे, लेकिन फिर उन्होंने मर्सिडीज को अपने सपने को साकार करने में मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। 'हमने कर दिखाया! हमने कर दिखाया!' उसे हंसते-हंसते आंसुओं के साथ कहते हुए सुना गया। इसके बाद जो जश्न मनाया गया, वह इस अवसर के अनुरूप ही था।

पोडियम पर एंटोनेली अपनी भावनाओं को काबू में रखने की कोशिश कर रहे थे, तभी वर्स्टापेन और हैमिल्टन ने भी उनका साथ दिया और नव-प्रतिभाशाली चैंपियन को हवा में उठा लिया। यह एक यादगार दृश्य था: खेल के दो महानतम ड्राइवर फॉर्मूला वन चैंपियन की नई पीढ़ी के आगमन का जश्न मना रहे थे। मैं भविष्य में और अधिक मुकाबलों के लिए उत्सुक हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह तो बस शुरुआत है।' एंटोनेली के लिए, यह सात साल के कार्टिंग के शौकीन से लेकर मोटरस्पोर्ट के शिखर तक की एक उल्लेखनीय यात्रा की परिणति थी।

मर्सिडीज टीम के प्रमुख टोटो वोल्फ के लिए भी, 2025 सीज़न से पहले हैमिल्टन की जगह 18 वर्षीय खिलाड़ी को मौका देने के उनके महत्वपूर्ण जोखिम भरे फैसले की पुष्टि का क्षण था।

उनके बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक मोंज़ा में देखने को मिला, जहाँ उन्होंने ग्रिड पर 19वें स्थान से शुरुआत करने के बावजूद अपने घरेलू ग्रैंड प्रिक्स में जीत हासिल की।

सिंधू ने जीता हाइलो ओपन का खिताब

जर्मनी: भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने एक बार फिर अपने शानदार खेल से देश का नाम रोशन किया है। सिंधु ने जर्मनी में खेले गए हाइलो ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में डेनमार्क की लाइन केजर्सफेल्ट को सीधे गेमों में 21-12, 21-14 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु ने मौजूदा सीजन का अपना दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया है।

पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहीं सिंधु - सिंधु का हाइलो ओपन में प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने फाइनल तक के सफर में एक भी गेम नहीं गंवाया। अपने अभियान की शुरुआत उन्होंने भारतीय खिलाड़ी प्रकृति भरत को हराकर की। इसके बाद फ्रांस की रोजी ओक्टाविया पंकासारी और जर्मनी की अमाली शुल्ज को मात देकर क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उन्होंने भारत की ही अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया।

फाइनल जीतकर बनीं चैंपियन

पीवी सिंधु ने फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहला गेम महज 17 मिनट में 21-12 से जीतकर डेनमार्क की खिलाड़ी पर दबाव बना दिया। इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने अपनी लय बरकरार रखी और 21-14 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय शटलर ने यह फाइनल केवल 39 मिनट में जीतकर शानदार अंदाज में खिताब पर कब्जा किया।

जापान ओपन के बाद अब हाइलो ओपन पर कब्जा

पीवी सिंधु के लिए यह साल खिताब के लिहाज से शानदार रहा है। उन्होंने जुलाई में जापान ओपन 2026 के फाइनल में जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर खिताब जीता था। अब हाइलो ओपन जीतकर उन्होंने इस सीजन का दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम कर लिया है।

विश्व टूर फाइनल्स की राह हुई मजबूत

हाइलो ओपन का खिताब जीतने के साथ ही सिंधू को 9200 रैंकिंग अंक मिले हैं। इससे साल के आखिर में होने वाले विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने की उनकी उम्मीदों को मजबूती मिली है। दुनिया की आठवें नंबर की भारतीय खिलाड़ी के लिए यह जीत सीजन के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है। सिंधू के इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने का दम रखती हैं।

चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट... सेंथिलकुमार ने फाइनल में बनाई जगह

ब्रनो। भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने ब्रनो में चल रहे चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। 35,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस पीएसए कॉपर-लेवल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में उन्होंने फ्रांस के खिलाड़ी और विश्व नंबर 32 ऑगस्ट डुसॉर्ड को हराया। सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाड़ी को 11-7, 12-10, 11-1 से मात दी। चौथे वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अब फाइनल में स्कॉटलैंड के ग्रेग लोबन (जो शीर्ष वरीयता प्राप्त हैं और विश्व रैंकिंग में 31वें नंबर पर हैं) का सामना करेंगे। सेंथिलकुमार इस सीजन में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। शीर्ष वरीयता प्राप्त लोबन ने फ्रांस के तौफिक मेखल्फी को 11-9, 11-5, 11-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले, सेंथिलकुमार ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। पहले गेम में भारतीय खिलाड़ी ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को आसानी से 11-3 से हराया। इसके बाद, रैलियां तेज, कड़ी और रोमांचक हो गई थीं। सेंथिलकुमार ने कोर्ट के अगले हिस्से में बेहतरीन खेल दिखाते हुए बाकी गेम 11-8 और 11-7 से अपने नाम किया था। भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के विश्व नंबर 64 और आठवें वरीयता प्राप्त जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराया था। इससे पहले, टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में उन्हें 'बाय' (सीधे अगले दौर में प्रवेश) मिला था, और दूसरे दौर में उन्होंने ब्राजील के डिएगो गोब्बी को 11-4, 11-7,



विराट कोहली की तीन साल बाद दिल्ली में वापसी टली!

आउटफील्ड के कारण छिन सकती है भारत-श्रीलंका के बीच पहले वनडे की मेजबानी



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली को अपने घरेलू मैदान दिल्ली में खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे फैंस को निराशा हाथ लग सकती है। भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाले वनडे सीरीज के पहले मुकाबले की मेजबानी दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम से छिन सकती है। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से वेन्यू बदलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। विराट कोहली की दिल्ली वापसी का इंतजार कर रहे थे फैंस - विराट कोहली के लिए दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम बेहद खास है। इसी मैदान और दिल्ली के घरेलू क्रिकेट से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2019 में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने उनके योगदान को सम्मान देते हुए स्टेडियम के एक प्रमुख स्टैंड का नाम 'विराट कोहली पवेलियन' रखा था। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ दिल्ली में होने वाला वनडे मुकाबला स्थानीय फैंस के लिए कोहली को अपने घरेलू मैदान पर देखने का शानदार अवसर हो सकता था।

निर्माण कार्य के कारण बदला जा सकता है वेन्यू

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इस समय आउटफील्ड को आधुनिक बनाने का काम चल रहा है। डीडीसीए ने मैदान में सैंड बेस्ड ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने का फैसला किया है। इस तकनीक से बारिश के बाद मैदान से पानी तेजी से निकल सकेगा और मैच दोबारा शुरू करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरे काम को पूरा होने में करीब चार महीने लगेंगे और स्टेडियम आईपीएल 2027 से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएगा।

11 अक्टूबर 2023 खेला गया था अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे इंटरनेशनल मुकाबला 11 अक्टूबर 2023 को खेला गया था। यह आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 का मुकाबला था, जिसमें भारत ने अफगानिस्तान को आठ विकेट से हराया था। फिलहाल स्टेडियम में निर्माण कार्य के चलते दिल्ली की घरेलू टीम को भी अपने रणजी ट्रॉफी मुकाबले पालम स्थित एयरफोर्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में खेलने पड़ रहे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी में जुटे विराट

दूसरी ओर विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए तैयारी कर रहे हैं। टी20 सीरीज खत्म होने के बाद वह न्यूजीलैंड पहुंच चुके हैं और नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे 4 नवंबर को खेला जाएगा। टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद कोहली का फोकस अब मुख्य रूप से वनडे और टेस्ट क्रिकेट पर है। वेन्यू बदलने की खबरों के बीच अहमदाबाद में पहला वनडे आयोजित किए जाने की अटकलें भी सामने आई थीं। हालांकि, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने दिल्ली से मुकाबला शिफ्ट होने की खबरों पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि फिलहाल मैच का आयोजन दिल्ली में ही निर्धारित है। ऐसे में मुकाबले के वेन्यू को लेकर अंतिम तस्वीर आधिकारिक फैसले के बाद ही साफ होगी।

साणंद में अंधविश्वास का खौफनाक सच : मानसिक विक्षिप्त पिता ने 10 वर्षीय बेटे की दी बलि

साणंद, एजेंसी। अहमदाबाद जिले के साणंद तालुका के विंछिया गांव में रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां मानसिक रूप से विक्षिप्त एक खेतिहर मजदूर नरेश पटेल ने अपने 10 वर्षीय इकलौते बेटे करण की बेरहमी से हत्या कर दी। चौंकाने वाली बात यह है कि हत्या के बाद आरोपी ने शव के पास ही चैन की नींद सो गया। गुजरात पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी पिता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पत्नी भारतीबेन से किसी बात पर विवाद हो गया था, जिसके बाद वह अपने मायके चली गई थी। बेटा स्कूल जाने के कारण पिता के पास ही रह गया था। रविवार रात नरेश ने गुस्से और अंधविश्वास में आकर बेटे को पैरों से पकड़कर घर में बनी देवी की वेदी के सामने जमीन पर कई बार पटका और डंडे से सिर पर वार कर उसकी जान ले ली। शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने पत्नी को बताया कि उसके पिता स्थानीय समुदाय में भुवा (देवी-देवता और लोगों के बीच मध्यस्थ) थे और उसने खुद भी यह भूमिका संभाली थी। उसने अंधविश्वास के चलते यह खौफनाक कदम उठाया ताकि भविष्य में परिवार में कोई और भुवा न बने।

महाराष्ट्र के 8 जिलों की अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी, एक साथ मिले ई-मेल से मचा हड़कंप

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की न्याय व्यवस्था में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब राज्य के आठ जिलों की जिला एवं सत्र अदालतों को एक साथ बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल मिले। ठाणे, सातारा, सोलापुर, सांगली, बीड, हिंगोली, परभणी और अमरावती की अदालतों को निशाना बनाकर भेजे गए इन ई-मेल के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। एहतियात के तौर पर सभी संबंधित अदालतों की इमारतों को खाली करा लिया गया। धमकी भरे ई-मेल मिलने के तुरंत बाद वरिष्ठ न्यायाधीशों ने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को इसकी सूचना दी। इसके बाद न्यायाधीशों, वकीलों, कर्मचारियों और अदालत में मौजूद पक्षकारों को तत्काल बाहर निकाला गया। पुलिस, बम निरोधक एवं निष्क्रियकरण दस्ते (बीडीडीएस), डॉग स्क्वॉड और साइबर सेल की टीमें मौके पर पहुंचीं और अदालत परिसरों की सघन तलाशी शुरू की। ठाणे जिला अदालत को धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद ठाणे नगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। सुरक्षा के मद्देनजर अदालत परिसर में आवाजाही पर नियंत्रण लगा दिया गया। वहीं, सातारा जिला न्यायालय में भी बम से इमारत उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने पूरे परिसर को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। बीड जिला एवं सत्र न्यायालय में वरिष्ठ न्यायाधीशों को धमकी का ई-मेल मिलने के बाद वकीलों और पक्षकारों के बीच अफरा-तफरी मच गई। लोग आनन-फानन में अदालत परिसर से बाहर निकलने लगे। इसी तरह सोलापुर जिला न्यायालय में भी धमकी मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरी इमारत को खाली कराया गया। हिंगोली में धमकी भरा संदेश मिलते ही प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। बम निरोधक दस्ते ने न्यायाधीशों के चैंबर सहित सभी कक्षों की बारीकी से जांच की। अमरावती जिला एवं सत्र न्यायालय में भी पुलिस ने तत्काल सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी और पूरे परिसर की तलाशी ली। उधर, सांगली और परभणी जिला न्यायालयों को भी इसी तरह के धमकी भरे ई-मेल प्राप्त हुए। इसके बाद पुलिस, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते की टीमें अदालत परिसरों में पहुंचीं। सभी स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए सघन तलाशी अभियान चलाया गया। एक ही समय में राज्य के आठ जिलों की अदालतों को धमकी भरे ई-मेल मिलने से पुलिस प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। अब साइबर पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये ई-मेल कहां से और किसने भेजे हैं। इसके पीछे किसी शरारती तत्व का हाथ है या फिर कोई बड़ी साजिश रची गई है, इसकी भी जांच की जा रही है।

हैदराबाद में बीजेपी की महा पदयात्रा: अमित शाह का राहुल गांधी पर हमला, बोले-

रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ' नहीं, 'घुसपैठिये बचाओ' रैली थी

हैदराबाद, एजेंसी।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2 नवंबर को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में बीजेपी की महा पदयात्रा निकाली। हाथ में तिरंगा लेकर निकले शाह के साथ हजारों बीजेपी कार्यकर्ता और समर्थक भी शामिल हुए। यह पदयात्रा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच जारी सियासी टकराव के बीच निकाली गई। इस दौरान अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस रक्फ़ प्रक्रिया का विरोध करके घुसपैठियों को बचाना चाहती है। शाह ने साफ कहा कि बीजेपी एक-एक घुसपैठिये का नाम मतदाता सूची से हटवाएगी और उन्हें देश से बाहर निकालने की कोशिश



करेगी। पदयात्रा में शामिल होने से पहले अमित शाह ने हैदराबाद के प्रसिद्ध भाग्यलक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। इसके बाद उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए रक्फ़ घुसपैठ और कांग्रेस की राजनीति को लेकर विपक्ष पर कई तीखे हमले किए।

अमित शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, ₹राहुल जी, दो दिन पहले आपने मॉक संसद लगाई थी। अगर मुझसे पूछा होता तो मैं आपको सलाह देता कि नकली संसद में ही एक बार प्रधानमंत्री बन जाइए, क्योंकि असली संसद में तो आप कभी प्रधानमंत्री बनने से रहे। इससे सोनिया जी के दिल को भी शांति मिल जाती। सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी चाहे जितनी कोशिश कर लें, इखढ यह सुनिश्चित करेगी कि एक-एक घुसपैठिये का नाम मतदाता सूची से हटाया जाए। शाह ने कहा, ₹राहुल जी, आप चाहे जितनी कोशिश कर लें, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि एक-एक घुसपैठिये को मतदाता सूची से हटा दिया जाए। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे लोगों को देश से बाहर निकालने के लिए भी कार्रवाई की जाएगी। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस रक्फ़का विरोध इसलिए कर रही है, क्योंकि इससे उसके कथित वोट बैंक पर असर पड़ सकता है।

अमित शाह ने राहुल गांधी के उस दावे पर भी सवाल उठाए, जिसमें इखढ की चुनावी जीत को रक्फ़ प्रक्रिया से जोड़ने की बात कही गई थी। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भी जीते थे, जबकि उस समय रक्फ़ जैसी कोई प्रक्रिया नहीं चल रही थी। उन्होंने कहा, ₹मोदी जी 2019 में भी जीते थे। तब कोई रक्फ़ नहीं था। क्या मोदी जी जीते या नहीं? वे भारत के मतदाताओं की वजह से जीते।₹ शाह ने महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार में इखढ की जीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में पार्टी को जनता का भारी समर्थन मिला है।

अमित शाह ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई इंडिया गठबंधन की रैली पर भी निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष के 'वोट बचाओ' अभियान को लेकर तंज कसा। शाह ने कहा, ₹कल दिल्ली में एक रैली भी हुई थी। यह राहुल गांधी की रैली थी, जिसे उन्होंने 'वोट बचाओ' रैली कहा। वह 'वोट बचाओ' रैली नहीं थी, बल्कि 'घुसपैठिये बचाओ' रैली थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल रक्फ़ प्रक्रिया का विरोध करके मतदाता सूची में मौजूद कथित फर्जी और दोहरी प्रविष्टियों को बनाए रखना चाहते हैं। एसआईआर प्रक्रिया का बचाव करते हुए अमित शाह ने कहा कि मतदाता सूची में मौजूद गलतियों को दूर करना जरूरी है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर किसी व्यक्ति के नाम पर दो वोट दर्ज हैं, तो उनमें से एक को रद्द क्यों नहीं किया जाना चाहिए?

राहुल गांधी खुद आज लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती: सुधांशु त्रिवेदी

- राहुल के आने से पहले कांग्रेस कई राज्यों में शून्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी पर चुनावी प्रक्रियाओं के बारे में गलत नैरेटिव फैलाने का आरोप लगाकर कहा कि कांग्रेस पार्टी भारत के लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। बीजेपी सांसद त्रिवेदी ने टिप्पणी करते हुए विपक्ष की उस प्रवृत्ति पर सवाल उठाया, जिसमें वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति और बढ़ती राष्ट्रीय गौरव की भावना से खुश नहीं दिखते। बीजेपी



सांसद त्रिवेदी ने कांग्रेस के कई राज्यों में लंबे समय से सत्ता से बाहर रहने का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ओडिशा में बीते 25 वर्षों से, गुजरात में 1995 से और उत्तर प्रदेश तथा बिहार में 1990 के दशक से सत्ता से बाहर है। इन राज्यों में कुल 120 लोकसभा सीटें आती हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने राहुल गांधी के सत्ता-विरोधी लहर (एंटी-इनकम्बेंसी) के दावे को खारिज कर कहा कि वास्तविकता इससे काफी अलग है। बीजेपी त्रिवेदी ने राहुल गांधी को याद दिलाया कि उनकी पार्टी, उनके राजनीति में आने से बहुत पहले ही, उन राज्यों में भी 10 सीटें जीतने की स्थिति में नहीं थी जहाँ कुल 230 लोकसभा सीटें आती हैं। उन्होंने सवाल किया कि यदि कांग्रेस उन 230 सीटों में पहले से ही कमजोर थी, तब शेष 300 सीटों में से 272 जीतने की उम्मीद कैसे हो सकती थी? यह आंकड़ा कांग्रेस की वास्तविक स्थिति को दिखाता है और चुनावी परिणामों पर उनके गलत नैरेटिव को बेनकाब करता है। बीजेपी नेता ने कांग्रेस पार्टी के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलएस) की भूमिका पर भी प्रश्नचिह्न लगाया। उन्होंने पूछा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया की निगरानी में उनकी क्या भूमिका थी। त्रिवेदी ने स्पष्ट किया कि जहां चुनाव आयोग सरकारी कर्मचारियों (बीएलओ) के माध्यम से मतदाता सूची को अपडेट करता है, वहीं राजनीतिक दल अपने बीएलओ नियुक्त करते हैं ताकि इस प्रक्रिया पर नज़र रखी जा सके। पूरे देश में, चुनाव आयोग द्वारा 12 लाख बीएलओ और विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा 22 लाख बीएलए नियुक्त किए गए हैं। बीजेपी सांसद त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस का मौजूदा रवैया न केवल तथ्यों से परे है, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक गंभीर चुनौती भी प्रस्तुत करता है, क्योंकि वे चुनावी प्रक्रियाओं पर गलत धारणाएं फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।

पंजाब में आप को दोहरा झटका : 2 दिन में 3 विधायकों का इस्तीफा, कुंवर विजय प्रताप ने भी छोड़ा पद

पंजाब, एजेंसी।
पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 से पहले सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है। 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होने के बाद समाना से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा के पार्टी छोड़ने के ठीक अगले दिन अमृतसर नॉर्थ से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह ने भी विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच आम आदमी पार्टी के भीतर असंतोष का बड़ा विस्फोट हुआ है। पार्टी नेतृत्व द्वारा 31 अक्तूबर को 40 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की गई थी, जिसके बाद से विधायकों और टिकट के दावेदारों में नाराजगी भड़क उठी। दो विधायकों द्वारा पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ने के बाद पूर्व आईपीएस अधिकारी और अमृतसर



नॉर्थ से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह ने सीधे विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर पार्टी और सरकार दोनों को असहज स्थिति में डाल दिया है।

कुंवर विजय प्रताप सिंह ने अपना इस्तीफा पत्र 1 नवंबर 2026 को अमृतसर से सीधे पंजाब विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) को भेजा। खास बात यह रही कि उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया में न तो पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को शामिल किया और न ही किसी प्रदेश पदाधिकारी के जरिए अपना पत्र भिजवाया। उन्होंने ई-मेल, व्हाट्सएप और भारतीय डाक तीनों माध्यमों से स्पीकर को पत्र भेजकर स्पष्ट किया कि वे 1 नवंबर से सदन की सदस्यता छोड़ रहे हैं। उन्होंने त्यागपत्र में किसी सीधे राजनीतिक या व्यक्तिगत कारण का उल्लेख नहीं किया है।

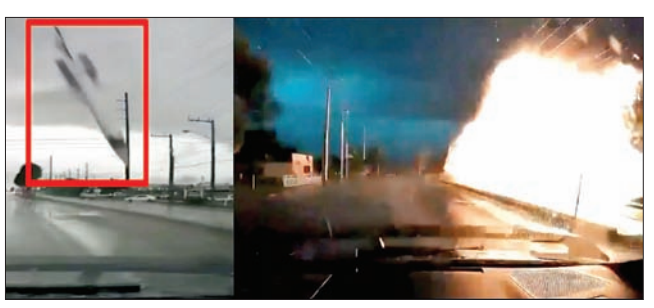
इस्तीफे के बाद सोमवार को सोशल मीडिया पर अमृतसर की जनता के नाम जारी अपने संदेश में कुंवर विजय प्रताप ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि पंजाब वर्तमान में नशा, फिरौती, गैंगस्टरवाद और भ्रष्टाचार जैसी बड़ी चुनौतियों से जूझ रहा है और राज्य को इनसे उबारने के लिए सामूहिक प्रयास की सख्त जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि विधायक रहते हुए उन्होंने 90 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किए और राजनीति से 'माई-बाप संस्कृति' को खत्म करने का काम किया। उन्होंने सदन में बरगाड़ी बेअदबी कांड, स्थानीय पानी, सीवरेज, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी और सरकारी मेडिकल कॉलेज जैसे अहम मुद्दे उठाने का भी उल्लेख किया। कुंवर विजय प्रताप 1998 बैच के पंजाब कैडर के चर्चित आईपीएस अधिकारी रहे हैं। 2029 में उनकी सामान्य सेवानिवृत्ति होनी थी, लेकिन उन्होंने 12 अप्रैल 2021 को समय से पूर्व वीआरएस ले ली और 2022 के विधानसभा चुनाव में 'आप' के टिकट पर अमृतसर नॉर्थ से शानदार जीत दर्ज की। हालांकि, चुनाव जीतने के बाद से ही उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच मतभेद सामने आने लगे थे।

सोनिया की लालू से मुलाकात, तेजस्वी ने कहा... चुनौतियों के लिए एकजुट हो विपक्ष

नई दिल्ली,एजेंसी। नई दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना। इस दौरान राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव भी मौजूद रहे, जिन्होंने देशभर में विपक्षी दलों को एकजुट होकर वर्तमान चुनौतियों का सामना करने का आह्वान किया। यह मुलाकात दिल्ली स्थित लालू प्रसाद की बड़ी बेटी और पाटलिपुत्र सांसद मीसा भारती के आवास पर हुई। तेजस्वी ने बताया कि लालू यादव नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए दिल्ली आए हुए थे। रविवार को उनकी सोनिया गांधी से फोन पर बात हुई थी और लालू प्रसाद के दिल्ली में होने की जानकारी मिलने पर सोनिया गांधी ने स्वयं उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की थी, जिसके बाद यह भेंट हुई। उन्होंने दोनों परिवारों के बीच दशकों पुराने मधुर संबंधों का जिक्र कर कहा कि सोनिया गांधी और लालू प्रसाद ने हमेशा एक-दूसरे के कठिन समय में सहयोग किया है। यह एक लंबे अंतराल के बाद दोनों नेताओं की मुलाकात थी। तेजस्वी ने विपक्षी एकजुटता पर जोर देकर कहा कि केवल बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश में विपक्षी दलों को एक साथ आकर मजबूती से चुनौतियों का सामना करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक सभी विपक्षी दल एकजुट नहीं होते हैं, तब तक वर्तमान लड़ाई को जीता नहीं जा सकता। उनका यह बयान विपक्षी इंडिया गठबंधन की मजबूती के प्रयासों के बीच आया है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े मुद्दे पर अपनी बात रखी, जिसमें कहा कि जब तक उन पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक विपक्ष चुप नहीं बैठेगा और उनका संघर्ष जारी रहेगा। दिल्ली के रामलीला मैदान में हाल ही में हुई रैली को फ्लॉप बताने के दावों को खारिज कर तेजस्वी ने कहा कि विरोधी बेचैन और परेशान हैं, क्योंकि उनकी चोरी पकड़ी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग लोकतंत्र को कुचलकर उसका अनुचित लाभ उठा रहे हैं। महाभारत की लड़ाई और कृष्ण के बारे में पूछने पर उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि पहले शकुनि को जान लीजिए।

अमेरिका के फ्लोरिडा में बिजनेस जेट क्रैश, सभी 9 लोगों की मौत; सड़क पर आग का गोला बना विमान

फ्लोरिडा, एजेंसी।
अमेरिका के दक्षिणी फ्लोरिडा में रविवार को एक बड़ा विमान हादसा पेश आया। ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बहामास के लिए उड़ान भरने वाला एक निजी बिजनेस जेट तकनीकी खराबी के चलते अनियंत्रित होकर जमीन पर आ गिरा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विमान में तुरंत भीषण आग लग गई और चारों तरफ घना काला धुआं फैल गया। इस भयावह दुर्घटना में विमान में सवार सभी नौ लोगों की मौके पर ही जान चली गई। अमेरिकी विमानन



एजेंसियां अब हादसे के सटीक कारणों का पता लगाने में जुट गई हैं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान 'लियरजेट 60' था, जिसका टेल नंबर N722BD दर्ज है। ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रवक्ता जिम रेनॉल्ड्स ने इसे एक अत्यंत दुखद और बड़ी त्रासदी करार दिया। अमेरिकी परिवहन सचिव शॉन डफी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि विमान में कुल 9 लोग सवार थे और इस दुर्घटना में किसी के भी जीवित बचने की संभावना नहीं रही। फिलहाल विमान में सवार यात्रियों और क्रू मेंबर्स की आधिकारिक पहचान की प्रक्रिया जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों और राहगीरों द्वारा बनाए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान आसमान से तेज गति से सीधे नीचे आया और सड़क के किनारे टकरा गया। जमीन से टकराते ही जोरदार धमाका हुआ और विमान आग के बड़े गोले में तब्दील हो गया। दुर्घटनास्थल के बेहद करीब आवासीय कॉलोनियां थीं और गनीमत रही कि जेट सीधे मकानों पर नहीं गिरा, जिससे जमीन पर बड़ा नुकसान होने से बच गया। हालांकि, टक्कर के तीव्र प्रभाव से पक्की सड़क पर एक बड़ा गड्ढा बन गया और आसपास आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। यह दर्दनाक हादसा फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी में मिलिट्री ट्रेल और 10वें एवेन्यू नॉर्थ के पास हुआ। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां और आपातकालीन राहत दल मौके पर पहुंच गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पाम बीच काउंटी शेरिफ कार्यालय ने इलाके के दोनों तरफ के मुख्य मार्गों को पूरी तरह बंद कर दिया। स्थानीय प्रशासन ने आम वाहन चालकों से अपील की है कि वे राहत एवं बचाव कार्य में बाधा न डालें और प्रभावित मार्ग की ओर जाने से बचें। विमान दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने तकनीकी जांच शुरू कर दी है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने भी अपनी विशेषज्ञ टीम को मौके पर भेजा है, जो दुर्घटना के कारणों की तहकीकात में NTSB की सहायता करेगी।

सुलग उठा बांग्लादेश, ढाका में हिंसा और आगजनी: 30 हजार टका पगार के लिए आर-पार की जंग; 500 कारखानों में तालाबंदी

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश में जीवन यापन की बढ़ती लागत और वेतन वृद्धि की मांग को लेकर कपड़ा मजदूरों का प्रदर्शन उग्र हो गया है। शनिवार से शुरू हुए इस आंदोलन के कारण देश भर में लगभग 500 कपड़ा कारखानों में काम अस्थायी रूप से ठप हो गया है। हजारों मजदूर सड़कों पर उतरे हुए हैं, जिन पर काबू पाने के लिए पुलिस को आंसू गैस और ध्वनि ग्रेनेड का इस्तेमाल करना पड़ा। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योग में गहरा संकट पैदा हो गया है। महंगाई और जीवन यापन के बढ़ते खर्चों से परेशान हजारों कपड़ा श्रमिक सड़कों पर उतर आए हैं, जिससे देश भर में उत्पादन पूरी तरह चरमरा गया है। सुरक्षा और टकराव की स्थिति को देखते हुए करीब 500 कपड़ा फैक्ट्रियों को अस्थायी तौर पर बंद करने का फैसला लिया गया है। वहीं, श्रमिकों



के उग्र आंदोलन के चलते राजधानी ढाका और आसपास के औद्योगिक इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

प्रदर्शनकारी मजदूरों की मुख्य मांग न्यूनतम मासिक वेतन को बढ़ाकर 30,000 टका (लगभग 242 डॉलर) करने की है। वर्तमान में कपड़ा श्रमिकों को न्यूनतम मासिक वेतन के रूप में केवल 12,500 टका मिलता है, जिसे मजदूर मौजूदा महंगाई के दौर में बेहद नाकाफी बता रहे हैं। मजदूर संगठनों का कहना है कि आसमान छूती महंगाई के बीच इतने कम पैसे में परिवार का भरण-पोषण करना असंभव हो गया है। वे इस बहु-अरब डॉलर के निर्यात उद्योग में अपने श्रम के अनुपात में उचित हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं।

सड़कों पर बढ़ते जन-आक्रोश को नियंत्रित करने और उत्पादन बहाल कराने के प्रयास में बांग्लादेश सरकार ने रविवार को कपड़ा मजदूरों के न्यूनतम वेतन की समीक्षा के लिए एक नया वेतन बोर्ड गठित कर दिया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री तारीक रहमान ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अपने वरिष्ठ मंत्रियों और प्रमुख सलाहकारों के साथ उच्चस्तरीय आपात बैठक की। सरकार की ओर से लगातार यह प्रयास किया जा रहा है कि श्रमिकों और फैक्ट्री मालिकों के बीच संवाद स्थापित कर जल्द से जल्द गतिरोध समाप्त किया जा सके।

बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग करीब 38 अरब डॉलर का है, जो देश की कुल निर्यात आय और रोजगार सृजन का सबसे बड़ा स्रोत है। वर्तमान में यह उद्योग अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत, वियतनाम और कंबोडिया से सीधी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहा है। फैक्ट्री मालिकों का तर्क है कि उत्पादन की उच्च लागत, अमेरिका-इजराइल तनाव के चलते ऊर्जा बाजार में आई अनिश्चितता और पश्चिमी बाजारों में मांग में आई गिरावट के कारण वे पहले से ही वित्तीय दबाव में हैं, जिससे तुरंत वेतन दोगुना करना उनके लिए कठिन चुनौती है।

बांग्लादेश कपड़ा और औद्योगिक श्रमिक महासंघ के महासचिव बाबुल अख्तर ने तीखा रुख अपनाते हुए कहा कि बांग्लादेश में दुनिया के मुकाबले सबसे कम कपड़ा वेतन दिया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि फैक्ट्री मालिक सही पगार नहीं दे सकते, तो उन्हें वैश्विक खरीदारों से बेहतर दरों पर बातचीत करनी चाहिए, कम वेतन वाले मजदूरों के शोषण पर कारोबार नहीं चलाया जा सकता। उधर, बांग्लादेश कपड़ा निर्माताओं और निर्यातकों संघ के अध्यक्ष महमूद हसन खान ने कहा कि सरकार ने वेतन बोर्ड बनाकर कदम उठा लिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कामगारों का प्रदर्शन जारी रहा, तो उद्योगों के पास 'काम नहीं तो वेतन नहीं' का कड़ा नियम लागू करने के सिवा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचेगा।

बीजेपी में शामिल हुए 3 बागी विधायकों पर आप का हमला, बीजेपी को मुबारक हो यह कचरा

लुधियाना, एजेंसी । पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। आप पार्टी के तीन बागी विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह, हरमीत सिंह पठानमाजरा और चेतन सिंह जौरामाजरा भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हुए हैं। इसके बाद आम आदमी पार्टी ने तीनों नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है।

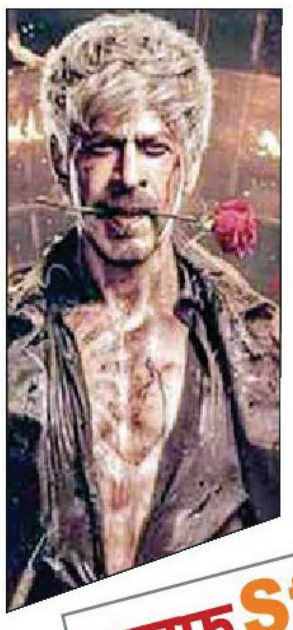
आप नेता और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भाजपा में शामिल हुए विधायकों पर निशाना साधकर कहा कि भाजपा की आदत कचरा इकट्ठा करने की है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास पंजाब में चुनाव लड़ने के लिए 117 उम्मीदवार भी नहीं हैं और उसका संगठन खोखला है। भारद्वाज के मुताबिक, पार्टी उन नेताओं को आगामी चुनाव में टिकट नहीं देगी, जिनके खिलाफ नकारात्मक फीडबैक मिला है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा चाहे, तब इन नेताओं को टिकट दे सकती है, इससे आम आदमी पार्टी को कोई परेशानी नहीं है।

उधर, भाजपा ने तीनों नेताओं का पार्टी में स्वागत कर पंजाब में अपनी राजनीतिक मजबूती के लिए अहम बताया है। पार्टी का कहना है कि इन नेताओं का राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक



अनुभव पंजाब में भाजपा के मिशन को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। पूर्व आईपीएस अधिकारी और अमृतसर नॉर्थ से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह ने पंजाब विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवान को भेज दिया है।

इसके पहले समाना के विधायक चेतन सिंह जौरामाजरा और सनौर के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा ने भी पार्टी छोड़ दी थी। भाजपा में शामिल होने के बाद कुंवर विजय प्रताप सिंह ने कहा कि पंजाब में शांति और समृद्धि की वापसी केवल भाजपा ही करा सकती है। चुनाव से पहले इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है।



शाहरुख के 61वें बर्थडे पर रिलीज होगा 'किंग' का टीजर

नई दिल्ली। 2 नवंबर को शाहरुख खान 61 साल के हो जाएंगे और उनके जन्मदिन से पहले उनकी अपकमिंग फिल्म 'किंग' से जुड़ी किसी घोषणा या खुलासे को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। सिद्धार्थ आनंद द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर रहस्यमयी पोस्ट डालने और ऐसी खबरें आने के बाद कि फिल्म का पहला गाना इस मौके पर आ सकता है, फैंस अब किसी और सरप्राइज की उम्मीद में 'मन्नत' की ओर टकटकी लगाए हुए हैं। फिलहाल शाहरुख खान के बांद्रा स्थित घर 'मन्नत' में बड़े पैमाने पर काम चल रहा है, जिसके चलते वे और उनका परिवार अभी पाली हिल के एक आलीशान डुप्लेक्स अपार्टमेंट में रह रहे हैं।

लाइफ Style

दीपिका

दूसरी बेटी के जन्म के बाद बनीं मल्टीटास्कर

दीपिका पादुकोण हाल ही में दूसरी बार मां बनी हैं और अब अपना पूरा समय अपनी दोनों बेटियों दुआ और देवी को दे रही हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने एक वीडियो शेयर किया है और बताया है कि वह इन दिनों खाना, पीना, एक्सरसाइज और सोना कैसे कर रही हैं।

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह पिछले महीने ही दूसरी बार माता-पिता बने हैं। एक्ट्रेस ने 19 सितंबर को अपनी दूसरी बेटी को जन्म दिया, जिसका नाम कपल ने 'देवी' रखा है। दीपिका और रणवीर ने दशहरे के मौके पर अपनी दूसरी बेटी के नाम का ऐलान किया था। दोनों ने अपनी फैमिली फोटो शेयर की, जिसमें दुआ अपनी छोटी बहन पर प्यार लुटाती नजर आईं। अब दीपिका ने सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट शेयर करते हुए अपना हाल बयां किया है और बताया कि दो बेटियों के जन्म के बाद वह अपने समय को कैसे मैनेज करती हैं। उन्होंने पहले तो ब्रेस्ट मिल्क पंप का एक वीडियो शेयर किया है और दूसरे में अपना रूटीन साझा किया है। दीपिका पादुकोण ने कुछ घंटे पहले अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक ब्रेस्ट मिल्क पंप का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें ब्रेस्ट पंप की आवाज आ रही है। इस आवाज की तुलना उन्होंने हॉन्टेड हाउस से की है। एक्ट्रेस ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'एक डरावना घर, लेकिन असल में यह आधी रात को आपके ब्रेस्ट पंप की आवाज है।' वीडियो में नजर आ रही महिला ने सफेद कपड़े पहन रखे हैं और अपना चेहरा भी ढक रखा है और आंखों पर काला चश्मा लगा रखा है।



हॉलीवुड मसाला

पहली एआई फीचर फिल्म फ्लॉप



लॉस एंजिल्स। चीनी बॉक्स ऑफिस पर एक एआई फिल्म किस्मत आजमाने उतरी थी। हालांकि, फिल्म को दर्शकों से कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला। इससे साफ है कि इस तरह की फिल्मों का भारत में ही नहीं विदेश में भी कोई भविष्य नहीं है। एलन मस्क की 'द ओडिसि' के एआई वर्जन पहले ही अमेरिका के दर्शकों को नागवार गुजरी थी। इस बीच चीन में सानतिसंगडुई: फ्यूचर पास्ट नाम की एक फुली एआई फिल्म रिलीज की गई। ये फिल्म पिछले हफ्ते थियेटर्स में रिलीज हुई थी। ये फिल्म दस हजार से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज हुई।



कटा हुआ हाथ बनकर पार्टी में पहुंचीं हेइडी

लॉस एंजिल्स। सुपरमॉडल हेइडी अपनी हैलोवीन पार्टी में कटे हुए हाथ के रूप में पहुंचीं। उनका यह लुक इतना अजीब और डरावना था कि हर कोई उन्हें देखता रह गया। अब उनकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। हेइडी क्लम ने शनिवार रात न्यूयॉर्क में अपनी मशहूर हैलोवीन पार्टी का आयोजन किया। इस साल उनकी पार्टी की 25वीं सालगिरह भी थी। इस खास मौके पर उन्होंने अपने कॉस्ट्यूम के लिए एक कटे हुए हाथ का लुक चुना। खास बात यह थी कि इस कॉस्ट्यूम में उन्होंने अपने ही हाथ को दोबारा बनाया था। इसमें खून से सनी कलाई, अंगूठियां और खूबसूरत नेल आर्ट भी नजर आई। वहीं, हाथ के बीच में उनका सिर दिखाई दे रहा था।



2 साल तक छोड़ा परफ्यूम का इस्तेमाल...

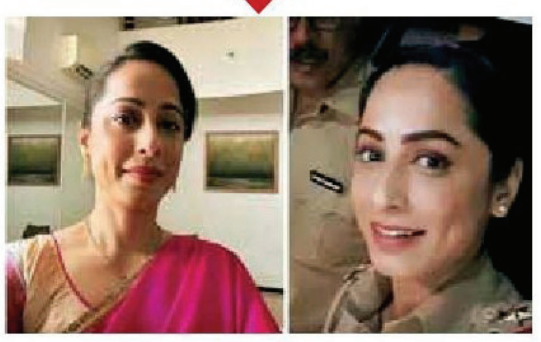
मुंबई। सामंथा रूथ प्रभु एक तरफ जहां इस वक्त अपनी हालिया फिल्म 'मां इंति बंगाराम' की ब्लॉकबस्टर सफलता को इंजॉय कर रही हैं। वहीं, अपने परफ्यूम ब्रैंड 'सीक्रेट एल्केमिस्ट' में भारी भरकम रेवेन्यू पाने को लेकर भी खबरों में हैं। बताया जा रहा है कि उनकी इस कंपनी ने पिछले आठ महीनों में आठ गुना मुनाफा कमाया और करीब 120 करोड़ रुपए का रेवेन्यू मार्क पार कर लिया है। एक वक्त ऐसा भी था जब सामंथा अपनी हेल्थ प्रॉब्लम से जूझ रही थीं और डॉक्टर ने हार्ड केमिकल्स का इस्तेमाल कम करने की सलाह दी थी। उन्होंने करीब दो साल तक परफ्यूम इस्तेमाल करना छोड़ दिया था और अब अपने परफ्यूम ब्रैंड से जमकर कमाई कर रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सामंथा ने अंकिता थदानी और आकाश वालिया के साथ मिलकर 'सीक्रेट अल्केमिस्ट' की शुरुआत की थी।



11 साल बाद हो 'आरसी 17' में आएंगे नजर

नई दिल्ली। साउथ फिल्मों के म्यूजिशियन अनिरुद्ध रविचंदर मौजूदा समय में अपनी शादी को लेकर बिजी हैं। वे सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ काव्या मारन के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। इस वजह से हाल ही में ऐसी खबर आई कि उन्होंने शाहरुख खान की किंग फिल्म भी छोड़ दी है। वहीं, आने वाले समय के लिए उन्होंने नया प्रोजेक्ट भी ले लिया है। अनिरुद्ध अब 11 साल बाद साउथ सुपरस्टार राम चरण के साथ काम करने जा रहे हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म आरसी 17 में अनिरुद्ध रविचंदर म्यूजिक कंपोजर के तौर पर नजर आएंगे। 1 नवंबर को ही राम चरण की इस फिल्म की पूजा सेरेमनी रखी गई थी। कार्यक्रम 10:50 मिनट पर शुरू हुआ था। इस फिल्म के जरिए एक बार फिर से 11 साल के बाद पुष्पा फेम डायरेक्टर सुकुमार संग राम चरण ने हाथ मिलाया है।

टीवी मसाला



मुझे अपनी जिंदगी में कोई मर्द नहीं चाहिए : अंशा

नई दिल्ली। शो सीआईडी की अभिनेत्री अंशा सैयद टीवी का एक जाना पहचाना चेहरा हैं। इंडस्ट्री में तो उन्होंने अपने अभिनय की छाप छोड़ी ही है, वह दर्शकों की भी चहेती हैं। अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी के बारे में कम ही बात करती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी निजी जिंदगी के बारे में कई बातें बताई हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि वह सिंगल हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है

धर्मेंद्र-हेमा की बेटी होने की वजह से भी मुश्किल रहा एशा का फिल्मी सफर

मुंबई। फिल्मी परिवार से आने वाले कलाकारों को अक्सर अपनी मेहनत और प्रतिभा साबित करने के लिए दोहरी कसौटी पर परखा जाता है। दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र और अभिनेत्री हेमा मालिनी की बेटी एशा देओल भी इस तुलना से अछूती नहीं रही हैं। हालांकि, 25 साल के कॅरियर में उन्होंने आलोचनाओं को नजरअंदाज कर अपने काम पर ध्यान देना सीखा है। एशा का मानना है कि दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए अच्छी कहानी सबसे जरूरी है और बॉक्स आफिस पर सफलता की असली नायक भी कहानी ही होती है। 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म प्रताप में एशा एक ऐसी पत्नी के रोल में हैं, जिसे उसके पति की योग्यता के कारण सम्मान मिलता है, लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि सब कुछ



हेमा ने ऐशा को दी थी ये सलाह

यह करियर की शुरुआत में ही मेरी मम्मी ने बताया था की आप इस लाइन में हैं, तो तैयार रहिए की तुलना होगी। खासकर मैं लड़की हूं, तो मेरी तुलना मम्मी से होती। लगातार जरुरत से ज्यादा देख-परख तो आज भी होती है, लेकिन आपको इस लाइन में थोड़ा बहुत ठीठ होना पड़ता है। रोने-धोने से या डरने से कुछ नहीं होता है। अपना फोकस रखो, चमड़ी मोटी करो।

इंडस्ट्री में एशा के 25 साल पूरे

सोचिए मैंने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे कर लिए हैं, तो मैंने अपनी चमड़ी कितनी मोटी कर ली होगी। प्रताप फिल्म में कर्मों की बात भी होगी। मैं कर्म में बहुत यकीन करती हूं, ऐसे में कहीं न कहीं मेरे कर्म अच्छे थे, तो मैं अपने माता-पिता के यहां पैदा हुई हूं।

माता-पिता की उपलब्धियों के आधार पर होती है तुलना

फिल्म इंडस्ट्री में ऐशा को उनके माता-पिता की उपलब्धियों के आधार पर आंका जाना स्वाभाविक था, लेकिन वह इस चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तैयारी के साथ इंडस्ट्री में आई थीं। एशा कहती हैं कि लोग तो आज भी आंकते हैं, जज करते हैं। मेरे ख्याल से आज भी यह सबसे ज्वलंत विषय है। यह ऐसी लहर है, जो चलेगी, फिर रुकेगी और फिर चलेगी। आप इन चीजों से परेशान नहीं हो सकते हैं। अगर आप पर इन चीजों को असर हो रहा है, तो समझ जाइए की आप गलत पेशे में हैं।

रावण और जटायू के फाइट सीन में लगे 6 साल : नितेश

टीम ने 'पुष्पक विमान' पर लगभग दो साल किया काम

नई दिल्ली। 'रामायण: राइज ऑफ अ लेजेंड' को बड़े पर्दे पर लाने के लिए सालों की योजना और मेहनत लगी है। निर्देशक नितेश तिवारी ने अब फिल्म के कुछ अहम दृश्यों को बनाने के प्रोसेस के बारे में बात की है। लेकिन, क्या आप सोच सकते हैं कि फिल्ममेकर को इस मूवी के सिर्फ एक सीन को शूट करने के लिए छह साल से भी अधिक समय लगा? जी हां, रावण और जटायु के युद्ध सीन को लेकर ऐसी ही बात कही जा रही है। एक बातचीत में नितेश तिवारी ने बताया कि सिर्फ रावण और जटायु के बीच की लड़ाई को पूरा करने में साढ़े छह साल लग गए। इसके अलावा, टीम ने 'पुष्पक विमान' पर लगभग दो साल काम किया। फाइनल लुक तय करने से पहले उन्होंने इसके दर्जनों डिजाइन पर विचार किया। उन्होंने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया में हजारों लोग शामिल थे और सिर्फ एक एक्शन सीक्वेंस को सही ढंग से तैयार करने के लिए कितनी ज्यादा मेहनत करनी पड़ी। रावण और जटायु की लड़ाई को साकार करने में कई सालों की योजना और मेहनत लगी। फिल्म निर्माता ने



बताया कि कलाकारों के साथ पहली चर्चा से लेकर इसके पूरी तरह तैयार होने तक, इस एक सीक्वेंस को बनाने में उनकी टीम को साढ़े छह साल लग गए। उन्होंने कहा,'क्या आप जानते हैं कि रावण और जटायु की लड़ाई को पूरा करने में हमें कितना समय लगा? जब मैंने पहली बार कलाकारों को इसके बारे में बताया था, तब से लेकर काम पूरा होने तक, पूरे साढ़े छह साल लग गए। सिर्फ एक एक्शन सीक्वेंस! हर चीज को बिल्कुल शुरुआत से बनाने में कितनी मेहनत लगी है, यह बताने के लिए मैं एक घंटे तक लगातार बात कर सकता हूं।

JHARKHAND EDUCATION CENTER
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com



हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रमेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.